राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 10, अंक- 207 पृष्ठ - 08, नई दिल्ली, रविवार ,17 जनवरी 2021, मूल्य रु. 1.50

एक नज़र...

पीएम-केयर्स फंड के आय-व्यय का ब्योरा दें

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सौ पूर्व नौकरशाहों के एक समूह ने पीएम-केयर्स फंड की पारदर्शिता पर सवाल उठाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शनिवार को एक खुला पत्र लिखा। उन्होंने कहा है कि किसी भी संदेह को दूर करने तथा जन शूचिता और जवाबदेही के मानकों पर खड़े उतरने के लिए यह जरूरी है कि पीएम-केयर्स फंड के आय-व्यय का ब्योरा उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा है कि कोरोना महामारी से प्रभावित लोगों को आपातकालीन स्थितियों में मदद या बचाव के मकसद से बनाए गए पीएम-केयर्स फंड को लेकर हो रही चर्चाओं को हम देख रहे हैं, लेकिन इसके मकसद तथा कामकाज को लेकर कई सवाल अनुत्तरित हैं।

पीएम आज दिखाएंगे आठ ट्रेनों को हरी झंडी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को चेन्नई और विभिन्न गंतव्यों से केवड़िया तक सुपरफास्ट साप्ताहिक ट्रेनों को हरी झंडी दिखाएंगे जो 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' तक कनेक्टविटी प्रदान करेंगी। श्री मोदी दिल्ली से कार्यक्रम में दाभोई-चंदोद गेज परिवर्तित ब्रॉड गेज रेल लाइन, चंदोद-केवडिया नई ब्रॉड गेज रेल लाइन, प्रताप नगर-केवड़िया नव विद्युतीकृत खंड, दाभोई जंक्शन के नए स्टेशन भवन का शुभारंभ करेंगे। वे वाराणसी, दादर, अहमदाबाद, हजरत निजामुद्दीन, रेवा, प्रताप नगर और चेन्नई से केवड़िया तक सात और केवड़िया से प्रताप नगर के बीच ट्रेन को भी हरी झंडी दिखाएंगे।

देश न छोड़ने की शर्त पर आप विधायक को जमानत

रायबरेली, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में रायबरेली की एमपी एमएलए अदालत ने आम आदमी पार्टी (आप) विधायक सोमनाथ भारती की जमानत मंजूर की है। अपर जिला जज ने 50 हजार रुपए की दो जमानत कुछ शर्तों पर मंजूर की है जिसमे उन्हें देश छोड़ने पर पाबंदी भी शामिल है। दिल्ली के विधायक भारती उत्तर प्रदेश के हालात का जायजा और स्कूलों का निरीक्षण आदि करने आये थे। उधर पुलिस का कथन है कि रायबरेली शहर में उनके ऊपर अपशब्द और आपत्ति जनक टिप्पणी के आरोप के कारण पिछली 11 जनवरी को मुकदमा दर्ज हुआ था। उन्हें रिमांड पर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया था।

करंट की चपेट में आई यात्रियों से भरी बस

जालोर, (एजेंसी)। राजस्थान के जालोर जिले के महेशपुरा गांव से बड़ी खबर सामने आई। यहां यात्रियों से भरी एक बस बिजली के तार की चपेट में आ गई। बस में करंट आने से बस में सवार यात्रियों में से करीब एक दर्जन लोगों की मौत की आशंका है। वहीं घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई है। बस से घायलों को निकालकर अस्पताल शिफ्ट किया जा रहा है। मिली जानकारी के मुताबिक, राजस्थान के जालोर जिले के महेशपुर गांव में भीषण हादसा हुआ है। डंडे से बिजली का तार झटक कर कंडक्टर के गले में अटक गया। जिससे कंडक्टर और बस में करंट दौड़ गया।

'जल्लीकट्टू' कार्यक्रम में 52 लोग घायल

मदुरै, (एजेंसी)। तमिलनाडु के मदुरई जिले अलंगनल्लूर में शनिवार को पोंगल उत्सव के मौके पर आयोजित विश्व प्रसिद्ध पारंपरिक कार्यक्रम 'जल्लीकट्टू' में सांड को नियंत्रित करने वाले युवकों और दर्शकों सहित 52 लोग घायल हो गए। मुख्यमंत्री ई के पलानीस्वामी और उप मुख्यमंत्री ओ पन्नीरसेल्वम द्वारा कार्यक्रम को हरी झंडी दिखाए जाने के बाद अब तक 'जल्लीकट्टू' के आठ दौर आयोजित हो चुके हैं, जिसमें कुल 719 पंजीकृत सांड और 600 सांड पालकों ने भाग लिया है। विरट्टीपाथु गांव के सी कन्नन को 12 जंगली सांड को नियंत्रित करने के लिए सर्वश्रेष्ठ सांड पालक के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

रालोसपा के दो दिग्गज आरजेडी में शामिल

पटना, (एजेंसी)। बिहार में पंचायत चुनाव से पहले उपेंद्र कुशावाहा की पार्टी रालोसपा को बड़ा झटका लगा है। रालोसपा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष और राष्ट्रीय प्रवक्ता ने पार्टी से इस्तीफा देकर राजद में शामिल हो गये हैं। रालोसपा अध्यक्ष को यह झटका तब लगा है जब राजनीतिक गलियारों में उपेंद्र कुशावाहा के जेडीयू में जानें की अटकलें लग रही है। राष्ट्रीय लोक समता पार्टी के कोषाध्यक्ष राजेश यादव और प्रवक्ता सुबोध मेहता ने पार्टी इसे इस्तीफा दे दिया है। दोनों नेता आज तेजस्वी यादव की उपस्थिति में लालू की पार्टी राजद में शामिल हो गए हैं। इन दोनों नेताओं को राज्य संगठन में कोई बड़ा पद मिल सकता है।

कोरोनाः सफलता के पहले पायदान पर भारत

पीएम ने की देश में टीकाकरण अभियान की शुरुआत

नई दिल्ली ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान की शुरुआत करते हुए कहा कि आज के दिन का पूरे देश को बेसब्री से इंतजार रहा है। कितने महीने से देश के हर घर में बच्चे, बूढ़ों और जवानों की जुबान पर यही सवाल था कि कोरोना की वैक्सीन कब आयेगी।

अब कोरोना की वैक्सीन बहुत ही कम समय में आ गई है। आज से भारत में दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान शुरू हो रहा है। इसके लिए सभी देशवासियों को बहुत-बहुत बधाई। भारत में दुनिया का सबसे बड़ा वैक्सीनेशन प्रोग्राम में शनिवार को पहले दिन 3.15 लाख की बजाय 1.91 लाख को टीका लगा यानी टारगेट के मुकाबले 60 फीसदी ही लगाया गया। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि शनिवार को 1,91,181 लोगों को दी गई वैक्सीन, अभी तक किसी को कोई दिक्कत नहीं है। टीकाकरण के बाद अभी तक किसी के भी अस्पताल में भर्ती होने की कोई सूचना नहीं है।

पूरे देश में पहले दिन 1.91 लाख लोगों को टीका लगा

साथ देने के लिए सभी लोगों का धन्यवाद

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ हर्षवर्धन ने कोरोना टीकाकरण अभियान के शुभारंभ के मौके पर शनिवार को उन सभी लोगों का धन्यवाद ज्ञापन किया, जिन्होंने एकजुट होकर कोरोना के खिलाफ लड़ाई में देश का साथ दिया। डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि टीकाकरण अभियान के शुभारंभ पर मैं उन सभी का धन्यवाद करता हूं, जिन्होंने कोरोना से लड़ाई में देश का साथ दिया। डॉक्टर, वैज्ञानिक, स्वास्थ्यकर्मी, पुलिस कर्मचारी, सफाई कर्मी, फ्रंटलाइन वर्कर्स सबका बहुत धन्यवाद। मैं पत्रकारों को भी कोरोना वॉरियर्स मानता हूं। उन्होंने कहा कि पत्रकार पूरे कोरोना काल में लोगों को सही जानकारी मुहैया कराने के लिए अग्रिम मोर्चे पर डटे रहे।

देश के शीर्ष डॉक्टरों ने जताया कोरोना के स्वदेशी टीके पर विश्वास

नई दिल्ली। कोरोना के खिलाफ टीकाकरण का सबसे बड़ा अभियान शुरू होने के पहले दिन देश के शीर्ष डॉक्टरों ने कोरोना के स्वदेशी टीके कोवैक्सीन पर भरोसा जताया। नीति आयोग के सदस्य डा. वीके पॉल, दिल्ली स्थित एम्स के निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया, इंडोक्रिनोलॉजी, कार्डियक सर्जरी के विभागाध्यक्ष सहित कई वरिष्ठ डॉक्टरों ने कोवैक्सीन टीका लगवाया। बाद में उन्होंने टीके को सुरक्षित व प्रभावी भी बताया और स्वास्थ्य कर्मियों से अपील करते हुए कहा कि उन्हें जो भी टीका उपलब्ध कराया गया है, उसे जरूर लगवाएं। अन्य राज्यों में भी डॉक्टरों व चिकित्सा विभाग से जुड़े कर्मचारियों ने टीका लगवाया। इस दौरान उन्होंने इसे पूरी तरह सुरक्षित करार दिया।

एम्स के शीर्ष डॉक्टरों ने लगवाया टीका

एम्स में डॉ. वीके पॉल की पत्नी डॉ. शशि पॉल, कार्डियक सर्जरी के विभागाध्यक्ष डॉ. शिव कुमार चौधरी, इंडोक्रिनोलॉजी के विभागध्यक्ष डॉ. निखिल टंडन, कार्डियोलॉजी विभाग के प्रोफेसर डॉ. अंबुज राय व कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के डॉ. पुनीत मिश्रा ने टीका लगवाया। डॉ. पुनीत मिश्रा कोवैक्सीन के ट्रायल से भी जुड़े रहे हैं। दिल्ली स्थित आरएमएल अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राणा अनिल कुमार सिंह ने भी टीका लगवाया।

डॉ. वीके पॉल ने कहा कि 15 जनवरी की शाम को उन्हें टीका लगाने के लिए संदेश मिला था। टीका लगने के बाद उन्हें कोई परेशानी नहीं हुई। करीब 30 मिनट निगरानी में रहने के बाद टीकाकरण केंद्र से लौटते वक्त एक पर्ची दी गई है। उसमें एक फोन नंबर दिया गया है ताकि घर जाने के बाद कोई परेशानी होती है तो उन नंबर पर काल करके डॉक्टर से संपर्क किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अभी टीके के चयन का विकल्प नहीं है। इसलिए कोई खुद यह तय नहीं कर सकता कि उसे कौन सा टीका लेना है। प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराए गए टीके को ही लेना है। देश में उपलब्ध दोनों टीके अच्छे हैं। इसलिए बारी आने पर टीका जरूर लगवाएं। 30 करोड़ लोगों को टीका लग जाने के बाद दूसरे लोगों को टीका लगाने के बारे में सोचा जाएगा। जैसे-जैसे टीकाकरण बढ़ेगा वैसे-वैसे संक्रमण नियंत्रित होगा। कोवैक्सीन स्वदेशी है, उसमें विश्वास दिखाना जरूरी है। इस टीके पर सबको गर्व होना चाहिए।

डॉ. शिव कुमार चौधरी ने कहा कि टीका लगने के बाद मैंने अस्पताल आकर मरीजों का इलाज भी किया है। एम्स में टीके का ट्रायल होने के कारण पूरी प्रक्रिया को नजदीक से देखा है। इसलिए टीके पर पूरा विश्वास है। आशंका उन लोगों को है, जो पूरी प्रक्रिया से अवगत नहीं हैं।

जम्मू कश्मीर में स्वास्थ्यकर्मियों को जब कोरोना वैक्सीन दी गई तो उनके चेहरों पर आत्मविश्वास था। किसी में वैक्सीन को लेकर कोई भय नहीं था। वह वैक्सीन लगवाने के बाद अन्य को भी यह संदेश दे रहे थे कि सभी आगे आकर वैक्सीन लगवाओ और कोरोना के खिलाफ जारी लड़ाई को जीतने में सरकार के प्रयासों को आगे बढ़ाओ। श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल सांइसेस सौरा के डायरेक्टर डा. एजी अहंगार ने कश्मीर में पहला टीका लगाने के बाद कहा कि लोगों को बिल्कुल भी डरने की जरूरत नहीं है। यह पूरी तरह सुरक्षित है। टीकाकरण के लिए लोग आगे आएं।

कोरोना वैक्सीन लगवाने से जुड़े किसी भी तरह के भ्रम को दूर करते हुए मध्य प्रदेश के शाजापुर में जिला अस्पताल में पदस्थ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. सुनील सोनी ने दो मरीजों के मोतियाबिंद के ऑपरेशन किए। डॉ. सोनी ने बताया कि वैक्सीन लगने के बाद उन्हें किसी तरह की कोई दिक्कत नहीं हुई।

कोविशील्ड बनाने वाली कंपनी के सीईओ पूनावाला ने टीका लगवाकर कहा- ऐतिहासिक दिन

नई दिल्ली। देश में कोरोना की वैक्सीन कोविशील्ड बनाने वाली कंपनी सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के सीईओ अदार पूनावाला ने स्वास्थ्य कर्मी की हैसियत से टीका लगवाने के बाद इस दिन को ऐतिहासिक बताया है।

पूनावाला ने टीका लगवाते हुए अपना वीडियो भी जारी किया है। वीडियो को ट्वीट करते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान की शुरुआत करने के लिए मैं भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सफलता की कामना करता हूं।

पूनावाला ने कहा कि मेरे लिए यह गौरव की बात है कि इस अभियान में कोविशील्ड भी हिस्सा है। वैक्सीन की सुरक्षा और कारगरता को पुष्ट करने के लिए मैंने भी अभियान के पहले दिन टीका लगवाया है। उल्लेखनीय है कोविशील्ड को आक्सफोर्ड विवि और एस्ट्राजेनेका कंपनी ने विकसित किया है जबकि निर्माण सीरम इंस्टीट्यूट ने किया है। भारत में दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान की शुरुआत हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका शुभारंभ किया। लद्दाख में तैनात इंडो तिब्बत बॉर्डर पुलिस के लगभग 20 स्वास्थ्यकर्मियों को शनिवार को कोरोना टीका लगा। समाचार एजेंसी पीटीआइ के अनुसार बल के प्रवक्ता विवेक कुमार पांडे ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि इसमें दो महिला अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी कात्यायनी शर्मा पांडे और चिकित्सा अधिकारी डॉ. स्कलजंग अंग्मो शामिल हैं।

टीकाकरण अभियान शुरू होने के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि वो आज बहुत खुश हैं, वैक्सीन कोरोना के खिलाफ जंग में संजीवनी का काम करेगी। भारत ने पहले पोलियो और चेचक के खिलाफ जंग जीती है और अब भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कोरोना के खिलाफ जंग जीतने के निर्णायक दौर में पहुंच चुका है। गौरतलब है कि पहले चरण में तीन करोड़ स्वास्थ्यकर्मियों को टीका लगाया जाएगा। डीसीजीआइ ने सीरम इंस्टीट्यूट की कोविशील्ड और स्वदेशी भारत बायोटेक की कोवैक्सीन को इमरजेंसी इस्तेमाल को मंजूरी दी है।

दुष्प्रभाव हुआ तो मिलेगा मुआवजा

हैदराबाद,(एजेंसी)। कोरोना वायरस के खिलाफ स्वदेशी वैक्सीन कोवैक्सीन विकसित करने वाली कंपनी भारत बायोटेक ने कहा है कि अगर खुराक लगने के बाद किसी को गंभीर दुष्प्रभाव का सामना करना पड़ता है तो कंपनी इसके लिए मुआवजा देगी। भारत बायोटेक की भारत सरकार की ओर से कोवैक्सीन की 55 लाख खुराकों की खरीद का ऑर्डर मिला है।

महाराष्ट्र में टीकाकरण पर रोक

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार ने कोरोना वायरस के खिलाफ चल रहे टीकाकरण अभियान को दो दिनों के लिए रोक दिया है। टीकाकरण के इस अभियान को 18 जनवरी तक के लिए पूरे महाराष्ट्र में रोका गया है। राज्य स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, को-विन एप में तकनीकी दिक्कतों की वजह से इस कार्यक्रम पर रोक लगाई गई है।

महाराष्ट्र के नौ जिलों में बर्ड फ्लू, मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ में कुक्कुट पक्षियों को मारना जारी

नई दिल्ली । देश केंद्र ने शनिवार को कहा कि महाराष्ट्र के नौ जिलों में कुक्कुट पक्षियों में बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई है और मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के एक-एक जिले में कुक्कुट पंछियों का मारने का अभियान चल रहा है। सरकार ने कहा कि कुक्कुट पक्षियों के अलावा उत्तराखंड, गुजरात और उत्तर प्रदेश में कौवों में तथा दिल्ली में कबूतर, ब्राउन फिश उल्लू और सारस में इस संक्रमण की पुष्टि हुई है।

हालांकि केंद्र सरकार ने कुक्कुट उत्पादों की बिक्री पर पाबंदी लगाने के अपने निर्णय पर पुनर्विचार करने तथा गैर संक्रमित क्षेत्रों-राज्यों से कुक्कुट उत्पादों की बिक्री की अनुमति देने का अनुरोध किया। भारत में, खासकर सितंबर से मार्च तक सर्दियों के दौरान आने वाले प्रवासी पक्षियों से बर्ड फ्लू या एवियन इंफ्लूएंजा फैला है। यह पशुजन्य बीमारी है।

बर्ड फ्लू की स्थिति पर नवीनतम आंकड़ा जारी करते केंद्रीय मात्स्यिकी, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय ने कहा कि शनिवार तक महाराष्ट्र के लातूर, परभनी, नांदेड़, पुणे, सोलापुर, यवतमाल, अहमदनगर, बीड और रायगढ़ जिलों में बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई है। उसने कहा कि मुम्बई के केंद्रीय कुक्कुट विकास संगठन की रिपोर्ट के अनुसार आम तौर पर कुक्कुट की मौत फार्म पर पायी गयी। इन नमूनों को निर्धारित प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजा गया है।

उसने कहा कि इसके अलावा मध्यप्रदेश के छत्तरपुर जिले, गुजरात के सूरत, नवसारी और नर्मदा जिलों, उत्तराखंड के देहरादून जिले और उत्तर प्रदेश के कानपुर में कौवों में बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई है। बयान में कहा गया है कि इसके अतिरिक्त दिल्ली में नजफगढ में कबूतर और ब्राउन फिश उल्लू एवं रोहिणी में सारस में एवियन इंफ्लूएंजा पाया गया। मंत्रालय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के बालोद में कुक्कुट पंछियों को मारने का काम चल रहा है। मध्यप्रदेश में भी त्वरित कार्रवाई दलों को तैनात किया गया है। हर्दा जिले में मुर्गियां मारी जा रही हैं। सरकार ने कहा कि देश के प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति की निगरानी के लिए बनाये गये केंद्रीय दल प्रभावित स्थलों का दौरा कर रहा है और चीजों का अध्ययन कर रहे हैं।

बैंक फ्रॉड मामले में सीबीआई के चार अधिकारी निलंबित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। बैंक धोखाधड़ी मामले में सीबीआइ अधिकारियों पर बड़ी कार्रवाई की गई है। दो सीबीआई अधिकारियों, एक निरीक्षक और एक स्टेनोग्राफर को निलंबित कर दिया गया। इसके साथ ही सीबीआई के दो डीएसपी के खिलाफ भी कड़ी कार्रवाई की गई है।

धोखाधड़ी मामलों में जुड़े इन बड़े अफसरों पर यह कार्रवाई ब्यूरो और कार्मिक मंत्रालय द्वारा की गई है। पिछले दिनों आठ पृष्ठों की प्राथमिकी में आरोपों को एजेंसी द्वारा छापेमारी की कार्रवाई पूरी होने के बाद सार्वजनिक किया था। इंस्पेक्टर कपिल धनखड़ को अपने उन वरिष्ठ अफसरों, पुलिस उपाधीक्षकों आरके सांगवान और आरके ऋषि से 10-10 लाख रुपए प्राप्त हुए जो 700 करोड़ की बैंक धोखाधड़ी की आरोपित श्री श्याम पल्प एंड बोर्ड मिल्स तथा 3,600 करोड़ की बैंक धोखाधड़ी की आरोपित फ्रास्ट इंटरनेशनल के पक्ष में काम कर रहे थे।

किसान आंदोलन में एनआईए समन के बाद और बढ गई कड़वाहट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। किसान आंदोलन में एनआईए समन के बाद अब कड़वाहट और बढ़ गई है। आंदोलन से जुड़े 20 किसान नेताओं समेत करीब सौ लोगों को एनआईए ने फंडिंग से लेकर अन्य 'लिंक' को लेकर पूछताछ के लिए समन भेजा है। इनमें किसान नेताओं के अलावा धार्मिक और सामाजिक संगठनों के प्रमुखों के साथ-साथ कलाकार, ट्रांसपोर्टर, आढ़तिए, पेट्रोल पंप संचालक, जत्थेदार व कई संदेह के दायरे वाले शामिल हैं। इनसे पूछताछ के सिलसिले की शुरुआत एनआईए रविवार से अलग-अलग तारीखों पर करने जा रही है। उधर, शनिवार को ही पंजाब से जुड़े 32 किसान संगठनों की बैठक में 26 जनवरी के ट्रैक्टर परेड, एनआईए के ताजा समन, शुक्रवार की सरकार से हुई वार्ता और दसवें दौर की 19 जनवरी को होने वाली वार्ता पर चर्चा हुई।

करीब सौ लोगों को दिया समन

एनआईए ने फंडिंग को लेकर करीब सौ लोगों को समन भेजा है। भाकियू डकौंदा के बूटा सिंह बुर्जगिल का दावा है कि इनमें जत्थेदार भी शामिल हैं। एनआईए समन पर पंजाब के किसान संगठनों की शनिवार की बैठक में चर्चा हुई और सरकार के रवैये पर चिंता जताई गई।किसान नेताओं का मानना है कि आनन-फानन में रविवार को एनआईए ने पूछताछ के लिए तलब किया है, ताकि इसे सोमवार को सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई में आधार बनाया जा सके। इसी आधार पर सरकार कोर्ट में 'खलिस्तान की घुसपैठ' का हलफनामा दाखिल कर सकती है। बूटा सिंह बुर्जगिल का मानना है कि सरकार और एनआईए की नोटिस के आधार पर सुप्रीम कोर्ट नोटिस देकर पक्ष जान सकता है।

व्हाट्सएप का बड़ा कदम

व्हॉट्सएप ने नीतिगत बदलाव को 15 मई तक टाला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। व्हॉट्सएप ने नीति में बदलाव (अपडेट) को 15 मई तक के लिए टाल दिया है। अपने हालिया निजता नीति बदलावों को लेकर व्हॉट्सएप को भारत सहित वैश्विक स्तर पर आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है।

दुनियाभर में इस बात को लेकर चिंता जताई जा रही है कि व्हॉट्सएप उपयोक्ताओं के डेटा को अपनी मूल कंपनी फेसबुक से साझा कर सकती है। यह घटनाक्रम इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि भारत व्हॉट्सएप के लिए सबसे बड़े बाजारों में से है। भारत में व्हॉट्सएप के प्रयोगकर्ताओं की संख्या 40 करोड़ से अधिक है। व्हॉट्सएप ने ब्लॉग पोस्ट में लिखा है कि प्रयोगकर्ताओं के लिए नीतिगत अपडेट की शर्तों पर अपनी मंजूरी देने की तिथि को आगे बढ़ाया जा रहा है। व्हॉट्सएप ने ब्लॉग पोस्ट में कहा कि किसी का भी खाता आठ फरवरी को निलंबित या बंद नहीं किया जाएगा। हम व्हॉट्सएप पर निजता और सुरक्षा को लेकर फैली गलत सूचनाओं को दूर करने के लिए और अधिक काम करेंगे। हम लोगों के पास नीति की समीक्षा के लिए धीरे-धीरे जाएंगे।

15 मई से नए कारोबारी विकल्प उपलब्ध होंगे। व्हॉट्सएप के हालिया विवादास्पद बदलावों को लेकर बहस छिड़ी हुई है। व्हॉट्सएप ने पिछले सप्ताह प्रयोगकर्ताओं को 'इन-एप' अधिसूचना के जरिये इन बदलावों की सूचना दी थी।

श्रीनगर में कड़ाके की ठंड, पारा-8.2 डिग्री

डल झील समेत अन्य पानी के स्रोत जमे

श्रीनगर ■ एजेंसी

श्रीनगर समेत पूरी कश्मीर घाटी भीषण ठंड के प्रकोप से जूझ रही है। स्थानीय लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं पारा लगातार शून्य से नीचे रिकॉर्ड किया जा रहा है।

श्रीनगर में लगातार पिछले कुछ दिनों से लोगों को हड्डियां जमा देने वाली ठंड का सामना करना पड़ रहा है। रात का तापमान लगातार माइनस में जाने के कारण सड़कों पर भी कोहरा जमा हुआ दिखा। कुछ जगहों पर एसएमसी के कर्मचारी कोहरे को पिघलाने के लिए सड़कों पर नमक का छिड़काव करते दिखाई दिए। श्रीनगर में न्यूनतम तापमान माइनस 8.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के अनुसार अगले एक सप्ताह तक मौसम साफ बने रहने की संभावना है। इस भीषण ठंड के चलते श्रीनगर की विश्व प्रसिद्ध डल झील के अधिकतर हिस्से जम गए हैं। कई जगहों पर बच्चे फुटबॉल और क्रिकेट खेलते रहे।

पंजाब और हरियाणा में शीतलहर चली

चंडीगढ़, (एजेंसी)। पंजाब और हरियाणा में शनिवार को शीतलहर चलती रही और बठिंडा में पारा चार डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पंजाब में अमृतसर, लुधियाना और पटियाला में न्यूनतम तापमान क्रमशः 6.5, 7.8 और 6.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से तीन डिग्री अधिक है। पठानकोट, आदमपुर हलवारा फरीदकोट और गुरदासपुर में पारा क्रमशः 6.1, 6.6 और 9.2 डिग्री तक लुढ़का।

अभियान | **39 महीने में बनकर तैयार हो जाएगा भव्य राम मंदिर**

नींव की ड्राइंग एक हफ्ते में होगी पूरीः चंपत

लालगंज (रायबरेली)■ एजेंसी

अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण 39 महीनों में पूरा हो जाएगा। इसके नींव के निर्माण की ड्राइंग भी एक हफ्ते में बन जायेगी। निर्माण के लिए जरूरी तकनीकी परीक्षण पूरे हो चुके हैं।

मंदिर निर्माण के लिए दानपर्व मकर संक्रांति से शुरू हुआ। धनसंग्रह अभियान माघ पूर्णिमा (42 दिन) तक जारी रहेगा। ये जानकारियां श्री रामजन्म भूमि तीर्थ ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय ने जिले के तेजगांव में मीडिया को दी। उन्होंने बताया कि आरएसएस और उसके विचारों को मानने वाले लोग जनता जनार्दन के बीच में भगवान के घर के निर्माण के लिए लोगों की समर्पित निधि का संग्रह करेंगे। कोशिश है कि लेह से लद्दाख और कश्मीर से कन्याकुमारी तक पांच लाख गांवों में जाकर 12 करोड़ परिवारों से सहयोग प्राप्त किया जाए।

उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि हम देश के 60 करोड़ हिंदुओं से सहयोग प्राप्त करके भगवान के घर का निर्माण करेंगे। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि निधि संग्रह के काम में लगे प्रत्येक कार्यकर्ता को प्राप्त धन 48 घंटे के भीतर बैंक में जमा करना होगा। इसके लिए भारतीय स्टेट बैंक, बैंक आफ बड़ौदा और पंजाब नेशनल बैंक का चयन किया गया है। प्रत्येक जिले से जमा निधि का विधिवत सीए से ऑडिट कराया जाएगा।

नींव के लिए पचास फीट गहराई तक खुदाई

चंपत राय ने बताया कि जहां मंदिर निर्माण होना है वहां की 70 फीट गहराई की मिट्टी पोली और भुरभुरी है। वहां पर पचास फीट गहराई तक की मिट्टी निकालकर उसे एक हजार वर्ष आयु वाले चार लाख टन घन फिट वजन के पत्थरों का भार सहने लायक मजबूत बनाया जाएगा। यह दुनिया में इंजीनियरिंग की अभूतपूर्व संरचना होगी।

नवनिर्वाचित जो बाइडन का समारोह रिहर्सल सुरक्षा संबंधित चिंताओं के कारण स्थगित

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति शपथ ग्रहण से पहले होने वाली रिहर्सल को सुरक्षा चिंताओं के कारण स्थगित कर दिया गया है। यह पूर्वाभ्यास रविवार को होना था। मीडिया कंपनी पोलिटिको ने फैसले की जानकारी रखने वाले दो लोगों के हवाला से रात रिपोर्ट किया।

रिपोर्ट के अनुसार अब रिहर्सल की योजना सोमवार के लिए बनाई गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि नवनिर्वाचित जो बाइडन की टीम ने सुरक्षा की चिंता के कारण सोमवार को विलमिंगटन से वाशिंगटन तक की एक एमट्रैक यात्रा रद्द कर दिया। बता दें कि 20 जनवरी को बाइडन का शपथ समारोह होना है।

वहीं, पूर्वाभ्यास को रद और अन्य नोट हुई रिपोर्ट पर अध्यक्षीय समारोह समिति ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। वहीं, संघीय जांच ब्यूरो के निदेशक क्रिस्टोफर रे ने पहले कह चुके हैं कि एफबीआई उन व्यक्तियों की तलाश कर रहा है जो संभवतः समारोह की सुरक्षा को खतरे में डाल सकते हैं। बता दें कि एक राष्ट्रपति समारोह पर वाशिंगटन में सैकड़ों हजारों लोग शामिल होते हैं, लेकिन इस बार कोविड-19 महामारी के कारण समारोहों को कुछ अलग प्रकार से किया जा सकता है।

बाइडन ने डिप्टी अटॉर्नी जनरल और पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के आतंकवाद निरोधी सलाहकार, लिसा मोनाको को अस्थायी होमलैंड सुरक्षा सलाहकार के रूप में काम करने के लिए कहा है, जो अगले सप्ताह के समारोह की देख भाल करेंगे। अधिकारियों ने वाशिंगटन में कई तरह के विरोध और सभी 50 राज्यों और कार्यकर्ता समूहों द्वारा हिंसा की संभावना जताई है। यह चेतावनी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थकों द्वारा अमेरिकी कैपिटल पर पिछले सप्ताह किए गए हमले को देखते हुए और गंभीर हो जाती है, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई थी।

कड़ी सुरक्षा के बीच शपथ लेंगे बाइडन

बाइडन का समारोह राजधानी वाशिंगटन के वेस्ट फ्रंट में 20 जनवरी को आयोजित होगा। इस दौरान लेडी गागा राष्ट्रगान गाएंगी जबकि लोपेज संगीत प्रस्तुति देंगी। बाइडन सुरक्षा के तगड़े इंतजामों के बीच अमेरिका के 46वें राष्ट्रपति के तौर पर शपथ लेंगे। शपथ ग्रहण समारोह में सुरक्षा की कई स्तरीय व्यवस्था होगी। ट्रंप समर्थकों की ओर से कोई बवाल या उपद्रव की घटना नहीं हो इसके लिए सुरक्षा चाकचौबंद रखी गई है। कैपिटल बिल्डिंग के आसपास फेंसिंग, बाड़ से लेकर तमाम इंतजाम किए गए हैं। इस दौरान नेशनल गार्ड के हजारों जवान तैनात रहेंगे।

एक्शन में बाइडेन : प्रेसिडेंट इलेक्ट ने 138 लाख करोड़ रुपये के राहत पैकेज का ऐलान किया

हर अमेरिकी के खाते में 30 हजार रुपये आएंगे

वाशिंगटन। 20 जनवरी को अमेरिकी राष्ट्रपति बनने जा रहे जो बाइडेन ने अपना सबसे अहम चुनावी वादा निभाने का ऐलान कर दिया। बाइडेन ने कोरोना की वजह से गंभीर रूप से प्रभावित हुई अमेरिकी अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए 1.9 ट्रिलियन डॉलर के राहत पैकेज का ऐलान किया। इसको कुछ हिस्सों में बांटा गया है। पैकेज को कांग्रेस यानी अमेरिकी संसद के दोनों सदनों से पारित कराना होगा। मोटे तौर पर देखें तो पैकेज लागू होने के बाद हर अमेरिकी के खाते में 1400 डॉलर यानी करीब 30 हजार रुपए आएंगे। एक और खास बात यह है कि बाइडेन के पैकेज में छोटे कारोबारियों को भी राहत दी गई है। पैकेज को 'अमेरिकन रेस्क्यू प्लान' नाम दिया गया है।

पैकेज में किसके लिए क्या

बाइडेन के पैकेज का सिर्फ एक मकसद है कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाया जाए। पैकेज में जिस तरह का फंड का बंटवारा प्रस्तावित है उससे साफ हो जाता है कि कारोबार, शिक्षा और हर अमेरिकी को राहत देने का फैसला किया गया है। इसके साथ ही वैक्सीनेशन पर भी फोकस किया गया है।

415 अरब डॉलर : कोरोना के खिलाफ जंग पर खर्च किए जाएंगे।

1400 डॉलर : हर अमेरिकी के अकाउंट में ट्रांसफर होंगे।

440 अरब डॉलर : स्मॉल स्केल बिजनेस (छोटे कारोबार) के सुधार पर खर्च होंगे।

15 डॉलर : प्रति घंटे के हिसाब से कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन (मिनिमम वेज) दिया जाएगा। पहले यह 7 डॉलर के आसपास था।

इसमें कुछ दिक्कत आ सकती है क्या?

बिल्कुल आ सकती है। दरअसल, नवंबर-दिसंबर में जब ट्रम्प राहत पैकेज लेकर आए थे तब, बाइडेन और उनकी डेमोक्रेटिक पार्टी ने कई सवाल उठाए थे। अब भी सीनेट में रिपब्लिकन पार्टी का बहुमत है। वो अड़ंगा लगा सकते हैं। दूसरी बात, पैकेज में डिफेंस सेक्टर के लिए अलग से कोई ऐलान नहीं किया गया है। इस पर आपत्ति हो सकती है।

एक और बात ध्यान देने वाली है। बाइडेन और वाइस प्रेसिडेंट इलेक्ट कमला हैरिस ने इस राहत पैकेज की घोषणा बाइडेन के होम टाउन विलिमिंग्टन (डेलावेयर) में की। आमतौर पर इतनी बड़ी घोषणाएं देश की राजधानी में की जाती हैं। बहरहाल बाइडेन ने कहा- संकट बड़ा और रास्ता मुश्किल है। अब हम और वक्त बर्बाद नहीं कर सकते। जो करना है वो, फौरन करना है।

बाइडेन चाहते हैं कि 100 दिन में करीब 10 करोड़ अमेरिकी नागरिकों को वैक्सीनेट किया जाए। वे बेरोजगारी भत्ता 300 डॉलर से बढ़ाकर 400 डॉलर हर महीने करना चाहते हैं। स्कूल फिर खोलने के लिए 130 अरब डॉलर खर्च किए जाने की योजना है। एक करोड़ 10 लाख बेरोजगारों को 400 डॉलर हर महीने मिलना बड़ी राहत है।

भारत की कुल अर्थव्यवस्था के आधे से ज्यादा का राहत पैकेज

भारत की कुल अर्थव्यवस्था इस वक्त करीब 3 ट्रिलियन डॉलर की है। इस लिहाज से देखें तो बाइडेन ने जो राहत पैकेज अनाउंस किया है वो भारत की अर्थव्यवस्था के आधे से भी ज्यादा है।

ब्राजील में कोविड-19 से हालत खराब, अस्पताल की व्यवस्था ध्वस्त, ऑक्सीजन की कमी

ब्रासीलिया। मनौस के अमेजन शहर में अस्पताल प्रणाली कोविड-19 की दूसरी लहर से ढह रही है और यहां ऑक्सीजन की भी भारी कमी हो गई है। इस बारे में ब्राजील के स्वास्थ्य मंत्री एडुआर्डो पाजएलो ने गुरुवार को अधिक जानकारी दी। राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के साथ एक वेबकास्ट पर बोलते हुए, पाजएलो ने कहा कि शहर के अस्पतालों में मेडिकल स्टाफ की कमी हो गई है क्योंकि फिर से मौतें बढ़ रही हैं। अमेजन राज्य ने संयुक्त राज्य अमेरिका से ऑक्सीजन सिलेंडर के साथ सैन्य परिवहन विमान भेजने की अपील की है।

पाकिस्तान में मंदिर बचाने में लापरवाही को लेकर 12 अधिकारी बर्खास्त

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में खैबर पख्तूनख्वा प्रांतीय सरकार ने एक जांच रिपोर्ट के बाद 12 पुलिस अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया है। यह कार्रवाइ कुछ दिनों पहले एक हिंदू मंदिर पर हुए हमले के मामले में की गई थी। इन अधिकारियों को मंदिर की रक्षा में लापरवाही का दोषी पाया गया है। बता दें कि मंदिर पर एक कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी के सदस्यों के नेतृत्व में एक भीड़ ने हमला किया था।

इस सिलसिले में सरकार ने 33 पुलिस अधिकारियों की सेवा पर एक साल के लिए रोक लगा दी है। बता दें कि कोहाट क्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक तैयब हाफिज चीमा ने घटना की जांच के लिए पुलिस अधीक्षक (जांच विंग) जहीर शाह को जांच अधिकारी के रूप में नियुक्त किया था और एक सप्ताह के अंदर अपनी रिपोर्ट जमा करने के निर्देश दिए थे।

बीजिंग पर सख्ती: ट्रम्प ने चीन की 9 कंपनियों पर बैन लगाया

अमेरिकी कंपनियां और लोग इनमें इन्वेस्टमेंट नहीं कर सकेंगे

वाशिंगटन। डोनाल्ड ट्रम्प का कार्यकाल सिर्फ पांच दिन बचा है लेकिन, चीन पर उनकी सख्ती जारी है। देर रात ट्रम्प ने एक ऑर्डर के जरिए चीन की 9 कंपनियों पर बैन लगा दिया। इस बैन के मायने ये हैं कि इन 9 चीनी कंपनियों में अब अमेरिकी नागरिक या अमेरिकी कंपनियां किसी तरह का इन्वेस्टमेंट नहीं कर पाएंगी। इसके पहले ट्रम्प एडमिनिस्ट्रेशन ने 39 चीनी कंपनियों पर शिकंजा कसा था।

अमेरिकी अफसरों का आरोप है कि चीनी कंपनियां सीधे तौर पर वहां की सेना से जुड़ी हुई हैं। ये चीनी कंपनियां अपने देश की सेना को आर्थिक और तकनीकि मदद देती हैं।

ट्रम्प के कदम पर बाइडेन चुप

पांच दिन बाद राष्ट्रपति बनने जा रहे जो बाइडेन या उनकी ट्रांजिशन टीम ट्रम्प के इस कदम पर कुछ बोलने को तैयार नहीं हैं। हालांकि, यह बहुत मुश्किल है कि बाइडेन इस बैन का विरोध करें क्योंकि, वे चुनाव प्रचार के दौरान ही साफ कर चुके हैं कि चीन पर नकेल करना बेहद जरूरी है।

चीन बड़ी मुश्किल में

ट्रम्प ने चीन की 9 कंपनियों पर बैन लगाया है। इसके मायने ये हुए कि अमेरिका में अब इन कंपनियों को अपने दम पर बिजनेस करना होगा। कोई अमेरिकी नागरिक या कंपनी चीन की इन कंपनियों में किसी तरह का निवेश नहीं कर पाएगा। इससे इन कंपनियों की मुश्किल बेहद बढ़ जाएगी क्योंकि, अमेरिका से यह कंपनियां यूरोप को भी कवर करती रही हैं। यूरोपीय देशों पर पहले ही अमेरिका दबाव डाल रहा है कि वे चीनी कंपनियों को किसी तरह की रियायत न दें।

दो कंपनियां सबसे ज्यादा परेशान होंगी

मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स बनाने वाली श्याओमी और ऑयल कंपनी CNOOC पर बैन का सबसे ज्यादा असर होगा। CNOOC चीन की सबसे बड़ी और सरकारी ऑयल कंपनी है। अमेरिका में इस पर बैन लगने का मतलब है कि दुनिया के कई देशों में उसके लिए रास्ते बंद हो जाएंगे। अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन ने इन 9 कंपनियों पर पहले ही सख्त रुख अपना लिया था।

माना जा रहा है कि ट्रम्प का कदम साऊथ चाइना सी यानी दक्षिण चीन सागर में बीजिंग के बढ़ते दखल को रोकने के लिए उठाया गया है। अमेरिका ने साफ कर दिया है कि साऊथ चाइना सी में चीन का दबदबा खत्म किया जाएगा और इस क्षेत्र के तमाम देशों को अमेरिका हर तरह की मदद देगा।

पीएम इमरान खान के खास पीटीवी चेयरमैन के काम करने पर रोक

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में प्रधानमंत्री इमरान खान को इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने झटका दिया है। उनके खास समझे जाने वाले नईम बुखारी के सरकारी पाकिस्तान टेलीविजन (पीटीवी) के चेयरमैन पद पर कार्य करने पर रोक लगा दी है।

सुप्रीम कोर्ट के वकील, राजनेता और पूर्व टीवी होस्ट बुखारी को बीते नवंबर में पीटीवी का प्रमुख बनाया गया था। आलोचकों ने कहा, बुखारी को प्रधानमंत्री इमरान खान से नजदीकी का फायदा मिला। इन्हीं में से एक अर्सलान फारूख ने बुखारी की नियुक्ति को इस्लामाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी।

कहा कि बुखारी की नियुक्ति में अदालत के कई पूर्व फैसलों का उल्लंघन किया गया है। गुरुवार को हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अतहर मिनाल्ला ने मामले में हुई बहस को सुनने के बाद बुखारी के पीटीवी के चेयरमैन पद पर कार्य करने पर रोक लगा दी। कहा कि इसी तरह के मामले में 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने जो आदेश दिया था, बुखारी की नियुक्ति उसका उल्लंघन है। बुखारी की 65 वर्ष की उम्र का संज्ञान न लेते हुए सरकार ने उन्हें नियुक्त कर दिया।

इमरान के पार्टी एजेंटों ने अमेरिकी कंपनियों से धन लिया

प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ ने अपने एजेटों पर दो अमेरिकी कंपनियों से गलत तरीके से धन लेने का आरोप लगाया है। ये एजेंट अमेरिका में रहते हैं। अवैध विदेशी धन के मामले में तहरीक ने नवंबर 2014 में अकबर एस बाबर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। वह पार्टी के संस्थापक लोगों में से एक हैं। उन पर पार्टी के चंदे में व्यापक गड़बड़ी करने के आरोप हैं। अवैध चंदे के मामले में पाकिस्तान का चुनाव आयोग भी तहरीक-ए-इंसाफ के खातों की जांच कर रहा है।

कहा कि बुखारी की नियुक्ति में अदालत के कई पूर्व फैसलों का उल्लंघन किया गया है। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अतहर मिनाल्ला ने मामले में हुई बहस को सुनने के बाद बुखारी के पीटीवी के चेयरमैन पद पर कार्य करने पर रोक लगा दी। कहा कि इसी तरह के मामले में 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने जो आदेश दिया था, बुखारी की नियुक्ति उसका उल्लंघन है। बुखारी की 65 वर्ष की उम्र का संज्ञान न लेते हुए सरकार ने उन्हें नियुक्त कर दिया।

इंडोनेशिया में भूकंप के चलते 3 की मौत, 24 घायल; अस्पताल में फंसे

जकार्ता। इंडोनेशिया में शुक्रवार यानी सुबह 2 बजकर 18 मिनट पर तीव्र भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं, जिसक चलते 3 लोगों की मौत हो गई है जबकि 24 लोग घयाल बताए जा रहे हैं। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, यहां आए भूकंप के तेज झटकों की वजह से अस्पताल में मरीज और स्टाफ फंसा हुआ है, जिनको निकाला जा रहा है। बताया जा रहा है कि बचाव दल ने अस्पताल के मलबे के नीचे फंसे मरीजों और कर्मचारियों को बचाया। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 6.2 बताई गई है। भूकंप का केंद्र सुलावेसी आइसलैंड रहा।

बैंकॉक पोस्ट द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार भूकंप के चलते एक होटल भी ध्वस्त हो गया। संयुक्त राज्य अमेरिका के भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने बताया कि भूकंप का केंद्र पश्चिम सुलावेसी की राजधानी मामुजु से 36 किलोमीटर दक्षिण में था और भूकंप की गहराई 18 किलोमीटर थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, करीब 7 सकेंड तक भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। हालांकि भूकंप के बाद सूनामी की चेतावनी नहीं दी गई है।

इंडोनेशिया में शुक्रवार यानी सुबह 2 बजकर 18 मिनट पर तीव्र भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं, जिसक चलते 3 लोगों की मौत हो गई है जबकि 24 लोग घयाल बताए जा रहे हैं।

बता दें कि इससे पहले भी देश के कुछ हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। बताया जा रहा है कि भूकंप आने से कई जगहों पर भूस्खलन की भी खबर है। फिलहाल देश के हिस्सों में बिजली की सप्लाई काट देने की बात भी कही जा रही है। बता दें कि इससे पहले भी इंडोनेशिया में भूकंप के तीव्र झटके महसूस किए जा चुके हैं।इससे पहले साल 2018 में 7.5 की तीव्रता के साथ सुलावेसी आइसलैंड के पास भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। इस दौरान भी कम से कम 4,300 लोगों की मौत हुई थी और काफी लोग लापता भी हुए। साल 2004 में 26 दिसंबर को भी इंडोनेशिया में काफी तीव्र भूकंप आया था। इस दौरान भूकंप की तीव्रता 9.1 रही थी। रिपोर्ट के मुताबिक, उस दौरान 222,000 लोगों की मौत हो गई थी।

इंडोनेशिया में क्यों आता है ज्यादा भूकंप

बता दें कि ज्यादातर तेज तीव्रता वाले भूकंप इंडोनेशिया में आता है। दरअसल, यह देश रिंग ऑफ फायर पर स्थित है। यहां की धरती के अंदर मौजूद टेक्टॉनिक प्लेट्स आपस में अधिक टकराती हैं, जिससे भूकंप और ज्वालामुखी जैसी घटनाएं होती हैं।

कोरोना संक्रमण के 299 नए मामले, 6 मरीजों की मौत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में कोरोना संक्रमण की रफ्तार अब धीमी होती जा रही है। शनिवार को कोरोना संक्रमण दर पहली बार 0.42 फीसदी पर आ गई है। वहीं, रिकवरी दर पहली बार 97.87 फीसदी के उच्चतम स्तर पर है।

शनिवार शाम दिल्ली सरकार की तरफ से जारी कोरोना हेल्थ बुलेटिन के अनुसार, बीते 24 घंटे के दौरान कोरोना के 299 नए मामले सामने आए। इस बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में कोरोना संक्रमितों की कुल संख्या 6,32,183 हो गई है। अब तक के कुल आंकड़े के अनुसार संक्रमण दर देखें, इसमें भी काफी कमी दिख रही है। कुल संक्रमण दर अब लगातार 7 फीसदी से नीचे है और यह अभी 6.45 फीसदी है। मौत के मामलों की बात करें, तो बीते 24 घण्टे में कोरोना से 6 मरीजों की मौत हुई है. आपको बता दें कि बीते दिन यह आंकड़ा 10 था। हालांकि उससे एक दिन पहले का आंकड़ा बीते 9 महीने में सबसे कम था। शनिवार की बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में कोरोना से मौत का कुल आंकड़ा 10,738 हो गया है। कोरोना से हो रही मौत की दर अभी 1.7 फीसदी है। बीते 10 दिनों में हुई मौत के आंकड़ों के अनुसार मौत की दर देखें, तो इसमें भी कमी दिख रही है और अब यह 2.95 फीसदी पर आ गई है। बीते 24 घंटे के दौरान 397 लोग कोरोना अस्पताल से डिस्चार्ज हुए हैं। इसके बाद, दिल्ली में कोरोना को मात देने वालों का कुल आंकड़ा अब 6,18,754 हो गया है। कोरोना के सक्रिय मरीजों की बात करें, तो दिल्ली में इनकी संख्या लगातार नीचे आ रही है. अभी अस्पतालों और होम आइसोलेशन को मिलाकर दिल्ली में 2691 सक्रिय मरीज हैं।

एक नजर

दिल्ली में चिड़ियाघर के अंदर भी पहुंचा बर्ड फ्लू

नई दिल्ली। दिल्ली में चिड़ियाघर के अंदर बर्ड फ्लू का मामला सामने आया है। चिड़ियाघर में बर्ड फ्लू का यह पहला मामला है। चिड़ियाघर में उल्लू के शरीर में बर्ड फ्लू मिला है। इस उल्लू की मौत हो चुकी है। चिड़ियाघर में लोगों की आवाजाही पर ही रोक दी गई है। चिड़ियाघर में मृत पाए गए इस उल्लू के खून का सैंपल बर्ड फ्लू टेस्ट के लिए भेजा गया था। टेस्ट के उपरांत यह सैंपल पॉजिटिव पाया गया है। चिड़ियाघर प्रशासन के मुताबिक मृत पाए गए उल्लू में एच5 एन8 एवियन इन्फ्लूएंजा की पुष्टि हुई है। इस जांच रिपोर्ट के बाद पूरे चिड़ियाघर में तुरंत ही सैनिटाइजेशन का काम शुरू कर दिया गया है।

आप ने 56 विधानसभाओं में 99 स्थानों पर आयोजित की मोहल्ला सभाएं

नई दिल्ली। भाजपा शासित नगर निगम के खिलाफ आदमी पार्टी ने दिल्ली में मोहल्ला सभाओं का सिलसिला शुरू किया है। शनिवार को आम आदमी पार्टी ने 56 अलग-अलग विधानसभाओं में 99 मोहल्ला सभाओं का आयोजन किया। जिसमें आम आदमी पार्टी के स्थानीय विधायक, स्थानीय निगम पार्षद, स्थानीय संगठन पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय जनता सहित लगभग 10,000 लोगों ने हिस्सा लिया। आम आदमी पार्टी का कहना है कि जिस सोच के साथ इस मुहिम की शुरुआत की थी कि दिल्ली की जनता को भारतीय जनता पार्टी का असली भ्रष्टाचारी चेहरा दिखाना है, वह अबतक पूरी तरह सफल रहा है और पार्टी की यही कोशिश है कि दिल्ली के एक-एक व्यक्ति तक पहुंचकर, भाजपा द्वारा दिल्ली नगर निगम में किए जा रहे भ्रष्टाचारों की जानकारी घर-घर तक पहुंचा सकें। दिल्ली और देश की जनता को भाजपा का असली चेहरा दिखा सकें। आम आदमी पार्टी का कहना है कि पार्टी द्वारा शुरू की गई यह मुहिम अबतक सफल रही है। पार्टी द्वारा आयोजित मोहल्ला सभाओं में भाजपा के भ्रष्टाचार को जानने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ रही है।

विदेशों से पार्सल भेजने के नाम पर ठगी करते थे ठगी चढ़े पुलिस के हत्थे

नई दिल्ली। राजौरी गार्डन थाना पुलिस ने विदेशों से पार्सल भेजने के नाम पर लोगों से पैसे ठगने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गिरोह के लिए काम करने वाले हरि सिंह खट्टर व पंकज कुमार को गिरफ्तार किया है। पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर गिरोह के बाकि सदस्यों की जानकारी जुटाने के साथ ही मामले की छानबीन में जुटी है। पुलिस उपायुक्त दीपक पुरोहित ने बताया कि 25 नवंबर को राजौरी गार्डन निवासी एक महिला ने ठगी की शिकायत की। महिला ने बताया कि उसने इंस्टाग्राम पर एक संदेश प्राप्त किया जिसमें लिखा था कि एक पार्सल गिफ्ट के तौर पर आपको भेजा जा रहा है। इसको पाने के लिए 15 सौ यूएस डॉलर आपको पहले जमा करने होंगे। यह संदेश जॉन डेरिओ के नाम से बने अकाउंट से आया था। इसके बाद महिला को एक फोन आया जिसमें एक शख्स ने कहा कि मैं मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट से बोल रहा हूं और आपका पार्सल आया है। पार्सल लेने के लिए आपको पहले एक लाख 15 हजार 799 रुपये जमा करने होंगे। शख्स ने महिला को अकाउंट नंबर भी दे दिए।

दिल्ली में वैक्सीनेशन अभियान हुआ शुरू

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एलएनजेपी का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया

प्रफुल्ल राय(शिवालिक)

नई दिल्ली। दिल्ली में शनिवार से वैक्सीनेशन का महा अभियान शुरू हो गया। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एलएनजेपी अस्पताल का दौरा कर वैक्सीनेशन केंद्र का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि वैक्सीन लेने के बाद किसी को कोई समस्या नहीं हुई। सभी लोग वैक्सीनेशन से बहुत खुश हैं कि अब हमें कोरोना छुटकारा मिल जाएगा।

दिल्ली सरकार की तरफ से वैक्सीनेशन की सभी तैयारियां पूरी है। दिल्ली में 81 केंद्रों पर वैक्सीनेशन किया जा रहा है। प्रत्येक केंद्र पर 100-100 लोगों को वैक्सीन दी जाएगी। सीएम ने कहा कि किसी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें। विशेषज्ञ भी वैक्सीन को पूरी तरह सुरक्षित बता रहे हैं, किसी तरह की चिंता करने की बात नहीं है। वैक्सीन लेने वालों में उत्साह भी है और खुशी भी है। हम सब मिलकर जल्द ही कोरोना को हराएंगे, लेकिन तब तक संक्रमण से बचाव के नियमों का पालन करते रहें। वहीं, स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि पहले चरण में स्वास्थ्य कर्मियों को वैक्सीन दी जा रही है। इसके बाद फ्रंटलाइन वर्कर्स, 50 साल से अधिक उम्र वालों को और 50 साल से कम उम्र के को-मोरबिलिटीज वाले लोगों को वैक्सीन दी जाएगी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एलएनजेपी में बनाए गए कोविड-19 वैक्सीनेशन सेंटर का निरीक्षण कर सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान सीएम ने वैक्सीनेशन रूम और निगरानी रूम में जाकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और वैक्सीन लेने वाले लोगों से बात कर उनका अनुभव जाना। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन और मुख्य सचिव भी उपस्थित रहे। सीएम अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा, 'दिल्ली समेत पूरे देश में आज वैक्सीन लगने की शुरूआत हो गई है। एलएनजेपी अस्पताल के वैक्सीन सेंटर का दौरा कर जायजा लिया। वैक्सीन लेने वालों में उत्साह भी है और खुशी भी है। हम सब मिलकर जल्द ही कोरोना को हराएंगे, लेकिन तब तक संक्रमण से बचाव के नियमों का पालन करते रहें।' एलएनजेपी अस्पताल में व्यवस्थाओं का जायजा लेने के बाद सीएम अरविंद केजरीवाल ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि आज से पूरे देश भर में वैक्सीनेशन अभियान शुरू हुआ है। दिल्ली में भी 81 जगहों पर वैक्सीनेशन का अभियान शुरू किया गया है। आज मैंने लोक नायक जयप्रकाश अस्पताल में दौरा किया। एलएनजेपी अस्पताल में वैक्सीनेशन की जो भी सुविधाएं हैं, उनका मैंने निरीक्षण किया है। एलएनजेपी अस्पताल में मेरी मौजूदगी के दौरान 8 लोगों को वैक्सीन दी गई और 30 लोग लाइन में लगे हुए थे। सीएम ने कहा कि दिल्ली सरकार द्वारा वैक्सीनेशन की सारी व्यवस्था कर ली गई हैं। वैक्सीनेशन का अभियान बहुत ही अच्छे तरीके से चल रहा है। जिन लोगों को अभी तक वैक्सीन दी जा चुकी है, मैंने उन सभी लोगों से बात की है।

लोगों ने बताया कि वैक्सीनेशन के बाद उन्हें किसी तरह की कोई समस्या नहीं आई है। सभी लोग वैक्सीनेशन से बहुत खुश हैं कि अंत में किसी तरह से कोरोना से सभी लोगों को छुटकारा मिलेगा। आज 81 केंद्रों पर वैक्सीनेशन का कार्य किया जा रहा है और हर केंद्र पर करीब 100-100 लोगों को वैक्सीन दी जाएगी। इस तरह आज 8100 लोगों को वैक्सीन दी जाएगी। सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मैं सभी लोगों से यही कहना चाहता हूं कि किसी भी तरह की अफवाह या किसी भी तरीके की गलत बातों पर ध्यान न दें। विशेषज्ञों का भी कहना है कि यह वैक्सीन पूरी तरह से सुरक्षित है।

वैक्सीन लेने वालों में उत्साह भी है और खुशी भी है, हम सब मिलकर जल्द ही कोरोना को हराएंगे : केजरीवाल

टीकाकरण के बाद कोई परेशानी नहीं हुई : सत्येंद्र जैन

नई दिल्ली। स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि आज से दिल्ली और पूरे देश में वैक्सीनेशन अभियान शुरू किया गया है। दिल्ली के अंदर 81 केंद्रों पर वैक्सीनेशन की जा रही है। प्रत्येक केंद्र पर करीब 100 लोगों को वैक्सीन लगाई जाएगी और आज शाम तक 8100 लोगों को वैक्सीन लगाने का लक्ष्य है। दिल्ली सरकार के ज्यादातर अस्पतालों में वैक्सीनेशन का कार्य किया जा रहा है। एलएनजेपी में भी शुरू किया गया है और राजीव गांधी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में भी चल रहा है। सबसे पहले चरण में हेल्थ केयर वर्कर्स को वैक्सीन दी जा रही है। हेल्थ केयर वर्कर्स के बाद फ्रंटलाइन वर्कर्स को वैक्सीन दी जाएगी। उसके बाद जो लोग 50 साल से ऊपर हैं और जो लोग 50 साल से कम उम्र के हैं और उन्हें को-मोरबिलिटीज हैं, उनको वैक्सीन लगाई जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आज का दिन पूरे देश के लिए अहम है। क्योंकि आज से देश भर में वैक्सीनेशन का कार्य शुरू किया गया है। अब हम उम्मीद करते हैं कि देश से कोरोना खत्म हो जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि जिन लोगों को वैक्सीन दी गई है, मैं उन लोगों से मिला। उनका कहना है कि टीकाकरण के बाद उन्हें कोई परेशानी नहीं हुई है, सभी लोग खुश हैं। एक सवाल के जवाब में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि एमसीडी के अंदर थोड़ी दिक्कत चल रही है, कर्मचारी हड़ताल पर हैं। इसलिए उनके अस्पतालों में वैक्सीनेशन का कार्य नहीं किया जा रहा है।

मैं वैक्सीन लगवा कर काफी खुश हूं : आत्मजा प्रियदर्शनी नायक

वैक्सीन लेने वाली एलएनजेपी अस्पताल में तैनात नर्सिंग ऑफिसर आत्मजा प्रियदर्शनी नायक ने कहा कि मुझे वैक्सीन लेने के बाद किसी भी तरह की कोई परेशानी नहीं हुई। वैक्सीनेशन के लिए मैने पंजीकरण कराया था। मुझे एक दिन पहले फोन कर जानकारी दी गई थी कि आज वैक्सीन दी जाएगी। वैक्सीन लेने के बाद मुझे आधे घंटे के लिए एक अगल रूम में निगरानी के लिए रखा गया। जब वैक्सीन का काई दुष्प्रभाव नहीं देखा, तब मुझे घर जाने के लिए कहा गया। मैं वैक्सीन लगवा कर काफी खुश हूं। मुख्यमंत्री जी ने भी वैक्सीन लगवाने के लिए हम सभी लोगो का मनोबल बढ़ाया।

वैक्सीनेशन के पहले चरण में निगमों के अस्पतालों को नहीं दिया मौका : महापौर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली में शनिवार से शुरू हुए कोरोना वैक्सीनेशन के साथ विवाद खड़ा हो गया है। उत्तरी दिल्ली नगर निगम के महापौर जय प्रकाश ने कहा कि दिल्ली सरकार ने पहले चरण में दिल्ली नगर निगम के अस्पतालों को मौका नहीं दिया, जबकि कोरोना महामारी के दौरान निगम कर्मचारियों ने आगे बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि काम करने में हमारे कर्मचारी आगे हैं, लेकिन जब सुविधाओं की बात आती है तो हमें पीछे दिया जाता है। उन्होंने कहा कि लिस्ट में नार्थ एमसीडी के कस्तुरबा, बालक राम, गिरधारी लाल, और हिंदूराव अस्पताल का नाम था, लेकिन अचानक रात में यहां से सेंटर हटा दिए गए। जबकि यहां ड्राई रन सहित अन्य सभी तैयारी पूरी की गई थी। वहीं दक्षिणी दिल्ली नगर निगम के नेता सदन नरेंद्र चावला ने कहा कि दिल्ली में शुरू हुआ वैक्सीनेशन का अधिकार सभी को है, हमारे कर्मचारी कोरोना महामारी में दिन रात काम कर रहे हैं, लेकिन सरकार ने हमारे सेंटर ही बंद कर दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वैज्ञानिकों के प्रयास से सभी के लिए वैक्सीन उपलब्ध हुई लेकिन इस पर भी राजनीति की जा रही है। वहीं नार्थ एमसीडी के नेता सदन योगेश वर्मा ने कहा कि दिल्ली नगर? निगम के पास बड़े अस्पताल हैं, लेकिन पहले चरण में इनमें वैक्सीनेशन न कर दिल्ली सरकार ने राजनीति की है। वह हमारे कर्मचारी को सुविधा नहीं देना चाहते। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार सभी को मुफ्त में कोरोना वैक्सीन उपलब्ध करवा रही है, लेकिन दिल्ली सरकार के कारण हमारे कर्मचारियों को वैक्सीन के लिए इंतजार करना पड़ सकता है।

दिल्ली सरकार पर राजनीति करने का आरोप लगाया

पार्षद आरती यादव भाजपा छोड़ 'आप' में शामिल

पूर्व पार्षद अनिल यादव ने भी ली आप की सदस्यता

नई दिल्ली,(रविशंकर तिवारी)।

कापसहेड़ा वार्ड से भाजपा की पार्षद आरती यादव और पूर्व पार्षद अनिल यादव शनिवार को आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए। आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता एवं विधायक आतिशी ने दोनों नेताओं को टोपी और पटका पहनाकर आम आदमी पार्टी में स्वागत किया।

आतिशी ने कहा कि भाजपा शासित एमसीडी के भ्रष्टाचार से भाजपा के नेता परेशान हो गए हैं और काम की राजनीति करने लिए आम आदमी पार्टी में शामिल हो रहे हैं। दिल्ली के लोग भाजपा शासित एमसीडी मॉडल और आम आदमी पार्टी के दिल्ली मॉडल की तुलना कर रहे हैं। भाजपा एमसीडी में सिर्फ भ्रष्टाचार करती है, जबकि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली सरकार सिर्फ काम करती है। इस दौरान आम आदमी पार्टी की वरिष्ठ नेता आतिशी ने कहा कि पिछले 14 साल से एमसीडी में भाजपा की सरकार है। दिल्ली वालों ने भाजपा का जो 14 साल का एमसीडी राज है, वो देख लिया है कि उसका क्या नतीजा है। उसका यह नतीजा है कि दिल्ली कूड़े का ढेर बनी हुई है, दिल्ली में पार्किंग की बहुत बड़ी समस्या है, कॉलोनियों के अंदर सड़कें टूटी हुई हैं। एमसीडी के स्कूल बदहाल है, वहां पर बच्चों को पढ़ना लिखना भी नहीं आता है। यह भाजपा का एमसीडी में 14 साल के राज का रिपोर्ट कार्ड है। पिछले 14 साल में भाजपा ने एमसीडी में सिर्फ भ्रष्टाचार किया है।

प्रयोगशालाओं में जा सकेंगे डीयू के छात्र

(एजेंसी)

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र एक फरवरी से अपनी प्रयोगशालाओं में जा सकेंगे। दिल्ली विश्वविद्यालय ने फिलहाल अंतिम वर्ष के छात्रों को यह अनुमति दी है। तय किए गए नियमों के मुताबिक पहले के मुकाबले एक दिन में केवल 50 फीसदी छात्र ही प्रयोगशालाओं में जा सकेंगे। दिल्ली विश्वविद्यालय स्टूडेंट वेलफेयर की ओर से इस संबंध में कॉलेज प्राचार्यों व विभागाध्यक्षों के साथ एक बैठक की गई। इस बैठक में अंतिम वर्ष के छात्रों को क्रमबद्ध रुप से कॉलेज बुलाने और यूजीसी के दिशा-निर्देशों पर चर्चा की गई। यूजीसी के दिशा-निर्देशों में छात्रों को उनके कॉलेज व विभागों में प्रवेश देने के संबंध में कहा गया है। गौरतलब है कि पिछले वर्ष मार्च से ही दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र केवल ऑनलाइन माध्यमों से क्लास ले रहे हैं।

कोविड वैक्सीन शुरू होने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने ऐतिहासिक दिन बताया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में शनिवार को 81 स्थानों पर टीकाकरण अभियान शुरू किया गया। दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने शांति मुकुंद अस्पताल में टीकाकरण का शुभारंभ करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बधाई दी।

इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री हर्ष मल्होत्रा और मीडिया प्रमुख नवीन कुमार उपस्थित थे। दिल्ली के कई प्रमुख केंद्रों पर टीकाकरण की शुरुआत हुई, जिसमें अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान पर प्रदेश उपाध्यक्ष राजीव बब्बर, सफदरजंग अस्पताल पर प्रदेश उपाध्यक्ष सुनील यादव, राममनोहर लोहिया अस्पताल पर प्रदेश उपाध्यक्ष राजन तिवारी व प्रदेश महिला मोर्चा की अध्यक्ष योगिता सिंह, लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल पर प्रदेश उपाध्यक्ष अशोक गोयल देवराहा और ईएसआई राजा गार्डन पर प्रदेश उपाध्यक्ष कर्मसिंह कर्मा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकार्ताओं ने भारत में निर्मित कोविड वैक्सिन के फ्री शुरुआत पर मिठाईयां बांटी और जमकर खुशियां मनाई। शांति मुकुंद अस्पताल में मीडिया से बातचीत करते हुए प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने आज के दिन को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि पूरे देश में डॉक्टर्स, नर्स, पैरामेडिकल स्टॉफ और अन्य स्वास्थ्य कर्मचारियों को फ्री वैक्सीन उपलब्ध कराने के लिए हम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त करते हैं जिनकी सूझ-बूझ से भारत कोरोना काल में भयानक त्रासदी से बच पाया। आज उसी का नतीजा है कि हम 3 करोड़ से ज्यादा देश के कोरोना वरियर्स को पहले चरण में टीका लगाने में सफल हो रहे हैं। दिल्ली में 2 लाख 74 हज़ार वैक्सीन कोरोना वरियर्स को मुफ्त में लागाई जा रही है।

अपने हाथों की चोट दिखाते हुए अलका लांबा बोली हमारे खून में है गांधी वाली कांग्रेस

नई दिल्ली। खून की राजनीति ! बुलंदी का नशा सिम्तों के जादू तोड़ देती है। हवा उड़ते हुए पक्षी के बाजू तोड़ देती है। सियासी भेड़ियों थोड़ी बहुत गैरत जरूरी है, तवायफ तक किसी मौके पर घुंघरू तोड़ देती है। यह वह ट्वीट है जिसे कांग्रेस नेता अल्का लांबा ने री-ट्वीट किया है। हाथ में चोट लग जाने के बाद की फोटो के साथ उन्होंने इसे री-ट्वीट किया।

कांग्रेस के प्रदर्शन के दौरान शुक्रवार को दाहिने हाथ की अंगुली में लगी चोट के बाद उन्होंने गुस्से में वह हाथ जिस तरह हिलाया, खून के छींटे कई लोगों पर पड़े हैं। कई मीडिया कर्मी और पुलिस वाले भी अपने चेहरे पड़े खून के छींटे पोछते दिखे। विपक्षी दल इसे उनकी राजनीत मान रहे हैं। उनका कहना है कि चोट ज्यादा नहीं थी लांबा ने सभी का ध्यान आकृष्ट कराने के लिए उन्होंने हाथ हिलाया। बहरहाल जो भी हो इस बात को पुलिस कर्मी भी ठीक नहीं मान रहे हैं कि मना करने के बाद भी वह लगातार आगे बढ़ती रहीं।

नेता जी यानी मुख्यमंत्री ती दरियादिली में किसी से कम नहीं हैं। दिल्ली के लोगों का खूब ध्यान रखते हैं। अब विपक्षी दल भले ही इसे राजनीति कहते रहते रहें या राजनीति करते रहें। मगर इसकी परवाह किए बगैर वह यह सोचते हैं कि दिल्ली के लोगों के लिए ठीक क्या है। दिल्ली के लोगों का किस में भला है। इस बार उन्होंने फिर इस बात को सिद्ध कर दिया है।

यहां बात कोरोना को लेकर मुफ्त वैक्सीन उपलब्ध कराने की करें तो इस बात पर आम जनता को बहुत संशय था कि वैक्सीन मुफ्त में मिलेगी या इसके लिए उन्हें पैसे खर्च करने पड़ेंगे। मुख्यमंत्री स्वयं इसके लिए केंद्र सरकार से मांग कर रहे हैं कि आम जनता को मुफ्त में वैक्सीन दी जाए। बुधवार को उन्होंने यह साफ भी कर दिया कि केंद्र सरकार मुफ्त में वैक्सीन नहीं देगी तो उनकी सरकार अपने खर्च पर वैक्सीन लगाएगी। इससे पहले भी एडीएम साहेब कई मौकों पर दरियादिली दिखा चुके हैं।

नगर निगम चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी ने भाजपा को घेरने के लिए नए तरह का अभियान चलाया हुआ है। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता गली-गली जाकर लोगों से पूछ रहे हैं कि नगर निगम उत्तरी के 25 करोड़ कहां गए हैं? किसकी जेब में गए हैं? मोहल्ला सभा के नाम से हर निगम वार्ड पर होने वाले कार्यक्रम में भी यह मुद्दा ही प्रमुखता से उठाया जा रहा है।

मगर इन कार्यक्रमों में जनता से भी नगर निगमों को लेकर उनका अनुभव मांगा जा रहा है। जिसमें लोग तरह तरह के अनुभव लेकर सामने आ रहे हैं। कोई बताता है कि उनके मकान का छज्जा गिर गया था उसके ठीक कर रहे थे कि निगम का बेलदार आया और 5 हजार ले गया। कोई बताता है कि दादी का निधन हो जाने पर नगर निगम में मृत्यु प्रमाण पत्र लेने गए थे कि उनसे एक हजार रुपये ले लिए।

नई दिल्ली में खेत सुधार कानूनों के खिलाफ चल रहे आंदोलन के दौरान सिंघू सीमा पर एक किसान।

संपादकीय

कई मुश्किलों का हल सेंट्रल विस्टा

सुप्रीम कोर्ट से मंजूरी मिलने के बाद सेंट्रल विस्टा परियोजना का रास्ता साफ हो गया है। इस परियोजना के तहत राष्ट्रपति भवन से इंडिया गेट होते हुए यमुना किनारे तक की ज्यादातर सरकारी इमारतों का पुनरोद्धार या पुनर्निर्माण किया जाएगा। राजपथ को भी नया रूप दिया जाएगा। इसी में प्रधानमंत्री और उप-राष्ट्रपति के आवास सहित कई नए कार्यालय भवन भी बनाए जाएंगे, ताकि मंत्रालयों और विभागों के कामकाज में सहूलियत हो। बेशक संसद भवन सहित सभी मौजूदा इमारतें कमोबेश मजबूत हैं, मगर कई दिक्कतों की वजह से नए निर्माण-कार्य की जरूरत आन पड़ी है।

मौजूदा संसद भवन की योजना, डिजाइन और निर्माण का काम लुटियन्स और हर्बर्ट बेकर की देखरेख में किया गया था, और 18 जनवरी, 1927 को तत्कालीन गवर्नर लॉर्ड इरविन ने इसका उद्घाटन किया था। निचले सदन को पहले सेंट्रल लेजिस्लेटिव कौंसिल कहा जाता था, जिसकी इमारत दिल्ली के मॉडल टाउन में थी। इसमें 150 सदस्यों के बैठने की व्यवस्था थी। बाद में उसका पुनरोद्धार किया गया और नई इमारत बनाई गई। इसमें 396 की सदस्यों के बैठने की व्यवस्था गई, फिर 461, 499, 522 व 530 सांसद बैठने लगे। आज 550 सांसदों के बैठने की यहां व्यवस्था है। माननीयों की संख्या बढ़ने की वजह से ही लोकसभा में कई सीटें पीलर के पीछे हैं।

संसद भवन में लोकसभा, राज्यसभा के साथ-साथ सेंट्रल हॉल भी है, जहां संयुक्त सत्र बुलाए जाते हैं। राष्ट्रपति जब बजट सत्र की शुरुआत करते हैं, तब उनका अभिभाषण इसी कक्ष में होता है। ऐसे किसी आयोजन में यहां पर सभी सांसदों (545 लोकसभा और 250 राज्यसभा) के लिए बैठने की व्यवस्था करना एक कठिन काम होता है। और, जब कोई बड़े विदेशी नेता यहां आते हैं, तब तमाम सांसदों के साथ कई अन्य मेहमानों को भी न्योता दिया जाता है। अंदाज लगाया जा सकता है कि यहां के प्रशासनिक तंत्र को कितनी चुनौतियों का सामना करना पड़ता होगा। यह महसूस किया जाता रहा है कि सदस्यों के अनुपात में जगह काफी कम है। सत्र के दौरान मंत्रियों को अपने कार्यालयों में बैठना अनिवार्य होता है। मगर मंत्रियों की संख्या बढ़ने के कारण उनके बैठने के लिए अंदरखाने में कई तरह के कतर-ब्योंत करने पड़े हैं। चूंकि यहां कमरे सीमित हैं, इसलिए उन्हें लगातार छोटा किया जाता रहा है। अब तो आलम यह है कि संसदीय क्षेत्रों से आने वाले लोगों को भी सांसद शायद ही कहीं बिठा पाते हैं। गैलरी या केंद्रीय कक्ष में ही उनसे मेल-मुलाकात की जाती है।

मौजूदा संसद भवन का नक्शा 1921-27 का है। वह संरचना आज के हिसाब से काफी पुरानी पड़ चुकी है। जब मैं लोकसभा महासचिव के रूप में अपनी सेवा दे रहा था, तब मुझे शिकायत मिली कि कमरों में काफी अधिक बदबू है, जिसके कारण वहां बैठना संभव नहीं। जांच-पड़ताल के बाद पता चला कि यहां की रसोई से जो कचरा निकलता है, वह नालियों में फंस जाता है। चूंकि जब इस इमारत को तैयार किया गया था, तब रसोई की संकल्पना नहीं की गई थी। इसकी शुरुआत बाद में हुई है, इसलिए रसोई से निकलने वाले कचरे को नालियों में ही बहाया जाता रहा है। पुरानी योजना की वजह से हम लोकसभा में पंखे उल्टा लटकते हुए देखते हैं और फायर अलार्म की व्यवस्था भी काफी बाद में की गई है। सरकार अपने कामकाज में सहूलियत के लिए संसदीय समिति बनाती रही है। मौजूदा संसद भवन में इसकी बैठकों के लिए तीन कमरे आरक्षित हैं। चूंकि समितियां अब ज्यादा बनाई जाती हैं, इसलिए सदस्यों को बैठकों में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्हें या तो कहीं और बैठकें करनी पड़ती हैं या फिर कक्ष के खाली होने का लंबा इंतजार करना पड़ता है।

सुरक्षा के लिहाज से भी नए भवन की जरूरत है। सुरक्षा जांच करने वाले अधिकारियों ने बताया था कि रासायनिक युद्ध होने पर यह भवन सांसदों के लिए सुरक्षित नहीं रहेगा। भविष्य के युद्ध का हमें कोई इल्म नहीं है, इसलिए ऐसी व्यवस्था होनी ही चाहिए कि ऐसे किसी हमले में सांसदों को बचाया जा सके। सवाल यह है कि नया भवन कितना मुफीद होगा? इसमें तमाम सांसदों के लिए अलग-अलग कमरे होंगे, जैसा कि अमेरिका में होता है। मंत्रियों के लिए भी कमरे बनाए जाएंगे। बैठक के लिए हॉल भी अधिक बनेंगे। इतना ही नहीं, नए भवन में तमाम राज्यों की कलाकृतियों को जगह दी जाएगी। पुराने भवनों के रख-रखाव पर हमें हर साल तकरीबन 800 करोड़ रुपये खर्च करने पड़ते हैं। अत्याधुनिक तकनीक से बनने वाली नई इमारतें इस खर्च को काफी कम कर देंगी। इस परियोजना के तहत प्रधानमंत्री आवास भी बनाया जाएगा। अभी यह जिमखाना क्लब से सटा हुआ है, जहां की सुरक्षा एक बड़ी चुनौती है। फिर, वह मुख्य सड़क पर भी है। प्रधानमंत्री जब बैठकें बुलाते हैं, तो सभी को मंत्रालय छोड़कर उनके घर पर जाना पड़ता है। इसमें काफी वक्त जाया होता है। नए भवन में सभी 83 मंत्रालय एक साथ रहेंगे। इससे अंतर-मंत्रालयी बैठकों में शामिल होना आसान होगा।

इसका यह अर्थ कतई नहीं है कि अभी की व्यवस्था में शासन पर कोई बहुत ज्यादा असर पड़ता है। मगर हां, सेंट्रल विस्टा से कामकाज में सहूलियत जरूर हो जाएगी, जिससे कर्मचारियों व सांसदों की कार्यक्षमता बढ़ जाएगी। मसलन, अभी हमें वित्त मंत्रालय जाने के लिए कई जगह पास बनवाने पड़ते हैं। इसमें दो-तीन घंटे का समय लग जाता है। और इस दरम्यान यदि दूसरे मंत्रालय का कोई जरूरी काम आन पड़ा, तो काफी दौड़-भाग करनी पड़ जाती है। रक्षा मंत्रालय का ही उदाहरण लें। अभी वायु भवन, सेना भवन जैसी कई इमारतें हैं। यहां से कई फाइलें लाई और ले जाई जाती हैं। इसमें संवेदनशील जानकारियों के लीक हो जाने का खतरा बना रहता है। नई परियोजना में तमाम ब्लॉक अंदर ही अंदर आपस में जुड़े रहेंगे। सुरक्षा के लिहाज से भी न्यूक्लियर सेंटर नीचे बनाया जा सकता है। रासायनिक युद्ध में बचाव तो होगा ही। साफ है, सेंट्रल विस्टा परियोजना हर मामले में हमारे लिए लाभदायक साबित होने वाली है।

प्रवीण कुमार सिंह

सभी वर्गों की संस्कृति और परंपरा को बराबर सम्मान दिया जाए

> यह सही है कि इस्लाम के अधिकांश अनुयायी एक साधारण मानव की तरह ही शांति के साथ रहना चाहते हैं, जिनकी अपनी स्वाभाविक अपेक्षाएं और इच्छाएं हैं, परंतु यह भी एक सच है कि एक बड़ी संख्या उन मुसलमानों की भी है जो स्वयं को 'इस्लाम का सच्चा अनुयायी' बताने वाले और विश्व को 'काफिर-कुफ्र' मुक्त देखना चाहते हैं भले ही उसके लिए चाहे उन्हें कुछ भी क्यों न करना पड़े। ऐसी मानसिकता से आखिर विश्व कैसे निपटे? इसका हल तभी संभव है जब इस्लामिक दुनिया मध्यकालीन मानसिकता से बाहर निकले और अपनी पहचान के साथ-साथ गैर-मुस्लिमों की भी पहचान, सभ्यता, संस्कृति और परंपरा को बराबर सम्मान दे।

फ्रांस पुनः सुर्खियों में है। इस बार कारण उसका वह प्रस्तावित अलगाववाद विरोधी विधेयक है, जो अगले कुछ दिनों में कानून का रूप लेगा। इस विधेयक का प्रत्यक्ष-परोक्ष उद्देश्य जिहादी कट्टरता से अपने सामाजिक और सांस्कृतिक ताने-बाने को सुरक्षित रखना है। फ्रांस का मानना है कि जिहादियों ने मजहब के नाम पर जैसी हिंसा की है-उससे फ्रांसीसी एकता, अखंडता और उसके सदियों पुराने जीवनमूल्यों पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। प्रस्तावित कानून के माध्यम से मस्जिदों को केवल पूजास्थल के रूप में पंजीकृत किया जाएगा। इस समय फ्रांस में 2,600 छोटी-बड़ी मस्जिदें हैं। इनमें से अधिकांश मस्जिदों में मदरसों का संचालन होता है। माना जाता है कि बहुत से मदरसे ही फसाद की असल जड़ हैं, जहां नौनिहालों में बचपन से ही विषाक्त अलगाववादी बीज बो दिए जाते हैं।

प्रस्तावित कानून के तहत इमामों को सरकारी देखरेख में प्रशिक्षण दिया जाएगा। किसी भी न्यायाधीश को आतंकवाद, घृणा या हिंसा के दोषी को मस्जिद जाने से रोकने का भी अधिकार होगा। पेरिस-नीस आतंकवादी घटना के बाद से फ्रांस में 76 मस्जिदों के खिलाफ अलगाववाद भड़काने की जांच की जा रही है। इस प्रस्तावित कानून का सीधा प्रभाव फ्रांस की कुल 6.5 करोड़ की आबादी में करीब 8-9 प्रतिशत की हिस्सेदारी वाले लगभग 55-60 लाख मुसलमानों पर पड़ेगा। इस देश में बसे अधिकांश मुसलमान अप्रवासी मूल के है, जिनका संबंध गृहयुद्ध से जूझते या युद्धग्रस्त पश्चिम एशियाई इस्लामिक देशों से है। पलायन की यह शुरुआत 1960-70 के दशक में अल्जीरिया आदि अफ्रीकी देशों से हुई थी।

हाल के वर्षों में 'असुरक्षा' की भावना से त्रस्त होकर तमाम मुस्लिम एक 'सुरक्षित' ठिकाने की तलाश में

किसी घोषित इस्लामिक राष्ट्र के बजाय गैर-मुस्लिम/इस्लामिक देशों का रुख करते हैं। म्यांमार, जहां का सत्ता-अधिष्ठान बौद्ध परंपराओं से प्रभावित है-उसे 'असुरक्षित' बताकर बड़ी संख्या में रोहिंग्या अवैध रूप से भारत में न केवल प्रवेश कर चुके हैं, अपितु उन्हें देश के विभिन्न स्थानों पर बसा भी दिया गया है। यह स्थिति तब है जब कथित 'काफिर' भारत के पश्चिम में घोषित इस्लामिक राष्ट्र-पाकिस्तान, अफगानिस्तान और खाड़ी के तमाम देश हैं। भारत सहित विश्व भर के स्वघोषित उदारवादी, सेक्युलरिस्ट और वामपंथी लाखों रोहिंग्या मुसलमानों के विस्थापन के लिए म्यांमार सरकार की नीतियों को जिम्मेदार ठहराते हैं। जबकि नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित और म्यांमार की स्टेट काउंसलर आंग सान सू की संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष अदालत में रोहिंग्याओं के खिलाफ हुए सैन्य अभियान का बचाव कर चुकी है। उनके अनुसार वर्ष 2017 में सैकड़ों आतंकवादी हमले के बाद म्यांमार सेना कार्रवाई को विवश हुई थी। भारत में रोहिंग्या पैरोकारों को सोचना चाहिए कि म्यांमार जैसा देश, जो भगवान बुद्ध के सिद्धांतों में विश्वास करता है, वह रोहिंग्याओं के खिलाफ सख्त कदम उठाने को आखिर क्यों मजबूर हुआ?

रोहिंग्या मुसलमानों ने जिन मुस्लिम देशों में शरण ली है वहां उनकी स्थिति कैसी है? इसका उत्तर बांग्लादेश में मिल जाता है। तीन वर्ष पहले यहां लगभग 10 लाख रोहिंग्या मुसलमान शरण लेने पहुंचे थे, जिन्हे पहले कॉक्स बाजार के शरणार्थी शिविरों में अमानवीय रूप से बसाया गया। फिर गत वर्ष उन्हें जबरन बंगाल की खाड़ी स्थित 'भाषन चार द्वीप' पर बनाए गए अस्थायी आवासों में भेज दिया गया। यह निर्जन द्वीप काफी खतरनाक है, क्योंकि इसके कभी भी किसी बड़े समुद्री तूफान, बाढ़ या सुनामी में डूबने की आशंका है। कई रिपोर्ट्स यही कहती हैं कि उस निर्जन द्वीप में रोहिंग्या दुर्गंध भरी बसावट में रहने को मजबूर हैं। वहां उन्हें न पर्याप्त भोजन मिल रहा है और न ही समुचित स्वास्थ्य सेवा। कई रोहिंग्या महिलाएं स्थानीय मजदूरों के यौन उत्पीड़न का शिकार हो चुकी हैं। अंदाजा लगाना कठिन नहीं कि यदि यह सब भारत में होता तो मोदी सरकार को 'मुस्लिम/इस्लाम विरोधी' बताकर उसके खिलाफ अभियान छेड़ दिया जाता।

कुछ अरसा पहले यह बात भी उजागर हुई थी कि हिंदू बहुल जम्मू का जनसांख्यिकी स्वरूप बदलने की कुत्सित मंशा से कई कश्मीरी नेताओं (अलगाववादी सहित) और इस्लामिक गैर-सरकारी संगठनों ने रोहिंग्या मुसलमानों को अवैध तरीके से वहां बसा दिया। फरवरी 2018 में जम्मू-कश्मीर विधानसभा में प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में 6,523 रोहिंग्या थे, जिनमें से पांच हजार केवल जम्मू में बसाए गए थे। वास्तव में यह उसी 'काफिर-कुफ्र' चिंतन के गर्भ से जनित षड्यंत्र है, जिससे कुप्रेरित होकर जिहादियों ने 1980-90 के दशक में कश्मीरी पंडितों की हत्या की। जिसके परिणामस्वरूप लाखों हिंदू रातोंरात कश्मीर से पलायन को विवश हुए।

क्या वाकई 'इस्लामोफोबिया' है या फिर यह सच पर पर्दा डालने का प्रयास है? फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के अनुसार, 'इस्लामिक कट्टरपंथी चाहते हैं कि एक समानांतर व्यवस्था बनाई जाए, अन्य मूल्यों का निर्माण करके समाज में एक और संगठन विकसित किया जाए, जो प्रारंभ में अलगाववादी लगे और जिसका अंतिम लक्ष्य पूर्ण नियंत्रण हो।' वस्तुतः इस पीड़ा को भारतीय उपमहाद्वीप के लोग सहज समझेंगे। यहां बसे 99 प्रतिशत लोग या तो हिंदू, बौद्ध, जैन, सिख हैं या फिर उनके पूर्वज इन पंथों के अनुयायी थे। यहां मुस्लिमों के अधिकांश पूर्वजों ने 8वीं शताब्दी के बाद भय या लालच में आकर इस्लाम अपनाया। धीरे-धीरे वे अपनी मूल बहुलतावादी सनातन संस्कृति से कट गए। फिर अपने भीतर अपनी मूल पहचान के प्रति घृणा और शत्रुता को इतना भर लिया कि 1947 में भारत के रक्तरंजित विभाजन के बाद पाकिस्तान का जन्म हो गया।

यह सही है कि इस्लाम के अधिकांश अनुयायी एक साधारण मानव की तरह ही शांति के साथ रहना चाहते हैं, जिनकी अपनी स्वाभाविक अपेक्षाएं और इच्छाएं हैं, परंतु यह भी एक सच है कि एक बड़ी संख्या उन मुसलमानों की भी है जो स्वयं को 'इस्लाम का सच्चा अनुयायी' बताने वाले और विश्व को 'काफिर-कुफ्र' मुक्त देखना चाहते हैं भले ही उसके लिए चाहे उन्हें कुछ भी क्यों न करना पड़े। ऐसी मानसिकता से आखिर विश्व कैसे निपटे? इसका हल तभी संभव है जब इस्लामिक दुनिया मध्यकालीन मानसिकता से बाहर निकले और अपनी पहचान के साथ-साथ गैर-मुस्लिमों की भी पहचान, सभ्यता, संस्कृति और परंपरा को बराबर सम्मान दे। क्या वर्तमान परिदृश्य में ऐसा संभव है?

सावधान.. मामा फिर से फारम में हैं, पिछली तीन पारियों में नहीं दिखे ऐसे तेवर

शिवराज सिंह चौहान का मुख्यमंत्री के रूप में यह चौथा कार्यकाल है, जबकि समग्रता में उनके कार्यकाल का चौदहवां वर्ष प्रगति पर है। लंबे कार्यकाल में उनके नाम कई बड़ी उपलब्धियां दर्ज हैं, पर मौजूदा कार्यकाल जैसे उनके तेवर पहली तीन पारियों में नहीं दिखे। उनकी सर्वाधिक मजबूत छवि उनके बालिका सशक्तीकरण अभियान को लेकर है जिसके चलते उन्हें आम जनता के बीच मामा जैसा प्यारपूर्ण लोक-रिश्ता और संबोधन मिला। उन्होंने बालिका सशक्तीकरण के लिए अब तक 16 चर्चित योजनाएं लागू कीं, जिनमें कई योजनाएं इतनी लोकप्रिय हुईं कि दूसरे रायों में भी अपनाई गई हैं।

इसके अलावा शिवराज सिंह किसान कल्याण योजनाओं के लिए भी खासे यशस्वी हुए। वही शिवराज सिंह अपने चौथे कार्यकाल में बहुत सख्त अवतार में नजर आ रहे हैं। पिछले दिनों एक सार्वजनिक कार्यक्रम में उन्होंने माफिया को ललकारते हुए कहा कि मामा फारम (फॉर्म) में हैं। मध्य प्रदेश छोड़कर भाग जाओ, नहीं तो जमीन में गड़वा दूंगा। ढूंढने पर भी पता नहीं चलेगा। शिवराज सिंह के इन तेवरों ने उनके विरोधियों के साथ उनके करीबियों को भी चौंका दिया। बात सिर्फ शिवराज सिंह की गर्जना तक सीमित नहीं है। प्रदेश भर में प्रशासन के बुलडोजर और जेसीबी मशीनें भी गरज रहे हैं। अपनी गुंडागर्दी और दबंगई से आम लोगों को आतंकित करने वाले और अवैध तरीकों से कालाधन अर्जित करके साम्राय खड़ा करने वाले माफिया के महलनुमा भवन और व्यावसायिक भवन ढहाए जा रहे हैं।

मध्य प्रदेश के लोगों के लिए यह बिल्कुल नए दृश्य हैं। प्रदेश में अपराध-अपराधियों पर काबू और शांति-कानून व्यवस्था की स्थापना की दृष्टि से इस मुहिम को शिवराज सिंह सरकार का मास्टर स्ट्रोक माना जा रहा है। मध्य प्रदेश में खून-खराबा वाले बड़े अपराध वैसे भी यूपी-बिहार के मुकाबले कम होते हैं। सरकार की मौजूदा अपराध-विरोधी मुहिम देखते हुए संभावना जताई जा रही है कि माफिया को हतोत्साहित करने और अपराध नियंत्रण की कसौटी पर मध्य प्रदेश आने वाले दिनों में रोलमॉडल प्रदेश बन सकता है। सरकार की यह सख्त मुहिम सिर्फ माफिया तक सीमित नहीं है। पिछले दिनों इंदौर और उजैन में उपद्रवी तत्वों ने जब धार्मिक जुलूसों पर घरों की छत से पथराव किया तो प्रशासन ने इसमें शामिल उपद्रवियों को जेल भेजकर अगले दिन उनके घर ध्वस्त करवा दिए। देश के किसी अन्य राय में सांप्रदायिक उपद्रव करने वाले अपराधियों पर इतनी सख्त और त्वरित कार्रवाई इससे पहले ध्यान में नहीं आती।

दरअसल 2018 में विधानसभा चुनाव में सत्ता गंवाने के बाद शिवराज सिंह की लोकप्रिय छवि को गहरा धक्का लगा था, यद्यपि पिछले साल मार्च में कांग्रेस में टूटन के बाद वह सत्ता में लौट आए। जाहिर है, 2018 चुनाव परिणाम के अनुभव से उन्होंने कई सबक लिए होंगे जो अब उनकी कार्यप्रणाली और नीतियों में झलक रहे हैं। वह एक तरफ सुशासन की छाप छोड़ने को व्यग्र दिख रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ भाजपा के राजनीतिक एवं सांस्कृतिक एजेंडे पर भी तेजी से अमल कर रहे हैं। मध्य प्रदेश में लव जिहाद की घटनाएं सीमित हैं, इसके बावजूद शिवराज सिंह चौहान ने इसके खिलाफ सख्त कानून बनवाने की पहल करने में विलंब नहीं किया। जब कोरोना संक्रमण के कारण विधानमंडल का शीतकालीन सत्र आयोजित नहीं किया सका तो मुख्यमंत्री ने अगले सत्र का इंतजार करने के बजाय अध्यादेश लाकर कानून लागू करने का फैसला किया।

मुख्यमंत्री की इस सोच और कार्यशैली का प्रभाव प्रदेश के माहौल पर दिख रहा है। किसान-प्रधान प्रदेश होने के बावजूद यहां के किसानों ने पंजाब और हरियाणा के किसान आंदोलन को कतई तवजो नहीं दिया। मध्य प्रदेश में अधिकतर प्रमुख जिंसों का एमएसपी यानी न्यूनतम समर्थन मूल्य अन्य रायों के मुकाबले बेहतर है। यह उन चंद रायों में शामिल है जहां सरकार ने किसानों की उपज का एमएसपी सुनिश्चित करने के लिए भावांतर योजना लागू कर रखी है। यानी यदि किसानों को अपनी उपज एमएसपी से कम दर पर बेचनी पड़े तो मूल्य के अंतर की भरपाई सरकार करती है। इतना ही नहीं, जिन तीन कृषि कानूनों पर संदेह जताते हुए पंजाब और हरियाणा के किसान आंदोलित हैं, वही कानून मध्य प्रदेश के किसानों के बीच लोकप्रिय एवं लाभदायी साबित हो रहे हैं।

होशंगाबाद में एक निजी कंपनी ने जब किसानों के साथ करार का उल्लंघन करके 3,000 रुपये प्रति क्विंटल की दर पर धान खरीदने में आनाकानी की तो प्रशासन ने नए कृषि कानून का फंदा उस कंपनी के गले में डालकर किसानों की धान 3,000 रुपये की दर पर क्रय करने के लिए बाध्य किया। इसी प्रकार ग्वालियर में एक व्यापारी किसानों की रकम दबाकर फरार हो गया तो प्रशासन ने उसके घर-जमीन को नीलाम करके किसानों का भुगतान करवाया। ऐसे अन्य प्रसंग भी हैं जिनसे मध्य प्रदेश में लोगों की खुशहाली व्यक्त होती है। प्रदेश में अगले विधानसभा चुनाव वर्ष 2023 में होंगे। शिवराज सिंह उस चुनौती को भलीभांति समझते हैं। शायद इसलिए वह बदले तेवरों के साथ पूरे 'फारम' में हैं।

कमेटी से भी बात करें

दिल्ली बॉर्डर पर किसानों के धरने के 48वें दिन सुप्रीम कोर्ट ने अपनी एक बड़ी पहल से गतिरोध टूटने की कुछ उम्मीद जगाई है। इस बीच किसानों के प्रतिनिधि मंडल से सरकार की आठ दौर की बातचीत हो चुकी है, लेकिन इससे कोई नतीजा नहीं निकला है। किसान इन तीनों कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग कर रहे हैं जबकि सरकार का कहना है कि वह इन कानूनों में संशोधन पर विचार जरूर कर सकती है, लेकिन ये कानून वापस नहीं लिए जा सकते। दोनों पक्षों के इस अड़ियल रुख के चलते बातचीत महज रस्म अदायगी का रूप लेती जा रही थी। ऐसे में भारत के मुख्य न्यायाधीश की अगुआई वाली सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने थोड़ा और समय देने का सरकारी अनुरोध खारिज करते हुए तीनों कृषि कानूनों के अमल पर अगले आदेश तक के लिए रोक लगा दी। साथ ही अदालत ने चार विशेषज्ञों की एक समिति भी गठित की है जो सभी पक्षों से बातचीत कर अदालत को विवाद निपटारे के लिए सुझाव देगी। समिति की रिपोर्ट की रोशनी में ही अदालत अपना आगे का रुख तय करेगी। एक बात तय है कि किसानों की ओर से इन तीनों कानूनों की संवैधानिक वैधता पर कोई सवाल नहीं उठाया गया है, न ही इनके तकनीकी पहलुओं को लेकर कोई आपत्ति जताई गई है। ऐसे में स्वाभाविक यही था कि सरकार आंदोलनकारी किसानों की चिंता को संबोधित करते हुए उन्हें संतुष्ट करने का कोई रास्ता निकालती। मगर सरकार के रुख को देखते हुए ऐसा लगने लगा था कि उसकी दिलचस्पी हल निकालने से ज्यादा आंदोलनकारी किसानों को अलग-थलग करने, उनके आंदोलन को कोई विवादित मोड़ देने या उसे सहनशीलता की आखिरी सीमा तक खींचते चले जाने में है। जन असंतोष के सभी रूपों को लेकर यह उसका आजमाया हुआ तरीका रहा है और इसमें उसे सफलता भी मिलती आई है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से अलग रवैया अपनाकर स्पष्ट शब्दों में कहा कि एक लोकतांत्रिक देश में महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों समेत एक बड़ी आबादी को कड़ाके की ठंड में यूं सड़क पर नहीं छोड़ा जा सकता। इस भावना के तहत ही उसने यह महत्वपूर्ण पहल की है, हालांकि किसानों का रुख इस मामले में अभी बहुत पॉजिटिव नहीं लगता। किसान संगठनों ने कहा है कि वे न तो इस समिति के सामने अपना पक्ष रखेंगे, न ही सुप्रीम कोर्ट द्वारा शुरू की गई इस प्रक्रिया में शामिल होंगे। जाहिर है, उनके इस रुख में अड़ियलपने का तत्व मौजूद है और इससे सहमति नहीं जताई जा सकती। अदालत ने उनसे अपना संघर्ष समाप्त करने को नहीं कहा है। कृषि कानूनों पर अमल रोकने का आदेश देकर अदालत ने जो सौहार्द का माहौल बनाया है, उसका फायदा उठाते हुए किसान अगर समिति के सामने पूरी मजबूती से अपना पक्ष रखें तो अदालत भी भविष्य को लेकर उनकी आशंकाओं से परिचित हो सकेगी और सरकार से बातचीत में आगे के लिए उनका पक्ष और मजबूत होगा।

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर परियोजना परिवहन तंत्र से लेकर रोजगार सृजन और पर्यावरण सुरक्षा में होगी मददगार

> जिन क्षेत्रों से डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर गुजरेगा, वहां नई दुकानें, होटल, बाजार विकसित होंगे। माल की आवाजाही के लिए ट्रैक्टर ट्रॉलियों की संख्या बढ़ेगी। इसके संकेत अभी से आगरा-टूंडला लाइन पर खरेजी के पास डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर प्रोजेक्ट आने से मिलने लगे हैं। वहां बरसों से बंजर पड़ी जमीनें महंगी हो गई हैं। अच्छा मुआवजा मिलने से नई बस्तियां और बाजार विकसित हो रहे हैं। जाहिर है कोरोना संकट के बीच एक नए दशक में प्रवेश करते हुए देश की अर्थव्यवस्था रेल पटरियों से न सिर्फ रफ्तार हासिल करेगी, बल्कि इससे उसके आकार को पांच लाख करोड़ डॉलर के स्र्विणम स्तर पर ले जाने में भी मदद मिलेगी।

भारतीय रेलवे में इन दिनों सुधारों की बयार चल रही है। इसके तहत कई परियोजनाओं की संकल्पना को साकार रूप दिया जा रहा है। इसी कड़ी में माल गाड़ियों के लिए अलग रेलवे ट्रैक विकसित करने वाली बहुप्रतीक्षित डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर परियोजना भी आखिरकार परिचालन के स्तर आ गई है। हाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस परियोजना के एक हिस्से (ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर) पर बने न्यू खुर्जा-न्यू भाऊपुर रेलवे ट्रैक का उद्घाटन किया। यह 351 किमी लंबा है। वर्तमान में डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर देश के पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों में बनाए जा रहे हैं। इसमें ईस्टर्न कॉरिडोर की लंबाई 1856 किमी है जो लुधियाना से बंगाल के डानकुनी तक जाएगा। वेस्टर्न फ्रेट कॉरिडोर 1504 किमी लंबा होगा जो दादरी, यूपी से जवाहरलाल नेहरू पोर्ट, मुंबई तक फैला होगा।

दोनों फ्रेट कॉरिडोर डबल ट्रैक के होंगे। यानी आने-जाने वाली मालगाड़ियों के लिए अलग-अलग पटरियां होंगी। ये दोनों फ्रेट कॉरिडोर नौ राज्यों तथा 61 जिलों से होकर गुजरेंगे। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर और उस पर दौड़ने वाली मालगाड़ियों की औसत रफ्तार लगभग 100 किमी प्रति घंटा होगी जो अभी चल रहीं मालगाड़ियों की औसत रफ्तार से लगभग दोगुनी होगी। इससे न केवल समय की बचत होगी, बल्कि एक साथ ज्यादा माल एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाया जा सकेगा। इसका सबसे बड़ा फायदा सब्जी, फल और दूध जैसी जल्दी खराब होने वाली वस्तुओं को होगा। ये पूरी तरह से अति आधुनिक सिग्नल, ट्रैक, इंजन

और कम्युनिकेशन सुविधाओं से भी जुड़ी होंगी। जाहिर है यह पूरी परियोजना देश के परिवहन तंत्र से लेकर वस्तुओं के आयात-निर्यात, रोजगार सृजन और पर्यावरण सुरक्षा सभी आयामों को गति देगी।

दरअसल अंग्रेजों के जमाने में जब से भारत में रेल शुरू हुई थी तभी से माल ढुलाई रेलवे की आमदनी का बड़ा जरिया था, लेकिन पिछले 30-40 वर्षों में रेलवे का विकास लगभग ठप हो गया है। ऐसे में माल ढुलाई में रेलवे की हिस्सेदारी पर सबसे बड़ी गाज गिरी है। यह धीरे-धीरे 70 फीसद से घटकर 30 से 35 फीसद के स्तर पर आ गई है। अब डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर बनने से मालगाड़ियों से ढुलाई फिर बढ़ेगी और उम्मीद की जा रही है कि यह 50 फीसद तक भी पहुंच सकती है। अभी रेलवे की सभी गाड़ियां चाहे वे मालगाड़ियां हों या आम सवारी गाड़ियां हों या मेल एक्सप्रेस और शताब्दी-राजधानी सभी एक ही ट्रैक पर दौड़ती हैं।

एक अनुमान के मुताबिक भारतीय रेलवे के ट्रैक अपनी क्षमता से करीब डेढ़ गुना ज्यादा काम कर रहे हैं। इससे ट्रेनों की औसत रफ्तार भी कम हो गई है और आने-जाने में लगने वाला समय भी बढ़ गया है। ट्रेनों की लेटलतीफी के पीछे भी यह एक बड़ा कारण है। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के ईस्टर्न और वेस्टर्न फ्रेट कॉरिडोर के पूरी तरह चालू हो जाने के बाद अभी भारतीय रेल के मौजूदा नेटवर्क से 40 प्रतिशत लाइनें मालगाड़ियों से मुक्त हो जाएंगी। दूसरे शब्दों में कहें तो इससे सवारी गाड़ियों के लिए पटरियों पर जगह खाली हो जाएगी। जाहिर है इसका फायदा अंततः यात्रियों को ही होगा। अभी देश में कुल माल ढुलाई में से 57 प्रतिशत की ढुलाई सड़क मार्ग से की जाती है, जबकि चीन में 22 प्रतिशत और अमेरिका में 32 प्रतिशत माल की ढुलाई सड़क मार्ग से की जाती है। इसके विपरीत भारतीय रेल देश में कुल माल ढुलाई यातायात में से केवल 36 प्रतिशत की ही ढुलाई करती है, जबकि अमेरिका में 48 प्रतिशत और चीन में 47 प्रतिशत ढुलाई रेलवे द्वारा की जाती है।

इसके अतिरिक्त डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर वायु प्रदूषण रोकने और कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने की दिशा में भी बड़ा योगदान देगा। जलवायु परिवर्तन को लेकर पेरिस में हुए पर्यावरण समझौते के मुताबिक भारत ने अगले 15 वर्षों में कार्बन उत्सर्जन में कटौती का जो वादा किया है उसमें एक बड़ा हिस्सा सड़क यातायात से ट्रकों को कम करने से आ सकता है। और यह तभी हो सकता है जब ट्रक ट्रांसपोर्ट का कोई दूसरा विकल्प उपलब्ध हो। यहीं पर डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर सड़कों से ट्रकों का बोझ हटाने में मददगार साबित होगा। माना जा रहा है कि दोनों निर्माणाधीन फ्रेट कॉरिडोर पर हर 10 मिनट में एक मालगाड़ी दौड़ेगी। मालगाड़ियों की लंबाई भी 700 मीटर से दोगुनी होकर 1.5 किमी हो जाएगी। हर मालगाड़ी में लगभग 300 ट्रकों के बराबर माल ढोया जा सकेगा। साफ है इससे सड़कों का बोझ भी कम होगा। अगर हर 10 मिनट में डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर्स पर एक मालगाड़ी के हिसाब से जोड़ें तो दिन में 140 ट्रेनें चलेंगी। और अगर एक मालगाड़ी में 300 ट्रकों का माल ढोया जाए तो 43,200 ट्रकों का माल रोजाना इन फ्रेट कॉरिडोर से ढोया जा सकेगा। नई मालगाड़ियों को इस तरह से तैयार किया जा रहा है कि इन पर माल रखने का प्लेटफॉर्म आज की मालगाड़ियों से कुछ ज्यादा चौड़ा हो। साथ ही जमीन से इनकी ऊंचाई भी घटाई जा रही है। इससे एक के ऊपर एक वैगन या कंटेनर रखे जा सकेंगे।

फ्रेट कॉरिडोर के स्टेशनों के आसपास सरकारी और निजी क्षेत्र के वेयर हाउस निर्माण में तेजी आने से इंफ्रास्ट्रक्चर का भी निर्माण होगा। माल गोदामों की संख्या बढ़ने से अनाज और सब्जियों की बर्बादी पर लगाम लगेगी। जिन क्षेत्रों से डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर गुजरेगा, वहां नई दुकानें, होटल, बाजार विकसित होंगे। माल की आवाजाही के लिए ट्रैक्टर ट्रॉलियों की संख्या बढ़ेगी। इसके संकेत अभी से आगरा-टूंडला लाइन पर खरेजी के पास डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर प्रोजेक्ट आने से मिलने लगे हैं। वहां बरसों से बंजर पड़ी जमीनें महंगी हो गई हैं। अच्छा मुआवजा मिलने से नई बस्तियां और बाजार विकसित हो रहे हैं। जाहिर है कोरोना संकट के बीच एक नए दशक में प्रवेश करते हुए देश की अर्थव्यवस्था रेल पटरियों से न सिर्फ रफ्तार हासिल करेगी, बल्कि इससे उसके आकार को पांच लाख करोड़ डॉलर के स्र्विणम स्तर पर ले जाने में भी मदद मिलेगी।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह, टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर चलती कार में लगी आग, बाल-बाल बचे सवार

आगरा । आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर शुक्रवार की देर रात को चलती कार में आग लग गई। उसमें सवार दो लोगों के गाड़ी से बाहर निकलने के कुछ मिनट बाद ही वह आग का गोला बन गई। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने कार में लगी आग को बुझाया। मगर, तब तक वह पूरी तरह से जल चुकी थी। घटना शुक्रवार देर रात की है। लखनऊ के राजाजीपुरम स्थित जलालपुर, तुलसी विहार निवासी दिनेश कुमार दिल्ली से लौट रहे थे। कार में उनका चालक हरीशचंद निवासी बुद्धेश्वर विहार, मोहान रोड, लखनऊ चला रहा था। दिनेश प्रापर्टी डीलर हैं। आगरा से सात किलोमीटर आगे निकलने पर डौकी क्षेत्र में उन्होंने कार के इंजन से धुंआ निकलते देखा। उन्होंने एक्सप्रेस वे पर कार को साइड में खड़ा कर दिया। कार का बोनट खोलते ही उससे लपटें निकलने लगीं। जिन्होंने कुछ ही मिनट में विकराल रूप ले लिया। इसी दौरान वहां से गुजरते आगरा के व्यापारी नेता विनय अग्रवाल ने 112 नंबर पर फोन करके पुलिस को घटना की जानकारी दी।

इंस्पेक्टर डौकी अशोक कुमार फोर्स और फायर ब्रिगेड के साथ पहुंच गए। पुलिस ने आग का गोला बनी कार में विस्फोट की आशंका पर एक्सप्रेस से जाने वाले वाहनों को कुछ देर के लिए रोक दिया। फायर ब्रिगेड द्वारा आग पर काबू पाने के बाद वाहनों को वहां से गुजारा। कार और उसमें रखा सामान पूरी तरह से जल चुका था। दिनेश कुमार और उनके साथी हरीशचंद शनिवार सुबह दूसरी गाड़ी से लखनऊ रवाना हुए।

धुंए को कोहरा समझ रहे थे- दिनेश कुमार बोनट से निकलते धुंए को पहले कोहरा समझ रहे थे। मगर, चालक हरीशचंद को कुछ जलने की गंध लगी। वह समझ गया कि बोनट पर कोहरा नहीं बल्कि इंजन से निकल रहा धुंआ है। इसके बाद दोनों ने कार रोककर उससे बाहर निकलने में एक मिनट से भी कम समय लगाया।

मुरादाबाद में जेठ ने किया महिला से सामूहिक दुष्कर्म, पति ने दिया तीन तलाक

मुरादाबाद । ठाकुरद्वारा थाना क्षेत्र की रहने वाली एक महिला से उसके तीन जेठों द्वारा सामूहिक दुष्कर्म करने और पति द्वारा तीन तलाक देने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़िता की तहरीर के आधार पर एसएसपी ने आरोपितों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने आदेश दे दिए हैं।

ठाकुरद्वारा कस्बे की रहने वाली पीड़िता के मुताबिक उसका निकाह 22 फरवरी 2018 को भोजपुर थाना क्षेत्र में हुआ। महिला के ससुराली दहेज से खुश नहीं थे। दहेज को लेकर आरोपितों ने महिला को प्रताड़ित करना शुरू किया। उससे मारपीट की जाने लगी। निकाह के दो माह बाद उत्पीड़न से त्रस्त महिला मायके चली आई। लंबे समय बाद ससुराली एक जनवरी को पीड़िता के मायके पहुंचे। आश्वासन देकर उसे दोबारा अपने साथ ले गए। दो दिन बाद से ही वह पुरानी हरकत करने लगे। 10 जनवरी की रात पति ने अप्राकृतिक दुष्कर्म किया। दूसरे दिन तीन जेठ एकराय होकर महिला संग दुष्कर्म किए। शोर मचाने पर आरोपितों ने चुप रहने की धमकी दी। पीड़िता जब मुखर हुई तो आरोपितों ने हत्या की योजना बना ली। 12 जनवरी की शाम पीड़िता ने मोबाइल फोन से ससुरालियों की करतूत की जानकारी अपने भाई को दी। तब मायके वाले पीड़िता के ससुराल पहुंचे। ससुरालियों ने मायके वालों संग मारपीट की। पीड़िता की गुहार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच करने का आदेश एसएसपी ने दिया।

नाला निर्माण नहीं होने से बजबजा रही है वार्ड नंबर एक की गलियां, जानिए वजह

मुंगेर । जमालपुर शहरी क्षेत्र में विकास के दावे चाहे कितने भी किए जाएं, परंतु हकीकत कुछ और ही बयां करती है। कहीं नालियों का निर्माण नहीं हो सका, तो कहीं जाम पड़ी नालियां विकास के दावों की हकीकत बयां कर देती है। नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या एक में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अति महत्वकांक्षी योजना सात निश्चय के क्रियान्वयन को लेकर लगातार हो रही उच्चस्तरीय समीक्षा के बावजूद कई सड़क आज भी कच्ची है। सड़कों के पक्कीकरण को लेकर किए जा रहे प्रयास धरातल पर नहीं उतर पाए हैं। इस वार्ड में कई सड़क जर्जर हो चुकी है। नाले की समुचित सफाई नहीं होना, इस वार्ड की सबसे बड़ी समस्या है। यह वार्ड जमालपुर मुंगेर की सीमा से सटा हुआ है। नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या एक में मुंगेर रोड स्थित डॉ. फूल सिन्हा के घर से श्री राम पेट्रोल पंप के समीप जमालपुर मुंगेर सीमा तक दोनों ओर नाले का निर्माण नहीं होने से जलजमाव की समस्या बनी रहती है। अभी तक कच्ची नालियां ही है। इस कारण सफाई कर्मियों को भी नालियों की सफाई करने में काफी परेशानी होती है।

कोरोना से जंग को महाअभियान, सीएम बोले- कोरोना वॉरियर्स की वजह से देश सुरक्षित

देहरादून । नोवल कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण से बचाव के लिए आज से टीकाकरण अभियान की शुरुआत हो गई है। दून अस्पताल में सबसे पहले टीका वॉर्ड ब्वॉय शैलेंद्र द्विवेदी को लगाया गया। वे लंबे समय से कोविड वार्ड में ड्यूटी कर रहे हैं। वहीं, सीएम त्रिवेंद्र रावत ने सभी को इस महाअभियान के लिए सभी बधाई दी। साथ ही उन्होंने कोरोना वॉरियर्स की सराहना की। सीएम रावत ने कहा कि आज कोरोना वॉरियर्स के कारण ही देश बचा है। सीएम रावत ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी उन्होंने अहम भूमिका निभाई। वहीं, कोरोना वैक्सीन को लेकर चल रही भ्रांतियों के सवाल पर सीएम रावत ने कहा कि हमें अपने वैज्ञानिकों की राय पर चलना चाहिए। बता दें कि पहले दिन 34 स्थानों (बूथों) पर स्वास्थ्य कर्मियों को टीके लगाए जा रहे हैं। इनमें 32 सरकारी और दो प्राइवेट चिकित्सा इकाई शामिल हैं। हर बूथ पर एक सौ लोगों को टीका लगाने का लक्ष्य रखा गया है। हरिद्वार जिले के चार केंद्रों पर कोरोना से बचाव के टीके लगाए जा रहे हैं। ऋषिकुल आयुर्वेदिक कॉलेज स्थित केंद्र पर जिला, मेला और महिला अस्पताल के 100-100 कर्मियों को टीके लगाए जाने हैं। सुबह साढ़े दस बजे महिला अस्पताल से स्वास्थ्य पर्यवेक्षक उमा दुबे वैक्सीन लेकर पहुंची। इसके बाद 11 बजकर 17 पर औपचारिकताएं पूरी करने के बाद जिला, मेला और महिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. राजेश गुप्ता को पहला टीका लगाया गया। उन्हें आधे घंटे के लिए निगरानी कक्ष में रखा गया।

धनबाद में सतिम ढा रही सर्दी, जानलेवा ठंड से कांप रहे लोग, दर्ज हुआ अबतक का सबसे सर्द दिन

धनबाद । धनबाद की रिकॉर्ड तोड़ सर्दी ने आम जन जीवन को पूरी तरह प्रभावित कर दिया है। शनिवार को सुबह से ही पूरा शहर ठंड की गिरफ्त में है। दिन चढ़ने के बाद भी सर्दी का सितंब कम नहीं हुआ है। इस मौसम की सबसे ज्यादा ठंड वाला दिन शनिवार के नाम हो गया है।

दोपहर में भी लोग जैकेट स्वेटर, जैकेट के साथ मफलर लगाकर घरों से निकले हैं। सिर से पांव तक गर्म कपड़े से ढंके होने के बाद भी सर्दी का एहसास हो रहा है। शाम में ठंड ज्यादा कड़े तेवर दिखा सकती है। शहरवासियों का कहना है कि सर्दी तो नवंबर के अंतिम हफ्ते से ही पड़ रही है। मगर दिसंबर से आहिस्ता-आहिस्ता सर्दी ने सितम ढाना शुरू किया। दिसंबर मेंकई दिनों तक सर्दी रही। पर अंतिम सप्ताह से जनवरी तक पहले हफ्ते तक पारा काफी चढ़ गया। न्यूनतम तापमान इतना ऊपर चला गया कि पिछले 50 साल का रिकॉर्ड टूट गया। दिन ही नहीं रात में भी पसीने छूट रहे थे। फिर एकाएक मौसम ने करवट ले ली। मकर संक्रांति के ठीक पहले आबोहवा सर्द हो गई। और उसके बाद से लगातार सर्द होती ही चली गई। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार तक मौसम में किसी बड़े बदलाव की संभावना है। सोमवार से मौसम में थोड़ा बदलाव हो सकता है। दिन में मौसम बेहद सर्द होने को लेकर बताया जा रहा है कि पश्चिमी विक्षोभ की बर्फीली हवा झारखंड में काफी नीचे बह रही है जिससे शीतलहरी जैसी परिस्थिति बन रही है।

वाराणसी के अस्पताल में डब्ल्यूएचओ की टीम ने लिया वैक्सीनेशन का जायजा

लखनऊ । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन के बाद प्रदेश में वैश्विक महामारी कोरोना वायरस को परास्त करने की जोरदार तैयारी शुरू हो गई। प्रदेश के 317 केंद्रों पर स्वास्थ्यकर्मियों को कोरोना वैक्सीन की पहली डोज दी गई। लखनऊ के बलरामपुर अस्पताल में सीएम योगी आदित्यनाथ ने टीकाकरण अभियान का निरीक्षण भी किया। यहां पर चिकित्साकर्मियों को पहली डोज दी गई। लखनऊ के साथ ही मेरठ, आगरा, अलीगढ़, गोरखपुर, बरेली, प्रयागराज, कानपुर, सहारनपुर, चित्रकूट धाम तथा मुरादाबाद मंडल में सुबह करीब 11 बजे से व्यापक अभियान शुरू किया गया। लखनऊ के संजय गांधी पीजीआइ में निदेशक डॉ. आरके धीमान ने कोरोना वैक्सीन की पहली डोज लगवाई।

मुरादाबाद में महिला अस्पताल में पहला टीका मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एमसी गर्ग को एएनएम रितु विश्नोई ने लगाया। बरेली में कोरोना वैक्सीन जिला महिला अस्पताल में फार्मासिस्ट अजय कुमार को लगाई गई। यहां आठ केंद्रों पर वैक्सीनेशन शुरू हुआ है। वाराणसी में कोरोना का पहला टीका महिला अस्पताल के एसएनसीयू में डीईओ (डाटा इंट्री आपरेटर) के पद पर कार्यरत अजीत कुमार मिश्रा को 11:12 मिनट पर लगा। इसके बाद दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल में सीएमएस डा वीके शुक्ला को लगा। वाराणसी में टीकाकरण शुरू होने से पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन की टीम दीनदयाल अस्पताल पहुंचीं।

आगरा में पहला टीका लेडी लायल अस्पताल में डॉक्टर विरेंद्र कुमार को लगा। मेरठ में मेरठ मेडिकल कालेज के प्राचार्य डा. ज्ञानेंद्र सिंह को पहला टीका लगा। कानपुर में उर्सला तथा डफरिन के साथ कांशीराम अस्पताल में कोरोना का टीका लगाने का कार्य शुरू हुआ। बिधनू सीएचसी में चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एसपी यादव को पहली वैक्सीन की डोज दी गई। यहां पर डीएम आलोक तिवारी, सीएमओ अनिल मिश्र ने कांशीराम अस्पताल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लाइव भाषण देखा। इस कार्यक्रम के बाद सीएमओ डॉ. अनिल मिश्रा ने टीका लगवाया।

प्रतापगढ़ में टीका लगने के बाद महिला डॉक्टर को आया चक्कर

प्रयागराज मंडल के अस्पतालों में कोरोना से जंग में टीकाकरण अभियान की शुरूआत शनिवार को उत्साह के साथ हुई। प्रयागराज में पहला टीका कॉल्विन अस्पताल की प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर सुषमा श्रीवास्तव को 11:03 बजे लगाया गया। इसके बाद ऑब्जरवेशन रूम में बैठाया गया है।

प्रतापगढ़ में पहला टीका जिला महिला अस्पताल में डाक्टर पारुल सक्सेना को लगाया गया। टीका लगाए जाने के बाद उन्हें चक्कर आ गया। तत्काल मेडिकल टीम उनके इलाज में जुट गई। उनको ऑब्जरवेशन रूम में लिटाया गया है। कौशांबी जिले में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मूरतगंज आलम चंद के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सुनील कुमार सिंह को पहला टीका लगाया गया।

देश को लोगों को कोरोना वैक्सीन समर्पित करने से पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने वैज्ञानिकों के साथ चिकित्सों तथा मेडिकल कर्मियों को नमन किया। देश को अपने संबोधन के दौरान उन्होंने कहा कि कोरोना की भारतीय वैक्सीन विदेशी की तुलना में बहुत सस्ती और इनका उपयोग भी बेहद आसान है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि विदेश में तो कुछ वैक्सीन ऐसी हैं जिसकी एक डोज 5,000 हजार रुपये तक में हैं और जिसे माइनल 70 डिग्री तापमान में फ्रीज में रखना होता है। हमारे वैज्ञानिक और विशेषज्ञ जब दोनों मेड इन इंडिया वैक्सीन की सुरक्षा और प्रभाव को लेकर आश्वस्त हुए, तभी उन्होंने इसके इमरजेंसी उपयोग की अनुमति दी। इसी कारण देशवासियों को किसी भी तरह के प्रोपेगेंडा, अफवाहें और दुष्प्रचार से बचकर रहना है।

उन्होंने कहा कि इतिहास में इस प्रकार का और इतने बड़े स्तर का टीकाकरण अभियान पहले कभी नहीं चलाया गया है। दुनिया के सौ से भी ज्यादा ऐसे देश हैं जिनकी जनसंख्या तीन करोड़ से कम है और भारत वैक्सीनेशन के अपने पहले चरण में ही तीन करोड़ लोगों का टीकाकरण कर रहा है।

कोरोना वैक्सीन की 2 डोज लगनी बहुत जरूरी है। पहली और दूसरी डोज के बीच लगभग एक महीने का अंतराल भी रखा जाएगा। दूसरी डोज लगने के दो हफ्ते बाद ही आपके शरीर में कोरोना के विरुद्ध जरूरी शक्ति विकसित हो पाएगी। भारत वैक्सीनेशन के अपने पहले चरण में ही तीन करोड़ लोगों का टीकाकरण कर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आमतौर पर एक वैक्सीन बनाने में बरसों लग जाते हैं लेकिन इतने कम समय में एक नहीं दो मेड इन इंडिया वैक्सीन तैयार हुई हैं।

कई और वैक्सीन पर भी तेज गति से काम चल रहा है। यह भारत के सामर्थ्य, वैज्ञानिक दक्षता और टैलेंट का जीता-जागता सबूत है। अब से कुछ ही मिनट बाद भारत में दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान शुरू होने जा रहा है। मैं सभी देशवासियों को इसके लिए बधाई देता हूं।

उत्तर प्रदेश के हर जिले में कोविड वैक्सीन - उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में कोविड टीकाकरण को लेकर जोरदार तैयारी है। भारत में बनी दोनों वैक्सीन प्रदेश के हर जिले में पहुंच गई हैं। उत्तर प्रदेश भी आज विश्व के सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान का भागीदार बना है। प्रदेश में टीकाकरण के पहले चरण में जिलों में हेल्थवर्कर्स को वैक्सीन मिली है। उत्तर प्रदेश में कुल 317 सेंटर बनाए गए है और आज 31,700 स्वास्थ्यकर्मियों का टीकाकरण होगा। योगी आदित्यनाथ सरकार का मिशन तीन दिन में स्वास्थ्यकर्मियों को टीका लगाने का है। राजधानी लखनऊ में पहले चरण में 12 केंद्र पर टीकाकरण होगा। सभी टीकाकरण केंद्र को इंटीग्रेडेड कमांड सेंटर से जोड़ा गया है। हर दो घंटे पर सभी केंद्र को कमांड सेंटर को सूचना देनी होगी। प्रदेश में दस लाख 55 हजार 500 कोविशील्ड और 20,000 कोवैक्सीन के इंजेक्शन मिले हैं। प्रदेश के 8 लाख 57 हजार स्वास्थ्यकर्मियों के नाम सूचीबद्ध किए गए हैं। स्वास्थ्यकर्मियों में हर श्रेणी के लोग शामिल हैं। इनमें डॉक्टर, नर्स, सफाई कर्मी के साथ ही वार्ड ब्वाय भी शामिल हैं।

सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में 1,298 कोल्ड चेन प्वाइंट सेंटर : कोरोना वैक्सीन रखने के लिए प्रदेश में बनाए गए 1,298 कोल्ड चेन प्वाइंट पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। सीसीटीवी कैमरे के साथ पुलिस बल भी सुरक्षा के लिए तैनात किया गया है। कहीं किसी भी तरह की कोई गड़बड़ी न हो, इसके विशेष इंतजाम किए गए हैं।

हाथरस केस की हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच में सुनवाई, देखा गया अंतिम संस्कार वाला वीडियो

लखनऊ । हाथरस में दलित युवती के साथ कथित दुष्कर्म के दौरान मारपीट के बाद युवती की मौत के मामले में सीबीआइ के चार्जशीट लगाने के बाद अब इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में सुनवाई चल रही है। कोर्ट में आज पीड़ित पक्ष के साथ आरोपित पक्ष के लोग तथा हाथरस के तत्कालीन जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक की मौजूदगी में युवती की अंत्येष्टि वाला वीडियो देखा जाएगा। इस वीडियो को देखने के बाद अगली सुनवाई 27 जनवरी को होगी।

इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच में शनिवार को हाथरस के दलित युवती के साथ कथित दुष्कर्म तथा मौत के मामले में आज सुनवाई होगी। इस दौरान युवती के रात में अंतिम संस्कार वाला वीडियो दिखाया जाएगा। कोर्ट के निर्देश पर वीडियो दिखाया जाएगा। इस दौरान कोर्ट में जज के साथ पीड़ित, आरोपित तथा दोनों पक्ष के वकीलों के साथ हाथरस के तत्कालीन डीएम प्रवीण कुमार लक्षकार व तत्कालीन पुलिस अधीक्षक विक्रांत वीर भी रहेंगे। सरकार की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता विनोद शाही तथा पीड़ित पक्ष की तरफ से सीमा कुशवाहा कोर्ट में मौजूद रहेंगी।

हाथरस कांड में इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ पीठ आज विभिन्न मीडिया की तरफ से पेश की गई ऑडियो और वीडियो क्लिपिंग देखेगी। हाई कोर्ट ने बीती सुनवाई के दौरान इसका निर्देश दिया था। कोर्ट ने कहा था कि दोनों पक्ष वीडियो क्लिपिंग देखने के बाद अपनी प्रतिक्रिया दर्ज कर सकते हैं। कोर्ट ने सुनवाई की अगली तारीख जनवरी पहले ही तय कर दी है। कोर्ट ने कहा कि पक्षकारों के साथ ही हाथरस के तत्कालीन डीएम और एसपी और वकील को अदालत के मध्यस्थता केंद्र हॉल में क्लिपिंग देखने की अनुमति दी जाएगी।

हाथरस में में दलित लड़की से कथित सामूहिक दुष्कर्म और यातना के मामले में चारों आरोपियों पर सीबीआई ने सामूहिक दुष्कर्म और हत्या का आरोप लगाया है। हाथरस के चंदपा थाना क्षेत्र के बूलगढ़ गांव में 14 सितंबर को 20 वर्ष की युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया था। पीड़िता ने दस दिन बाद दिल्ली के एक अस्पताल में दम तोड़ दिया था। उसका 30 सितंबर को ही गांव में भारी पुलिस बल की मौजूदगी में देर रात अंतिम संस्कार कर दिया गया था। माना जा रहा है कि पुलिस ने बिना परिवार की इजाजत लिए मृतका का अंतिम संस्कार कर दिया था। इसे लेकर पुलिस को काफी आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ा। अधिकारियों ने कहा कि परिवार की इच्छा के अनुसार अंतिम संस्कार किया गया था। इस मामले की जांच इलाहाबाद हाई कोर्ट की निगरानी में सीबीआइ ने की और चार्जशीट कोर्ट में दाखिल कर दी है।

पदक से लेकर डिग्री तक पर बेटियों का रहा दबदबा

लखनऊ । डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) का 18 वां दीक्षा समारोह शनिवार सुबह 11:45 पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शुरू हुआ। विवि परिसर स्थित अटल विहारी वाजपेई बहुउद्देशीय सभागार में हुए दीक्षा समारोह की राज्यपाल व कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने अध्यक्षता की। इस अवसर पर पर्यावरणविद् पद्मश्री एवं पद्मभूषण सम्मान से सम्मानित अनिल प्रकाश जोशी को डीएससी की मानद उपाधि प्रदान की गई। कुलपति प्रो विनय कुमार पाठक ने कहा कि वर्ष 2020 में 1288 रिसर्च पेपर पब्लिश हुए। एकेटीयू में कोरोना के खिलाफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल कर बड़ी सफलता हासिल की गई है। हमने स्वच्छ कैंपस रैंकिंग में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में पहला स्थान हासिल किया। करीब दो हज़ार युवाओं को बेहतर कैंपस प्लेसमेंट मिला। समारोह में बतौर विशिष्ट अतिथि प्राविधिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह,प्रमुख सचिव प्राविधिक शिक्षा राधा एस चौहान, कुलसचिव नन्द लाल सिंह, प्रतिकुलपति प्रो विनीत कंसल समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

मेडल्स पर 60 फीसद बेटियों का कब्जा- दीक्षा समारोह में 90 पीएचडी छात्र-छात्राओं को उपाधि प्रदान की गई। इसके अलावा कुल 65 मेधावियों को स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक दिए गए। अजय कुमार गर्ग कॉलेज गाजियाबाद की इलेक्ट्रोनिक्स एंड कम्युनिकेशन की बीटेक की छात्रा सृष्टि सिंह को कुलाधिपति स्वर्ण पदक व जेएसएस एकेडमी आफ टेक्निकल एजुकेशन गौतम बुद्ध नगर की इलेक्ट्रोनिक्स एंड कम्युनिकेशन की बीटेक की छात्रा ऋतु वर्मा को कमल रानी मेडल से नवाजा गया। इसके अलावा साथ सेंटर फॉर एडवांस स्टडीज के दो विद्यार्थियों को भी स्वर्ण पदक दिया गया। समारोह में 55181 छात्र-छात्राओं को विभिन्न पाठ्यक्रमों में उपाधि दी गई। विवि के पूर्व छात्र नीरज सरन श्रीवास्तव को डिस्टेंगविस एल्युमिनाई अवार्ड दिया गया।

मेधावी पदक विजेताओं से बातचीत- कुलाधिपति पदक से नवाजी गई अजय कुमार गर्ग इंजीनीयरिंग कॉलेज गाजियाबाद की बीटेक- इलेक्ट्रॉनिक एंड कॉमिनेक्शन इंजीनियरिंग की छात्रा सृष्टी सिंह बताया कि मेडल के लिए परीक्षा में काफी फोकस किया। सृष्टि के पिता उमा शंकर सिंह मेरठ डेवलेप्मेंट अथॉरिटी में जूनियर इंजीनियर हैं और मां अनुराधा सिंह हैं। सृष्टि का कहना है कि उनके साथ उनकी माँ का हमेशा सपोर्ट रहता है। एकेडमिक्स को लेकर काफी सख्त रहती हैं। मां कोई भी काम नहीं करने देते थी अधिकतर पढ़ाई पर जोर देती थी। माता कहती हैं कि सृष्टि को पढ़ने के लिए कभी कहना नहीं पड़ा। सृष्टि आगे सीविल सेवा में जाना चाहती हैं। समाज में बदलाव लाने के लिए। शिक्षा के क्षेत्र में बच्चों को पढ़ाई की मुख्यधारा से जोड़ना चाहती हैं। उनका कहना है क्यों महिलाओं को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ता हुआ देखना चाहती हैं।

प्रकृति सर्वोपरि है। हमें प्रकृति के विज्ञान को समझने की जरूरत है। कोरोना काल का जिस प्रकार से डटकर हमारे देश ने सामना किया उससे निश्चित तौर पर इस बात के संकेत मिले हैं कि हम कुछ इतिहास रचने जा रहा हैं। कोरोना काल में हमने तमाम कष्ट सहे, मगर इस बात को हमेशा स्मरण रखना होगा कि सुविधाओं से नहीं, कष्टों से सीखा जाता है। कोरोना काल के कष्ट ने हमें बहुत कुछ सिखाया है। हमें अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करना होगा। पिछले एक दशक में हमारे देश ने विश्व में एक अलग पहचान बनाई है। हम आत्मनिर्भर होकर ही सम्मान हासिल कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा- गाइडलाइंस के अनुसार सभी लोगों तक पहुंचेगी कोविड वैक्सीन

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि 16 जनवरी से शुरू हो रहा कोविड-19 वैक्सीनेशन का पहला चरण कोरोना की चेन को तोड़ने और नियंत्रित करने में कारगर होगा। केंद्र की गाइडलाइंस के अनुरूप प्राथमिकता के क्रम से सभी लोगों तक वैक्सीन पहुंचेगी।

शुक्रवार को अपने सरकारी आवास पर मीडिया के संपादकों से बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें मकर संक्रांति की शुभमानाएं देते हुए कहा कि कोविड नियंत्रण की दिशा में 16 जनवरी से नया अध्याय प्रारंभ हो रहा है। कोविड वैक्सीन को पूरी तरह सुरक्षित बताने के साथ उन्होंने कहा कि वैक्सीनेशन के लिए तय प्रोटोकॉल के अनुसार व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वैक्सीन के सुरक्षित स्टोरेज, कोल्ड चेन तथा ट्रांसपोर्टेशन की सभी कार्यवाही निर्धारित मानकों के अनुरूप करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि कोविड वैक्सीनेशन के बारे में किसी अफवाह या भ्रम की स्थिति को दूर करने में मीडिया की

महत्वपूर्ण भूमिका है। केंद्र व राज्य सरकार के प्रयासों और व्यवस्थाओं से कोविड-19 को नियंत्रित करने में सफलता मिली। आज उप्र में कोविड-19 के 10 हजार से भी कम एक्टिव केस हैं। यह टीम वर्क से संभव हो सका।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूर्वांचल में इंसेफेलाइटिस नियंत्रण कार्यों और व्यवस्थाओं के अनुभव का लाभ कोविड प्रबंधन में भी मिला। मुख्यमंत्री ने कोविड काल के दौरान मिले अनुभवों और संस्मरणों को साझा करते हुए कहा कि तकनीक ने भी कोविड प्रबंधन और नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। प्रत्येक जिले में इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर संचालित किए गए। मेडिकल टेस्टिंग का कार्य पूरी क्षमता से संचालित किया गया। हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत हुआ। टेस्टिंग की व्यवस्थाएं बढ़ायी गईं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोरोना अभी समाप्त नहीं हुआ है। प्रत्येक स्तर पर पूर्ण सावधानी बरती जाए। उन्होंने कोरोना वायरस के नए स्ट्रेन के दृष्टिगत अतिरिक्त सतर्कता बरतने की भी बात कही।

अरविंद शर्मा की प्रशासनिक योग्यता का करेंगे पूरा उपयोग : भारतीय प्रशासनिक सेवा से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेकर भाजपा में शामिल हुए गुजरात काडर के 1988 बैच के अधिकारी अरविंद शर्मा को लेकर जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सवाल हुआ तो हंस कर उन्होंने कहा कि हम उनकी प्रशासनिक योग्यता व क्षमता का पूरा उपयोग करेंगे। वह हमारी पार्टी से विधान परिषद सदस्य होने जा रहे हैं। सीएम योगी से फिर सवाल हुआ कि क्या आप अरविंद शर्मा को उप मुख्यमंत्री बनाने जा रहे हैं तो वह इस प्रश्न को हंस कर टाल गए। यह कहते हुए आप लोग मुझसे ज्यादा जानते हैं।

प्रथम राजकीय पक्षी महोत्सव का आज सीएम ने किया शुभारंभ, देश भर के प्रसिद्ध पक्षी विशेषज्ञ ले रहे भाग

जमुई। जमुई के नागी-नकटी जलाशय में राज्य के पहले पक्षी महोत्सव का मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुभारंभ किया। इसमें देश भर के प्रसिद्ध पक्षी विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। मुख्यमंत्री यहां पर तकरीबन तीन घंटे तक रहेंगे। वे 12:00 बजे नागी पक्षी आश्रयणी पहुंचे। तदुपरांत पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा निर्धारित कई कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं। नागी पक्षी आश्रयणी में लगभग दो घंटे के कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री राजकीय पक्षी महोत्सव का विधिवत शुभारंभ करने के साथ-साथ 20 लाख की लागत से निर्मित आधुनिक संचेतन केंद्र का भी उन्होंने उद्घाटन किया। साथ ही साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करने के अलावा पक्षी गांव का भ्रमण, नौका विहार तथा वर्ड वाचिंग का कार्यक्रम है। मुख्यमंत्री चकाई प्रखंड अंतर्गत माधोपुर स्थित महावीर पार्क के लिए रवाना होंगे। वहां लगभग सवा घंटे का उनका कार्यक्रम निर्धारित है। इस दौरान वे पार्क की खूबसूरती के साथ-साथ पौराणिक, सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को सहेजने की हुई कोशिश को भी नजदीक से देखेंगे। माधोपुर पार्क में कैफेटेरिया तथा सुधा पार्लर की भी बुनियाद मुख्यमंत्री द्वारा रखी जाएगी। यहां बता दें कि लॉकडाउन लागू होने से पूर्व ही माधोपुर पार्क का उद्घाटन मुख्यमंत्री द्वारा होना था लेकिन इससे पहले संक्रमण काल ने दस्तक दे दी। एक बार पुनः जब कार्यक्रम निर्धारित हुआ तो देश में राष्ट्रीय शोक के कारण कार्यक्रम स्थगित करना पड़ा। बाद में चुनाव की घोषणा से पूर्व आनन-फानन में वर्चुअल उद्घाटन किया गया था। दोनों जगह मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर लगभग सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम के बीच नागी-नकटी पक्षी आश्रयणी तथा महावीर पार्क पुलिस छावनी में तब्दील हो गया है।

बिहार में अब अपराधियों की नाक में दम करेंगे ट्रांसजेंडर, राज्य पुलिस में होगी सीधी बहाली

पटना । बिहार में किन्नर या ट्रांसजेंडर समुदाय के लोग अब अपराधियों की नाक में दम करेंगे। जी हां, राज्य की नीतीश सरकार के बड़े फैसले के साथ अब पुलिस बल में उनकी बहाली का रास्ता साफ हो गया है। अब सिपाही और अवर निरीक्षक के पदों पर किन्नरों की सीधी नियुक्ति की जाएगी। राज्य सरकार की स्वीकृति के बाद गृह विभाग ने शुक्रवार को इससे जुड़ा संकल्प पत्र जारी कर दिया है।

सिपाही संवर्ग के लिए नियुक्ति का अधिकार पुलिस अधीक्षक को होगा। जबकि, अवर निरीक्षक के लिए नियुक्ति का अधिकार पुलिस उपमहानिरीक्षक स्तर के पदाधिकारी के पास होगा। सिपाही एवं पुलिस अवर निरीक्षक संवर्ग में प्रत्येक 500 विज्ञापित पदों पर एक पद किन्नर समुदाय के लिए आरक्षित रहेगा। इस पद के लिए अलग से विज्ञापन भी प्रकाशित किया जाएगा। अगर किन्नर के लिए आरक्षित पदों पर नियुक्ति के क्रम में चयनित अभ्यर्थियों की स्थिति कम पड़ जाती है, तो आरक्षित शेष रिक्तियों को उसी मूल विज्ञापन के सामान्य अभ्यर्थियों से भरने की कार्यवाही की जाएगी।

किन्नरों की सीधी नियुक्ति के लिए शैक्षणिक अहर्ता बिहार पुलिस हस्तक 1978 के सिपाही तथा पुलिस अवर निरीक्षक संवर्ग के अनुसार ही होगी। ट्रांसजेंडर अभ्यर्थियों के लिए शारीरिक मापदंड तथा शारीरिक दक्षता परीक्षा का मापदंड संबंधित संवर्ग के महिला अभ्यर्थियों के समान होगा। अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम उम्र विज्ञापन के अनुसार होगा और अधिकतम उम्र सीमा में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति कोटे के समरूप ही छूट प्राप्त होगा।

अभ्यर्थी को बिहार राज्य का मूल निवासी होने का प्रमाण पत्र देना होगा। इसके अलावा राज्य सरकार द्वारा निर्धारित सक्षम प्राधिकार से निर्गत ट्रांसजेंडर होने का प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत करना होगा। नियुक्ति के लिए विज्ञापन का प्रकाशन एवं चयन की प्रक्रिया सिपाही वर्ग के लिए केंद्रीय चयन परिषद (सिपाही भर्ती) तथा पुलिस अवर निरीक्षक के लिए पुलिस अवर सेवा आयोग द्वारा पूरी की जाएगी। नियुक्ति के उपरांत इनका पदस्थापन जिला पुलिस बल में किया जाएगा। गृह विभाग ने स्पष्ट किया की किन्नरों के लिए विशेष बटालियन नहीं बनाया जा सकेगा। विशेष बटालियन के सांगठनिक संरचना के लिए कम से कम 1000 स्वीकृत बल की जरूरत होगी। इतनी संख्या में ट्रांसजेंडर समुदाय से योग्य अभ्यर्थियों का मिलना मुश्किल है, इसीलिए बिहार पुलिस में ही उनकी सीधी नियुक्ति का निर्णय लिया गया है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार राज्य की कुल जनसंख्या 10.41 करोड़ थी, जिनमें किन्नर वर्ग की जनसंख्या 40,827 थी।

मुख्यमंत्री ने किया हमीदिया अस्पताल में कोविड वैक्सीन टीकाकरण अभियान का शुभारंभ

मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व से ही वैक्सीन का लाभ मिलना प्रारंभ : शिवराज

भोपाल (एजेंसी)।

मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व का ही यह परिणाम है कि आज से देशवासियों को इस मेड इन इंडिया वैक्सीन का लाभ मिलना प्रारंभ हो गया है। सच ही कहा गया है कि 'मोदी है तो मुमकिन है।' श्री चौहान ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री मोदी मैन आफ आइडियाज हैं। उन्होंने समय रहते संकट को पहचाना था। कोरोना के नियंत्रण के लिए देश में उनके द्वारा किए गए प्रयास ऐतिहासिक हैं। वेक्सीन अभियान प्रारंभ होने के अवसर पर चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी, वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा, अपर मुख्य सचिव मोहम्मद सुलेमान, कमिश्नर भोपाल कविंद्र कियावत, संचालक जनसंपर्क आशुतोष प्रताप सिंह उपस्थित थे।

श्री चौहान शनिवार को यहां हमीदिया अस्पताल के कोविड ब्लाक एक में कोविड वैक्सीन टीकाकरण अभियान का शुभारंभ कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कोरोना से बचाव के लिए स्वदेशी वैक्सीन के निर्माण और आज से अभियान के रूप में देशव्यापी स्तर पर वैक्सीन लगाने का कार्य शुरू हुआ है। इसके लिए हमारे वैज्ञानिक विशेष धन्यवाद के पात्र हैं, जिन्होंने दिन-रात एक कर वेक्सीन के निर्माण का कार्य किया। वैज्ञानिक वर्ग को प्रणाम करते हैं।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वैक्सीनेशन संबंधी देशव्यापी संबोधन सुना।

मुख्यमंत्री ने बलिदानियों का किया स्मरण

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उन बलिदानियों का स्मरण स्वाभाविक है, जिन्होंने कोरोना से प्रभावित रोगियों का तब इलाज किया जब संक्रमित व्यक्ति के नाम से ही सभी घबराते थे। अनेक चिकित्सक उपचार सेवाएं देते-देते अपना जीवन त्याग कर दुनिया से चले गए। आज उन सभी बलिदानियों को नमन करते हुए वेक्सिनेशन प्रारंभ किया जा रहा है।

टीकाकरण के लिए प्राथमिकता क्रम निर्धारित प्रथम चरण में कोरोना वॉरियर्स को लगेगा

श्री चौहान ने कहा कि टीकाकरण के लिए प्राथमिकता क्रम निर्धारित किया गया है। प्रथम चरण में कोरोना वॉरियर्स को टीका लगाया जाएगा, जिसमें मेडिकल और पैरामेडिकल स्टाफ भी शामिल है। इसमें सरकारी और निजी अस्पतालों के सेवाभावी चिकित्सक भी टीका लगवाएंगे। अगले क्रम में अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं को टीका लगेगा, जिनमें राजस्व कर्मी, पुलिसकर्मी, नगरीय निकायों के कर्मचारी आदि शामिल हैं। इसके पश्चात 50 वर्ष आयु के ऐसे लोग जिन्हें एक या उससे अधिक रोग हैं, उन्हें टीके का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा टीका लगाने के बाद छोटी मोटी स्वास्थ्य समस्या उत्पन्न हो सकती है, जिसका प्रबंध किया गया है। यह टीका सुरक्षित है। पहला टीका लगने के 28 दिन बाद दोबारा टीका लगेगा। इसके पश्चात 14 दिन में एंटीबॉडी विकसित होगी। टीका लगने के 30 मिनट पश्चात तक आब्जर्वेशन किया जाएगा कि टीका लगवाने वाले व्यक्ति को कोई एईएफआई लक्षण तो नहीं हैं। ऐसा होने पर प्रबंधन की व्यवस्था की गई है।

प्रत्येक विषय पर आलोचना करना उचित नहीं : सीएम

मुख्यमंत्री ने कहा कुछ लोगों का यह कहना कि मुख्यमंत्री बाद में वेक्सीन लगवाएंगे, उन्हें सोचना चाहिए कि प्रत्येक विषय पर आलोचना करना उचित नहीं है। यह राष्ट्रीय महत्व का कार्य है। सभी को एक होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा प्रोटोकॉल के तहत ही अपना नंबर आने पर ही वे टीका लगाएंगे। उसी प्रोटोकॉल के तहत तृतीय चरण में वैक्सीन लगवाएंगे, क्योंकि जिन्होंने जनता की जिंदगी बचाने का कार्य किया उन्हें प्राथमिकता से टीका लगना चाहिए। यही न्याय संगत भी है। प्राथमिकता जो देश ने तय की है उसका पालन होना चाहिए। कुछ लोग इस संबंध में भ्रम फैला रहे हैं, इससे अहित होगा।

दी चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ को बधाई

श्री चौहान ने इस अवसर पर हमीदिया अस्पताल स्टाफ के चिकित्सकों और पैरामेडिकल स्टाफ को बधाई भी दी। मुख्यमंत्री की उपस्थिति में प्रथम वैक्सीन वार्ड बॉय संजय यादव ने लगवाई। मुख्यमंत्री ने संजय को धन्यवाद देते हुए हालचाल पूछा। संजय ने मुख्यमंत्री को अभिवादन किया। इस अवसर पर डॉ. एके उपाध्याय, स्टाफ नर्स उषा किरण, एएनएम शकुन कर्णवाल, साफ्टवेयर इंजीनियर अंजलि राठौर ड्यूटी पर थीं। मुख्यमंत्री ने चिकित्सकों और अन्य स्टाफ को उनकी सेवाओं के लिए भी धन्यवाद दिया।

टीकाकरण अभियान प्रारंभ होने के पहले सुना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन

हमीदिया के कोविड ब्लाक के अन्य कक्ष दो में डॉ एसके त्रिवेदी के साथ स्टाफ नर्स प्रीति पगारे और एएनएम प्रतिभा सिंह ड्यूटी पर थीं। श्री चौहान ने टीकाकरण अभियान प्रारंभ होने के पहले प्रधानमंत्री श्री मोदी का संबोधन सुना। हमीदिया अस्पताल, गांधी मेडिकल कॉलेज परिसर में चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने भी इस प्रसारण को सुनने का लाभ लिया। इस मौके पर कलेक्टर भोपाल अविनाश लवानिया, डीआईजी इरशाद वली उपस्थित थे।

औषधियों की भी आवश्यक व्यवस्था की गई

उन्होंने कहा कि औषधियों की भी आवश्यक व्यवस्था की गई। हम विजय की ओर बढ़े हैं। इस अवसर पर सभी कोरोना वारियर्स के प्रति मुख्यमंत्री ने कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने कहा सभी अशासकीय संगठन, जिलों के क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप प्रशासनिक अधिकारी और अमला मुस्तैद रहा। मुझे पूर्ण आशा और विश्वास है कि हम कोरोना का पूरी तरह समापन कर देंगे।

एडीजी उपेंद्र जैन सहित 41 पुलिस अफसरों और कर्मचारियों को डीजीपी प्रशस्ति पत्र एवं डिस्क

भोपाल । प्रदेश के 41 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को उनकी सराहनीय सेवाओं के लिए डीजीपी प्रशस्ति पत्र एवं डिस्क प्रदान की गई है। इन अधिकारियों में भोपाल के एडीजी उपेंद्र जैन, इंदौर के आईजी हरिनारायण चारी मिश्रा, आईजी विवेक शर्मा, भोपाल के डीआईजी इरशाद अली और अन्य अधिकारी और कर्मचारी शामिल हैं। अन्य नाम इस प्रकार हैं-

1. उपेंद्र जैन, अति. पुलिस महानिदेशक भोपाल जोन
2. विवेक शर्मा, पुलिस महानिरीक्षक इंदौर जोन इंदौर
3. हरिनारायण चारी मिश्र, पुलिस उप महानिरीक्षक इंदौर
4. इरशाद वली, पुलिस उप महानिरीक्षक भोपाल
5. अमित सांघी, पुलिस अधीक्षक ग्वालियर
6. प्रशांत चौबे, अति. पुलिस अधीक्षक इंदौर
7. राजेश रघुवंशी, अति. पुलिस अधीक्षक इंदौर
8. गुरु प्रसाद पाराशर, अति. पुलिस अधीक्षक इंदौर
9. दिनेश कौशल, अति. पुलिस अधीक्षक भोपाल
10. अमित सक्सेना, अति. पुलिस अधीक्षक, विशेष शाखा भोपाल
11. नीतू ठाकुर, पुलिस अधीक्षक, रेडिया भोपाल
12. अश्विनी कुमार नेगी, नगर पुलिस अधीक्षक, जिवाजीगंज उज्जैन
13. किरण कुमार शर्मा, उप पुलिस अधीक्षक, यातायात देवास
14. संजय मंडलाई, निरीक्षक, जीवाजीगंज उज्जैन
15. अनिमेष द्विवेदी, नरीक्षक/थाना प्रभारी, जिला रीवा
16. मनोज कुमार शर्मा, उप निरीक्षक, एटीएस मुख्यालय भोपाल
17. संतोष कुमार शुक्ला, सउनि (विसबल), 29वीं वाहिनी दतिया
18. गोपाल सिंह गुरुंग, सउनि (विसबल), 14वीं वाहिनी ग्वालियर
19. वैशाली रामटेके, सउनि (रेडिया), पुलिस दूरसंचार संगठन भोपाल
20. सुशील कुमार बारई, सउनि (रेडिया), पुलिस दूरसंचार संगठन भोपाल
21. श्रीराम मिश्रा, प्र.आर., 7वीं वाहिनी, विसबल भोपाल
22. प्रेम कुमार चौहान, प्र.आर., थाना चूनाभट्टी भोपाल
23. लोकेन्द्र पाल सिंह सिसोदिया, प्र.आर.352, 15वीं वाहिनी विसबल इंदौर
24. नरेश मालवीय, प्र.आर.7वीं वाहिनी, विसबल भोपाल
25. दिनेश कुमार यादव, प्र.आर.,7वीं वाहिनी विसबल भोपाल
26. योगेन्द्र सिंह तोमर, प्र.आर.669, जिला पुलिस कार्यालय मुरैना
27. सेवासिंह तोमर, प्र.आर.243, 5वीं वाहिनी मुरैना
28. अजय कुमार बाजपेई, प्र.आर.2654, थाना जहांगीराबाद जिला भोपाल
29. धनराज सिंह उईके, प्र.आर.485, जिला बालाघाट
30. रमेश चंद्र जाटव, प्र.आर.1014, हाक फोर्स बालाघाट
31. अजमत खान, आरक्षक 650, पुलिस लाईन गुना
32. राकेश कुमार सिरवैया, आर. (चालक), 87, पुलिस लाईन टीकमगढ़
33. सतीश कुमार यादव, आर. 284, थाना विलपांक रतलाम
34. रविशंकर पटेल, आर., 7वीं वाहिनी, विसबल भोपाल
35. जितेन्द्र सिंह राठौर, आर.480 साईबर सेल खंडवा
36. रविशंकर मुजाल्दे, आर., जिला बड़वानी
37. कृष्णा गोपाल शर्मा, निरीक्षक (अ) वरिष्ठ शीघ्रलेखक, विशेष, पुमु, भोपाल
38. श्री हर प्रसाद पटेल, उ.नि.(अ), जिला पुलिस कार्यालय, रीवा
39. दौलतराम सिंह यादव, उनि (अ), पीटीएस भोपाल
40. जगदीश नारायण शर्मा, उ.नि.(अ), कार्यालय अमनि (गुप्तवार्ता) पु.मु., भोपाल
41. मुकेश कुमार सिंह, साउनि(अ), अ.अ.वि., पु.म. भोपाल

कमलनाथ के जमाने में क्या होता था यह कहने की जरूरत नहीं

राज्यसभा सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने किया पूर्व सीएम पर पलटवार

ग्वालियर, एजेंसी। राज्यसभा सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कमलनाथ को निशाने पर लेते हुए कहा कि कमलनाथ के जमाने में क्या होता था यह कहने की जरूरत नहीं, इसका आभास आप लोगों को भी है, और जनता को भी है। अब तो लगता है कि इसका आभास कमलनाथ को भी हो गया होगा। यह बात सिंधिया ने शनिवार को मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कही।

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर मुरैना के शराब कांड के बाद तंज कसा था। कमलनाथ ने अपने बयान में कहा था मप्र में राशन नहीं मिल रहा है, लेकिन शराब मिल रही है। कमलनाथ के इसी बयान पर राज्यसभा सांसद सिंधिया ने कमलनाथ पर पलटवार किया। सिंधिया ने कहा कि दूसरों पर कीचड़ उछालना आसान है, लेकिन कभी यह भी सोचना चाहिए कि जब वह मुख्यमंत्री थे तब प्रदेश में क्या हो रहा था। अब तो कमलनाथजी को उप चुनाव के बाद इसका अहसास हो गया होगा। सिंधिया ने आगे कहा कि कमलनाथजी की जो सोच विचारधारा है मैं उनको ही अर्पित करना चाहता हूं, क्योंकि हमको अपना काम करना है। मैं स्वयं उस गांव में पीड़ितों के परिजनों से मिलने जा रहा हूं। सिंधिया ने कहा मैं सुख के समय भले ही जनता के बीच न रहूं, लेकिन दुख के समय जरूर पीड़ित परिवार के साथ रहूंगा, क्योंकि इसे में अपना धर्म समझता हूं। सिंधिया ने कहा कि मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा है जो भी गलत काम कर रहा है, अवैध काम करने वालों पर सख्त से सख्त कदम उठाए जाएंगे, किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

जहरीली शराब कांडः मृतक के परिजनों से मिले सिंधिया,50-50 हजार रुपए देने की घोषणा

मुरैना, (आरएनएन)। भाजपा सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शनिवार को विगत दिनों जहरीली शराब से मरे मुरैना जिले के मृतकों के परिजनों से भेंट कर शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होने मृतक के परिवारों को अपनी ओर से पचास-पचास हजार रुपए देने की घोषणा भी की तथा दोषी व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। इस दौरान राज्य मंत्री सुरेश धाकड़, पूर्व मंत्री ऐंदल सिंह कंषाना, अम्बाह के विधायक कमलेश जाटव,भाजपा के जिलाध्यक्ष योगेशपाल गुप्ता भी उनके साथ थे।

गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने शनिवार को कोरोना वैक्सीनेशन कार्यक्रम के अंतर्गत जिला चिकित्सालय दतिया में शामिल होकर स्वास्थ्य कर्मचारियों से चर्चा की।

डॉ. मिश्रा ने वैक्सीनेशन कराने वालों से की चर्चा

गृह मंत्री दतिया जिला अस्पताल में आयोजित कोरोना वैक्सीनेशन कार्यक्रम में हुए शामिल

भोपाल (एजेंसी)। गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने शनिवार को जिला चिकित्सालय दतिया में कोरोना वैक्सीनेशन कराने वाले स्वास्थ्य कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि कोरोना के विरुद्ध प्रारंभ हुए दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान को हमें सफल बनाना है। डॉ. मिश्रा ने जिला चिकित्सालय में कोरोना का टीका लगवाने वाले कोरोना योद्धा डॉटा एन्ट्री आपरेटर शिव कुमार दुबे से चर्चा भी की। उन्होंने जिला चिकित्सालय में सफाई कर्मी से लेकर स्वास्थ्य अधिकारियों के कोरोना का वैक्सीनेशन कराने पर प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर उनके साथ पूर्व विधायक प्रदीप अग्रवाल, सुरेन्द्र बुधौलिया एवं अन्य जन-प्रतिनिधि मौजूद थे।

प्रदेश की मंडियों में खुलेंगे क्लीनिक होगा किसानों का उपचार : पटेल

भोपाल (एजेंसी)। कृषि मंत्री कमल पटेल ने कहा है कि अब प्रदेश की स्मार्ट मंडियों में क्लीनिक खोले जाएंगे। यहां पर बीमार किसानों का उपचार किया जाएगा। शनिवार की शाम मंत्री पटेल ने अपने आवास पर मीडिया से चर्चा में यह बात कही है।

कमल पटेल ने कहा है कि प्रदेश में मौजूदा समय में 40 स्मार्ट मंडिया हैं, जहां पर क्लीनिक खोले जाएंगे। इसका उद्देश्य ही है कि अगर किसान बीमारी से ग्रसित होते हैं तो उनका तात्कालिक तौर पर यहां पर उपचार किया जा सके। उन्होंने कहा है कि इसके लिए टेंडर बुलाए जाएंगे और स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से इन क्लीनिक में डॉक्टर की व्यवस्था होगी। मंत्री ने कहा कि शुरुआत स्मार्ट मंडियों से की जा रही है। धीरे-धीरे प्रदेश की समस्त मंडियों में इस प्रकार की व्यवस्था कर दी जाएगी। मंत्री ने दावा किया है कि प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के अंतर्गत प्रदेश का किसान अपनी जमीन का मालिकाना हक प्राप्त करेगा। मुट्ठी भर उद्योगपतियों के चुंगल में न आते हुए किसान स्वयं मालिक बनकर अपना व्यवसाय करेगा। विभाग में अमले की कमी पर कमल पटेल ने कहा कि युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार दिया जाएगा, जिससे काम की गति को बढ़ावा मिल सके। कोरोना वैक्सीन अभियान के बारे में मंत्री पटेल ने कहा कि यह दुनिया का सबसे बड़ा अभियान है। उन्होंने कहा है कि इससे विश्वव्यापी महामारी पर काबू पाया जा सकेगा।

कृषि मंत्री ने अपने आवास पर मीडिया से चर्चा में दी जानकारी

नवनियुक्त भाजपा प्रदेश पदाधिकारियों का पदभार ग्रहण समारोह आज

भोपाल (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त प्रदेश पदाधिकारी और मोर्चा अध्यक्ष रविवार को यहां पार्टी के प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा एवं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की उपस्थिति में पदभार ग्रहण करेंगे। कार्यक्रम के पश्चात प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक संपन्न होगी।

भाजपा की ओर से शनिवार को यहां जारी विज्ञप्ति के अनुसार पार्टी के प्रदेश कार्यालय पं. दीनदयाल परिसर में रविवार को नवनियुक्त पदाधिकारी और विभिन्न मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पदभार ग्रहण करेंगे।

सुबह 10.30 बजे प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा एवं मुख्यमंत्री श्री चौहान के साथ प्रदेश पदाधिकारी प्रदेश कार्यालय स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय, कुशाभाऊ ठाकरे एवं राजमाता विजयराजे सिंधिया की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। माल्यार्पण के पश्चात नवमनोनीत पदाधिकारियों का स्वागत एवं पदभार ग्रहण समारोह संपन्न होगा। दोपहर 3.30 बजे प्रदेश कार्यालय में प्रदेश पदाधिकारियों एवं मोर्चा अध्यक्ष की बैठक होगी।

प्रदेश में गांव-गांव निकल रही हैं रैलियां और रथ यात्राएं

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशानुसार पुलिस के साथ मिलकर सभी विभाग समन्वयपूर्वक प्रदेश स्तरीय महिला जन-जागरूकता अभियान सम्मान को उत्साहपूर्वक संचालित कर रहे हैं। अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा के लिए विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत गांव-गांव रैलिया और रथ यात्राएं निकाली जा रही है। हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है। महिला अपराध रोकने शपथ दिलाई जा रही है। महिला सुरक्षा गान चौराहों पर बजाया जा रहा है। ख्यातनाम लोगों के संदेश सुनाए जा रहे हैं। अभियान की शुभंकर गुड्डी आमजन में लोकप्रिय हो रही है।

महिला जन-जागरूकता अभियान के शुभारंभ के साथ ही प्रदेश में 5 हजार 290 ईकाइयों और एक हजार 76 थानों के अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा व्यापक प्रचार-प्रसार सभी विभागों से समन्वय कर किया जा रहा है। भोपाल के भोजपुर संक्रांति मेले में अभियान की शुभंकर गुड्डी के साथ लोगों ने सेल्फी ली एवं पुलिस द्वारा महिला अपराधों के प्रति सजग एवं जागरूक होने का संदेश दिया। जबलपुर की गुड्डी के साथ पतंग उड़ाई एवं अन्य जगह गुड्डी के ग्रीटिंग कार्ड भेजे गए, गुड्डी के वाट्सएप स्टीकर बने, बैतूल में गुड्डी की रंगोली बनाई गई और शहरों में गुड्डी के सेल्फी पाइंट के साथ लोगों ने फोटो खिचवाएं।

दिल्ली स्थित कार्टूनिस्ट जयंतो द्वारा सृजित गुड्डी शीघ्र ही अपने आप को बालिकाओं के प्रतीक रूप में स्थापित कर रहा हैं। अभियान का एक मुख्य उद्देश्य है कि बालिकाएं निर्भीक होकर सही निर्णय लें, इसमें शुभंकर गुड्डी ठीक उतरती है। सिनेमा घरों एवं सभी इंटर स्टेट बसों में प्रमुख हस्तियों के संदेश भी सुनाए जा रहे हैं।

पन्ना के गांव में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने दिवालों पर अभियान संबंधी नारे लिखे, उज्जैन एवं रायसेन में रथ यात्राएं निकाली गई, शहरों एवं पंचायतों में और बस स्टॉप पर अभियान के पोस्टर्स लगाए गए। कई नुक्कड़ नाटक चौपालों में हुए और सिवनी की एनजीओ द्वारा छेड़छाड़ की घटनाओं को लेकर छोटी मूवी बनाई गई। जिला एवं पुलिस प्रशासन जागरूकता का संदेश जन-जन तक पहुंचा रहा है।

पुलिस महिला जन-जागरूकता अभियान सम्मान के बारे में कर रही है जागरूक

सड़क सुरक्षा की रणनीति जन-केंद्रित होनी चाहिए : अनुराधा शंकर

गोल्डन-ऑवर घायल के लिए संजीवनी : एडीजी सागर

रोडसेफ्टी ऑडिट जरूरी : प्रो. तिवारी

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने सड़क सुरक्षा की रणनीति आमजन को केंद्रित करके तैयार करना चाहिए। यह बात एडीजी प्रशिक्षण अनुराधा शंकर ने ऑनलाइन वर्कशॉप को संबोधित करते हुए कही। मेनिट के प्रोफेसर राहुल तिवारी ने सड़क सुरक्षा के लिए रोड सेफ्टी ऑडिट को जरूरी बताया। ए रोडमैप टू रोड सेफ्टीः राईट्स एण्ड ड्यूटीज विषय पर आधारित छह दिनी ऑनलाइन वर्कशॉप के समापन सत्र को संबोधित करते हुए एडीजी (पीटीआरआई) डीसी सागर ने सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों के लिए गोल्डन-ऑवर को संजीवनी बताया।

प्रथम सत्र को संबोधित करते हुए एडीजी अनुराधा शंकर ने कहा कि मनुष्य चिंतनशील होता है, सोच सकता है, इसीलिए उसने प्रगति कर सभ्य समाज की स्थापना की है। सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने जरूरी है कि उसकी रचनात्मकता, बुद्धिमत्ता और संवेदनशीलता सड़क सुरक्षा के प्रति कर्तव्यों में परिलक्षित हो। इससे यातायात के नियमों का पालन स्वतः होगा और दुर्घटना में निःसंदेह कमी आएगी। द्वितीय सत्र को संबोधित करते हुए मेनिट के प्रो. तिवारी ने रोड-सेफ्टी ऑडिट के मूलभूत सिद्धांतों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि उचित प्रकार से रोड-सेफ्टी ऑडिट किए जाने से सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में सकरात्मक परिणाम आएंगे। वर्कशॉप के छठे और अंतिम दिन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए एडीजी श्री सागर ने कहा कि दुर्घटना में घायलों को एक घंटे में यदि समुचित उपचार मिल जाएं तो अधिकतम घायलों के प्राणों की रक्षा की जा सकती है। दुर्घटना के बाद का पहला घंटा गोल्डन ऑवर कहा जाता है और यह समय घायल के लिए संजीवनी के समान है। गोल्डन-ऑवर में उपचार मिल जाने से 90 प्रतिशत से अधिक घायलों की जान बचाई जा सकती है।

ऑनलाइन वर्कशॉप के समापन सत्र को संबोधित करते एडीजी पीटीआरआई डीसी सागर।

निर्वाचन आयोग ने किया फोटोयुक्त मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन

भोपाल । भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2021 को एक जनवरी 2021 की अर्हता तिथि के मान से फोटोयुक्त मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 15 जनवरी 2021 को कर दिया गया है। प्रारूप प्रकाशन 25 नवंबर 2020 के समय प्रदेश के 230 विधानसभा क्षेत्रों में कुल 5 करोड़ 22 लाख 20 हजार 675 मतदाताओं के नाम दर्ज थे। पुनरीक्षण के दौरान 11 लाख 67 हजार नए मतदाता जोड़े गए, जबकि तीन लाख 24 हजार मतदाताओं के नाम मृत्यु/स्थान परिवर्तन/दोहरे पंजीकरण आदि के कारण हटाए गए हैं। इस प्रकार कुल 8 लाख 43 हजार मतदाताओं की बढ़ोत्तरी हुई है, जो प्रारूप प्रकाशित मतदाताओं में 1.63 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है। संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी धरणेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि प्रदेश में अंतिम प्रकाशन के समय कुल 5 करोड़ 30 लाख 64 हजार 142 मतदाता है। इनमें दो करोड़ 75 लाख 41 हजार 281 पुरूष, दो करोड़ 55 लाख 21 हजार 381 महिला तथा 1480 तृतीय लिंग मतदाता हैं। प्रदेश की जनसंख्या का लिंगानुपात 931 की तुलना में मतदाताओं का लिंगानुपात 927 हैं। इसी प्रकार कुल सर्विस मतदाता 75136 है।

ऑस्कर 2021 की रेस में शामिल हुई

विद्या बालन की शार्ट फिल्म 'नटखट'

रॉनी स्क्रूवाला व विद्या बालन द्वारा निर्मित और शान व्यास द्वारा निर्देशित 'नटखट' 33 मिनट की एक शार्ट फ़िल्म है जो यह रेखांकित करती है कि घर वह है जहां हम उन मूल्यों को सीखते हैं जो हमें आकार देते हैं और जो हमें बनाते हैं। एक ऐसी कहानी जहां एक मां (विद्या बालन) का ध्यान अपने स्कूल जाने वाले बेटे सोनू (सानिका पटेल) पर जाता है, जो अपने परिवार के पुरुषों की तरह ही दूसरे लिंग के प्रति दुराचार और अपमान की भावना रखता है।

इस फिल्म के साथ निर्माता बनी विद्या बालन यहां पितृसत्तात्मक सेटअप में एक गृहिणी की भूमिका निभा रही हैं। फिल्म में मां-बेटे के खूबसूरत रिश्ते को दिखाया गया है, जो प्रत्येक झटके के साथ उथल-पुथल हो जाता है और एक सुखद स्पर्श के साथ सेटल हो जाता है।

2020 के अशांत वर्ष के दौरान, नटखट ने अपना सफ़र जारी रखा और दुनिया भर के प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों में इसकी स्क्रीनिंग की गई। इसका वर्ल्ड प्रीमियर ट्रिबेका का वी आर वन : ए ग्लोबल फिल्म फेस्टिवल (2 जून 2020) में किया गया था जिसके बाद इंडियन फिल्म फेस्टिवल स्टटगार्ट (15-20 जुलाई, 2020) में इसकी स्क्रीनिंग की गई थी और फ़िल्म ने जर्मन स्टार ऑफ इंडिया अवार्ड अपने नाम किया था।

इस शार्ट फिल्म को लंदन और बर्मिंघम में लंदन इंडियन फिल्म फेस्टिवल (17-20 सितंबर 2020), साउथ एशियन फिल्म फेस्टिवल - ऑरलैंडो / फ्लोरिडा फिल्म फेस्टिवल (10-11 अक्टूबर, 2020) के लिए भी आमंत्रित किया गया था और मेलबर्न में इंडियन फिल्म फेस्टिवल (16-23 अक्टूबर 2020) की शुरुआत की थी।

बेस्ट ऑफ इंडिया शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल (7 नवंबर, 2020) में नटखट को विजेता घोषित किया गया था और ऑस्कर 2021 की योग्यता के लिए नामांकित किया गया था। लेकिन यह 2020 का उनका आखिरी फेस्टिवल नहीं था, साल 2020 की समाप्ति नटखट के साथ मोजैक इंटरनेशनल साउथ एशियन फिल्म फेस्टिवल (4- 12 दिसंबर, 2020) और इंटरनेशनल किड्स फिल्म फेस्टिवल (20 नवंबर 2020) के साथ हुई।

LXL आइडियाज से जन्मा IKFF भारत का सबसे बड़ा चिल्ड्रन फिल्म फेस्टिवल है, जिसका उद्देश्य दुनिया के दूरदराज हिस्सों में बच्चों को प्रेरणादायक, सार्थक और विश्व स्तर पर विविध सिनेमा देना है। यह इस फेस्टिवल में एक वयस्क जूरी के साथ था, जिसमें फिल्म और शिक्षा के क्षेत्र में 12 विशेषज्ञ शामिल थे, और भारत, इटली, फ्रांस, दक्षिण कोरिया, ताइवान, किर्गिस्तान और अमेरिका के स्कूलों से चुने गए 45 सदस्यों की चाइल्ड जूरी ने नटखट को सर्वश्रेष्ठ लाइव एक्शन शॉर्ट के लिए पुरस्कार प्रदान किया था।

इटली के गिफोनी फिल्म फेस्टिवल की एक चाइल्ड जुरीर, एंजेलिका ला रोक्का ने कहा, यह शार्ट फिल्म एकदम परफ़ेक्ट है। नटखट कुप्रथाओं और पितृसत्ता के सामाजिक खतरे के खिलाफ एक संभावित समाधान के विचार को पुष्ट करता है। यह दिखाता है कि घर पर बच्चे का पालन-पोषण वह होता है जहां आप वास्तविक शिक्षा शुरू करते हैं और इस शानदार प्रदर्शन के लिए धन्यवाद (मुख्य रूप से बाल कलाकारों द्वारा), संदेश बहुत अच्छी तरह से पेश किया गया है।

निर्देशक शान व्यास ने कहा, नटखट को चीजों को बदलने के लिए बहुत शांत लेकिन शक्तिशाली आग्रह के साथ बनाया गया था। पृथ्वी के हर कोने तक पहुंचने और दुनिया को यह बताने के लिए कि घर से बदलाव शुरू होता है। ऑस्कर की दौड़ के लिए इस चयन से हम बहुत खुश हैं। मुझे लगता है कि दुनिया को पिछले कुछ वर्षों में बनी भारतीय फिल्मों की उत्कृष्ट गुणवत्ता का पता लगाना बाकी है और हम उम्मीद करते हैं कि अगर नटखट शॉर्टलिस्ट में जगह बना लेती हैं तो यह हमारे सिनेमा में उस दिलचस्पी को फिर से जिंदा कर देगी।

ऑस्कर 2021 की दौड़ में आगे बढ़ते हुए, एक्ट्रेस और निर्माता विद्या बालन ने कहा, एक साल जो अशांत रहा है, उसमें हमारी फिल्म का ऑस्कर के लिए क्वालिफाई करना बहुत अच्छा लगा। यह फिल्म मेरे लिए अविश्वसनीय रूप से करीब है क्योंकि इसने मुझे अभिनेता और निर्माता की दोहरी भूमिकाएं निभाने का मौका दिया है।

फिल्म को अन्नुकम्प हर्ष और शान व्यास ने एसोसिएट निर्माता सनाया ईरानी जौहरी के साथ लिखा है। 'नटखट' शान व्यास द्वारा निर्देशित और विद्या बालन व रोनी स्क्रूवाला द्वारा निर्मित है।

ऋचा चड्ढा की फिल्म 'मैडम चीफ मिनिस्टर' पर विवाद कैसे शुरू हुआ?

अभिनेत्री ऋचा चड्ढा को अपनी आने वाली फिल्म 'मैडम चीफ मिनिस्टर' का पहला लुक जारी किया है। फिल्म से आउट हुई 4 तस्वीरें में फिल्म से ऋचा चड्ढा की झलक देखी जा सकती है। सोशल मीडिया पर ऋचा चड्ढा की ये तस्वीरे काफी वायरस हो रही हैं। फिल्म 'मैडम चीफ मिनिस्टर' के लेकर पहले से ही विवाद हो रहा है। पोस्टर जारी होने के बाद विवाद को तूल मिल गया था। ऋचा पोस्टर में हाथ में झाड़ू लिए नजर आ रही थीं। वहीं उस पर अनटचेबल, अनस्टॉपेबल' भी लिखा था। कई लोगों ने पोस्टर 'अनटचेबल' (अछूत) शब्द को लेकर भी आपत्ति जतायी थी। ऋचा मे पोस्टर जारी करने के बाद बचाव में एक बयान भी जारी किया है। जिसमें 'अनजाने में हुई त्रुटि के लिए माफी मांगी गई है।

अदाकारा ने कहा कि फिल्म में काम करते समय उन्होंने काफी कुछ सीखा। ऋचा ने एक बयान में कहा, '' फिल्म के पहले पोस्टर की काफी आलोचना हुई, वह भी सही कारणों की वजह से... मेरे लिए वह केवल किरदार द्वारा इस्तेमाल किया गया, एक सामान था, जो कि कई लोगों को दलित समुदाय को लेकर बनी हुई रूढ़िवादी धारणा को प्रतिबिंबित करने वाला दिखा।'' उन्होंने कहा कि तुरंत ही गलती का एहसास कर लिया गया और अगले दिन ही एक नया पोस्टर जारी किया गया। उन्होंने कहा, ''यह खेदजनक और पूरी तरह से अनजाने में हुई एक चूक थी, किसी ने जानबूझकर ऐसा नहीं किया। हम माफी चाहते हैं।

'एक एक्ट्रेस के रूप में, मुझे पोस्टिंग के लिए संचार प्राप्त होता है जो कॉपी, हैंडल और हैशटैग के साथ पूरा होता है। कहने की जरूरत नहीं है कि प्रचार सामग्री के डिजाइन में मेरी कोई भूमिका नहीं है। यह कहकर, मैं निर्माताओं को बस के नीचे नहीं फेंक रही हूं। उन्होंने इस अनजाने त्रुटि का एहसास किया और इस आलोचना को अपनी प्रगति में ले लिया। उन्होंने तुरंत आपत्तिजनक पोस्टर को हटाकर और अगले दिन एक नया पोस्टर जारी करके जवाब दिया। यह एक अफसोसजनक और पूरी तरह से अनजाने में की गयी गलती है। हमें खेद है। उम्मीद है कि जब आप फिल्म देखेंगे।

रणदीप हुड्डा ने वेब सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' की शूटिंग की शुरू

अभिनेता रणदीप हुड्डा ने अपनी पहली वेब सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' की शूटिंग शुरू कर दी है। इसका निर्देशन नीरज पाठक कर रहे हैं। 'जियो स्टूडियो' ने बताया कि अपराध पर आधारित इस सीरीज में महेश मांजरेकर, उर्वशी रौतेला, रजनीश दुग्गल, फेडी दारूवाला, गोविन्द नामदेव, अध्ययन सुमन, अमित स्याल, प्रियंका बो और अभिमन्यु सिंह भी नजर आएंगे।

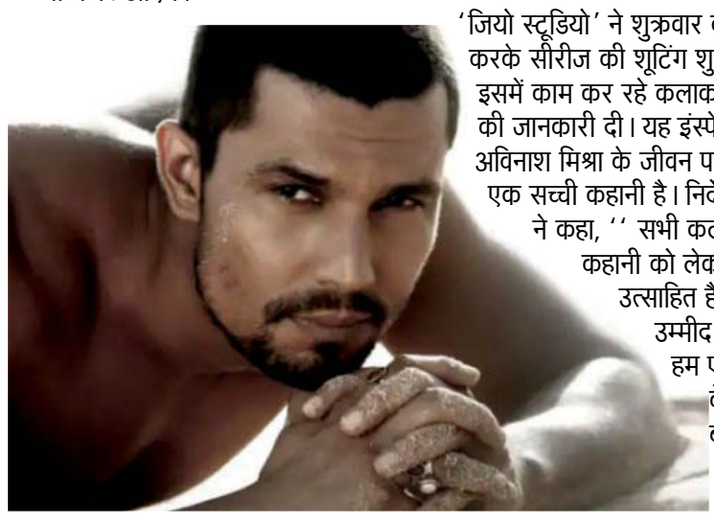

'जियो स्टूडियो' ने शुक्रवार को ट्वीट करके सीरीज की शूटिंग शुरू होने और इसमें काम कर रहे कलाकारों के नाम की जानकारी दी। यह इंस्पेक्टर अविनाश मिश्रा के जीवन पर आधारित एक सच्ची कहानी है। निर्देशक पाठक ने कहा, '' सभी कलाकार कहानी को लेकर काफी उत्साहित हैं और उम्मीद करते हैं कि हम एक दिलचस्प वेब सीरीज बना पाएंगे।

बाथटब में लेटकर तापसी पन्नू ने दिया हॉट पोज

बॉलीवुड एक्ट्रेस तापसी पन्नू अक्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं। वह सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और फैंस के साथ अपनी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। इस समय तापसी अपनी एक तस्वीर को लेकर सुर्खियों में आ गई हैं।

तापसी पन्नू ने अपनी एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह बाथटब लेटे हॉट अंदाज पोज देती नजर आ रही है। इस तस्वीर के साथ तापसी ने मजेदार कैप्शन भी लिखा है।

उन्होंने लिखा, 'बाथटब में बैठकर तस्वीरें क्लिक करना नई बात है और इसलिए वह कुछ सस्ते रोमांच का आनंद लेना चाहती हैं।' तापसी की इस तस्वीर पर फैंस जमकर कमेंट कर रहे हैं।

तापसी पन्नू ने पहली बार इस तरह की तस्वीर पोस्ट नहीं की है, वह पहले भी अपने दिलकश अंदाज से लोगों को दीवाना बना चुकी हैं।

बता दें, तापसी पन्नू इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म रश्मि रॉकेट तैयारी के लिए खूब पसीना बहा रही हैं। आकर्ष खुराना निर्देशित फिल्म में अभिनेता प्रियांशु पेनयुली तापसी के पति की भूमिका निभाते नजर आएंगे। इस फिल्म में तापसी एक गुजराती एथलीट के रोल में नज़र आएंगी।

अक्षय कुमार जैसलमेर में कर रहे हैं 'बच्चन पांडे' की शूटिंग

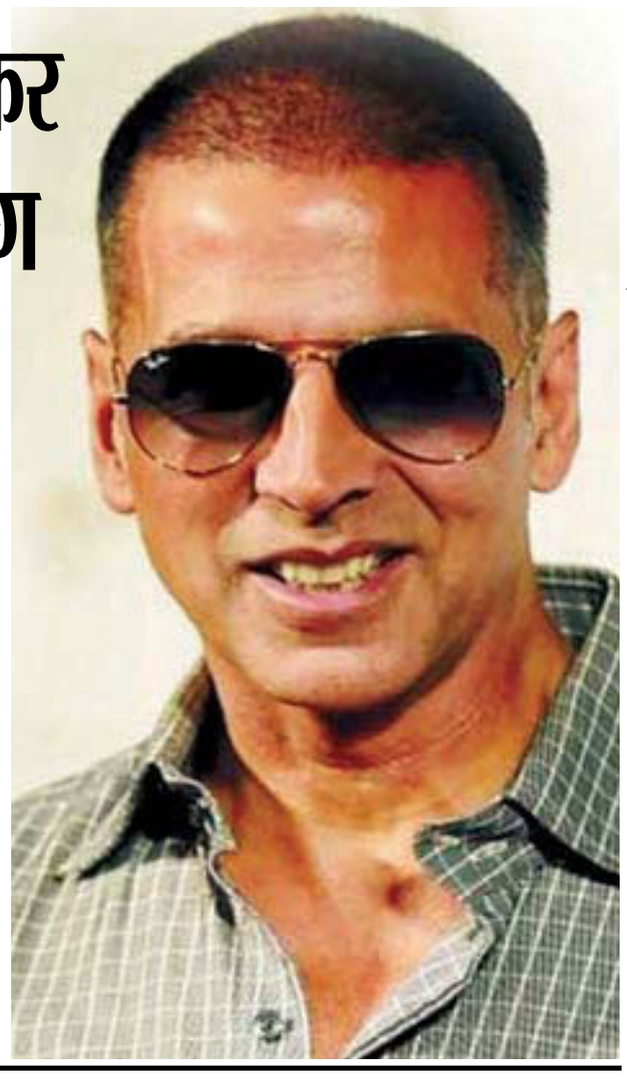

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार अपनी नई फिल्म बच्चन पांडे की शूटिंग में व्यस्त हैं। इन दिनों वह राजस्थान के जैसलमेर में इस फिल्म के लिए शूट कर रहे हैं। इस दौरान का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह अपने कैरेक्टर के लुक में नजर आ रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, अक्षय कुमार को नचना हवेली से बाहर निकलते हुए देखा गया। वीडियो में देखा गया कि वह गेट से बाहर निकलते हैं और अपनी कार की तरफ जाते हैं। इस दौरान अक्षय कुमार ब्राउन जैकेट में नजर आए। वहीं, एक क्रू मेंबर पीपीई किट पहने लोगों से सोशल डिस्टेसिंग मेंटेन करने के लिए कहते हैं।

कुछ समय पहले अक्षय कुमार ने फिल्म बच्चन पांडे से अपना लुक शेयर किया था, जिसे बहुत पसंद किया गया। अक्षय ने फोटो पोस्ट करते कैप्शन में लिखा, 'न्यू ईयर, पुराना एसोसिएशन, बच्चन पांडे की शूटिंग शूरू। साजिद नाडियाडवाला के साथ मेरी 10वीं फिल्म। उम्मीद है कि आगे भी होती रहेगी। आपकी शुभकामनाओं की जरूरत है। बताइए मेरा लुक कैसा लगा।'

बता दें कि इस फिल्म में अक्षय कुमार एक गैंगस्टर के रोल में नजर आएंगे। वहीं, अक्षय के साथ कृति सेनन लीड रोल में हैं। वह जर्नलिस्ट की भूमिका में हैं। फिल्म में अक्षय और कृति सेनन के अलावा अरशद वारसी व पंकज त्रिपाठी अहम रोल में दिखेंगे। फिल्म का निर्देशन फरहाद सामजी कर रहे हैं।

इसके अलावा अक्षय कुमार के पास कई प्रोजेक्ट्स हैं जिसमें अतरंगी रे, रामसेतु और बेल बॉटम जैसी फिल्में शामिल हैं। पिछले साल दिसंबर में अक्षय कुमार फिल्म अतरंगी की शूटिंग में बिजी थी। इस फिल्म में सारा अली खान फीमेल लीड में हैं और साउथ के सुपरस्टार धनुष भी इस फिल्म का हिस्सा हैं। फिल्म का निर्देशन आनंद एल राय कर रहे हैं।

नटराजन, ठाकुर व सुंदर ने ऑस्ट्रेलिया को समेटा

भारत ने जवाब में स्टंप्स तक दो विकेट खोकर 62 रन बनाए, अभी भी ऑस्ट्रेलिया से 307 रन पीछे

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। भारत के लिए पदार्पण टेस्ट खेल रहे बाएं हाथ के तेज गेंदबाज टी नटराजन, ऑफ स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर और दो साल के लंबे अंतराल के बाद अपना दूसरा टेस्ट खेल रहे तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर ने तीन-तीन विकेट निकालकर ऑस्ट्रेलिया को चौथे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट के वर्षा बाधित दूसरे दिन शनिवार को पहली पारी में 369 रन पर समेट दिया।

भारत ने इसके जवाब में स्टंप्स तक दो विकेट खोकर 62 रन बना लिए हैं और वह अभी ऑस्ट्रेलिया से 307 रन पीछे चल रहा है। ऑस्ट्रेलिया की ओर से दूसरे दिन कप्तान टिम पेन ने 38 रन और कैमरुन ग्रीन ने 28 रन से आगे खेलना शुरु किया लेकिन भारत के गेंदबाजों ने कंगारु टीम की पहली पारी को 115.2 ओवर में 369 रन पर समेट दिया। भारत की ओर से नटराजन ने 24.2 ओवरों में 78 रन देकर तीन विकेट, सुंदर ने 31 ओवर में 89 रन देकर तीन विकेट और ठाकुर ने 24 ओवर में 94 रन देकर तीन विकेट लिए जबकि तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को 28 ओवर में 77 रन देकर एक विकेट मिला। ऑस्ट्रेलिया की ओर से कमिंस ने छह ओवर में 22 रन देकर एक विकेट लिया जबकि नाथन लियोन को छह ओवर में 10 रन देकर एक विकेट मिला।

ऑस्ट्रेलिया ने बनाया इस सीरीज का सर्वाधिक स्कोर

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने इस मैच के दूसरे दिन पांच विकेट पर 274 रन से आगे खेलना शुरू किया जिसमे उसने ऑलआउट होने तक 95 रन और जोड़ डाले और टीम का स्कोर 369 तक पहुंच दिया जो इस सीरीज में किसी भी टीम की तरफ से बनाया गया सर्वाधिक स्कोर है। पेन और ग्रीन ने दूसरे दिन सधी हुई बल्लेबाजी की और दोनों बल्लेबाजों के बीच छठे विकेट के लिए 98 रन की मजबूत साझेदारी हुई। पेन ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए अपना अर्धशतक जड़ा लेकिन पचास रन बनाने के बाद वह ज्यादा देर अपनी पारी आगे नहीं बढ़ा सके और उन्हें ठाकुर ने रोहित के हाथों कैच कराकर आउट किया। पेन ने 104 गेंदों में छह चौकों की मदद से 50 रन बनाए। पेन के पवेलियन लौटने के बाद ग्रीन भी ज्यादा देर क्रीज पर नहीं टिके और सुंदर ने उन्हें बोल्ड कर आउट किया। ग्रीन अर्धशतक बनाने के चूक गए और उन्होंने 107 गेंदों में छह चौकों की मदद से 47 रन बनाए। ग्रीन के आउट होने के तुरंत बाद ठाकुर ने कमिंस को पगबाधा आउट कर ऑस्ट्रेलिया को आठवां झटका दिया। कमिंस ने आठ गेंदों में दो रन बनाए। अंत में निचले क्रम के बल्लेबाज लियोन और स्टार्क ने कुछ रन जोड़े और दोनों बल्लेबाजों के बीच नौवें विकेट के लिए 39 रन की साझेदारी हुई। हालांकि सुंदर ने लियोन को बोल्ड कर इस साझेदारी को तोड़ दिया। लियोन ने 22 गेंदों में चार चौकों के सहारे 24 रन बनाए।

भारतीय टीम की खराब शुरुआत

ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी में ऑलआउट करने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल तेज गेंदबाज पैट कमिंस की गेंद पर स्टीवन स्मिथ को कैच कराकर पवेलियन लौट गए। गिल ने 15 गेंदों में एक चौके की मदद से सात रन बनाए। इसके बाद रोहित शर्मा ने चेतेश्वर पुजारा के साथ भारतीय पारी को आगे बढ़ाया और दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 49 रन की साझेदारी हुई। रोहित शानदार बल्लेबाजी करते हुए अपने अर्धशतक की ओर बढ़ रहे थे लेकिन स्पिनर नाथन लियोन ने मिशेल स्टार्क के हाथों कैच कराकर रोहित की पारी का अंत कर दिया। रोहित ने 74 गेंदों में छह चौकों की मदद से 44 रन बनाए। दो विकेट जल्द गंवाने के बाद भारतीय पारी को पुजारा और कप्तान अजिंक्या रहाणे ने गति देने की कोशिश की लेकिन बारिश के कारण दूसरे दिन के तीसरे सत्र का खेल बाधित हुआ और इसके बाद मैच दोबारा शुरु नहीं हो सका। स्टंप्स तक पुजारा 49 गेंदों में आठ रन और रहाणे 19 गेंदों में दो रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। तीसरे दिन पुजारा और रहाणे पर टीम इंडिया की पारी को मजबूती से आगे बढ़ाने और ऑस्ट्रेलिया पर निर्णायक बढ़त हासिल करने की जिम्मेदारी होगी जबकि कंगारु टीम के गेंदबाज भारतीय पारी को जल्द से जल्द ढेर कर बड़ी बढ़त हासिल करना चाहेंगे।

इस तरह आउट होने का मलाल नहीं: रोहित शर्मा

भारत के स्टार सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा एक बार फिर अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में तबदील करने में नाकाम रहे लेकिन उन्होंने कहा है कि उन्हें इस तरह आउट होने का कोई मलाल नहीं है। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट के दूसरे दिन शनिवार को पहली पारी में 74 गेंदों में छह चौकों की मदद से 44 रन बनाए। रोहित जब खेल रहे थे तो ऐसा लगा कि वह बड़ी पारी खेलेंगे लेकिन रोहित ऑफ स्पिनर नाथन लियोन की गेंद पर गैरजिम्मेदाराना शॉट खेलकर आउट हो गए। रोहित के इस तरह आउट होने पर सुनील गावस्कर सहित कई क्रिकेटरों ने नाराजगी व्यक्त की। हालांकि उन्होंने दूसरे दिन का खेल खत्म होने के बाद खुद का बचाव करते हुए कहा कि उन्हें इस तरह आउट होने का कोई अफसोस नहीं है। रोहित ने कहा, मैं उस जगह पहुंचा जहां मुझे पहुंचना था। गेंद बल्ले से अच्छी तरह कनेक्ट नहीं हुई। मैंने जिस तरह बल्लेबाजी की उससे संतुष्ट हूं। हमें पता है कि यह पिच बल्लेबाजी के लिए अच्छी है। यहां बाउंस है और मैंने इसका आनंद लिया। उन्होंने कहा, जब मैं बल्लेबाजी करने उतरा और जब मैंने कुछ ओवर खेले तो मुझे इस बात का एहसास हुआ कि यहां गेंद ज्यादा स्विंग नहीं हो रही है। मुझे इसमें ढलने में थोड़ा समय लगा। हालांकि दुर्भाग्य से मैं आउट हो गया लेकिन यह ऐसा है जिसका मुझे कोई मलाल नहीं है। मैं गेंदबाजों पर दबाब बनाना चाहता था। रन बनाना दोनों टीमों के लिए थोड़ा कठिन है लेकिन किसी एक बल्लेबाज को सोचना होगा कि किस तरह गेंदबाजों पर दबाव बनाया जाए। रोहित ने कहा, बल्लेबाजी करते वक्त गलतियां हो सकती है लेकिन आपको इसे स्वीकार करने के लिए तैयार रहना पड़ता है। मेरी रणनीति थी कि मैं वो शॉट खेलूं और मुझे इसका कोई अफसोस नहीं है। नाथन लियोन चतुर गेंदबाज हैं। उन्होंने मेरे खिलाफ गेंदबाजी की और मैं उसका तोड़ नही निकाल सका।

रोहित शर्मा पर भड़के सुनील गावसकर बोले यह गैर-जिम्मेदाराना शॉट

रोहित ने नाथन लायन की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने का प्रयास किया लेकिन वह मिड-विकेट पर मिशेल स्टार्क के हाथों कैच आउट हो गए। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावसकर रोहित के इस शॉट से काफी नाराज हैं। गावसकर ने रोहित की बल्लेबाजी को गैर-जिम्मेदाराना करार दिया। उन्होंने कहा कि रोहित एक अनुभवी बल्लेबाज हैं और उन्हें ऐसा शॉट नहीं खेलना चाहिए। रोहित 44 पर अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे और उन्होंने एक खराब शॉट खेलकर अपना विकेट गंवा दिया। उनके आउट होने के बाद ऑस्ट्रेलिया अच्छी स्थिति में नजर आने लगा है। गावसकर ने कॉमेंट्री करते हुए कहा, सीनियर बल्लेबाज रोहित शर्मा ने गैर-जिम्मेदराना शॉट खेला है। गावसकर ने कहा, क्यों? क्यों? क्यों? मुझे समझ नहीं आ रहा है कि यह शॉट क्यों खेला। इस शॉट की कोई जरूरत नहीं थी। लॉन्ग ऑन पर फील्डर है, स्क्वेअर लेग पर फील्डर है। आपने अभी पहले कुछ चौके लगाए हैं, आपको ऐसे शॉट खेलने की क्या जरूरत है? आप एक सीनियर खिलाड़ी हैं, इस शॉट को खेलने का कोई बहाना नहीं है, बेशक आप इस खराब शॉट खेलने का कोई बहाना नहीं बना सकते। बिलकुल गैर-जरूरी विकेट। आपने ऑस्ट्रेलिया को विकेट तोहफे में दे दिया। यह टेस्ट मैच क्रिकेट है। आपको शुरुआत करने के बाद इसे बड़ी सेंचुरी में बदलना होता है। खासतौर से तब, जबकि सामने वाली टीम ने 369 रन बनाए हों।

पदार्पण मैच में भारत के दूसरे सबसे सफल लेफ्ट आर्म पेसर बने नटराजन

टी. नटराजन डेब्यू मैच में विकेट लेने के मामले में भारत के दूसरे सबसे सफल लेफ्ट आर्म पेसर बन गए हैं। तमिलनाडु के नटराजन ने अपने ही राज्य के स्पिनर वॉशिंगटन सुंदर के साथ अपने सीनियर साथियों की गैरमौजूदगी में शुक्रवार को ब्रिस्बेन में आस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था। इन दोनों ने अपने चयन को सार्थक साबित करते हुए तीन-तीन विकेट लिए और आस्ट्रेलिया की पहली पारी 369 रनों पर समेट में अहम भूमिका निभाई। नटराजन ने इस मैच की पहली पारी में 78 रन देकर तीन विकेट लिए। भारत के लिए डेब्यू मैच में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला लेफ्ट आर्म पेसर होने का रिकार्ड रुद्र प्रताप सिंह के नाम है, जिन्होंने 2005-06 में फैसलाबाद में पाकिस्तान के खिलाफ 89 रन देकर 4 विकेट लिए थे। आरपी सिंह ने 1952-53 सीजन में लखनऊ में पाकिस्तान के खिलाफ डेब्यू करते हुए 97 रन देकर तीन विकेट लेने वाले एसएस नयालचंद के रिकार्ड को पीछे छोड़ा था। अब नटराजन भी नयालचंद से आगे निकल गए हैं।

मुश्ताक अली ट्रॉफी में बंगाल को 13 रनों से हराकर किया उलटफेर

पराग के शानदार खेल के दम पर जीता असम

कोलकाता। कप्तान रियान पराग के हरफनमौला खेल के दम पर असम ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 टूर्नामेंट के एलीट ग्रुप बी के मैच में शनिवार को बंगाल को 13 रनों से हराकर उलटफेर किया।

ग्रुप के एक अन्य मैच में तमिलनाडु ने हैदराबाद को हराकर लगातार चौथी जीत के साथ तालिका में शीर्ष पर जगह बना ली है। पहले बल्लेबाजी का न्यौता मिलने पर पराग की 54 गेंद में 77 रन की पारी से असम ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 157 रन बनाने के बाद बंगाल को आठ विकेट पर 144 रन पर रोक दिया। पराग ने अपनी पारी में पांच छक्के और इतने ही चौके लगाए। उन्होंने इस दौरान इशान पोरेल (34 रन पर दो विकेट) के 18वें ओवर में 18 रन जुटाये। जीत के लिए 158 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बंगाल 18वें ओवर में तीन विकेट पर 130 रन बनाकर मजबूत स्थिति में था लेकिन आखिरी दो ओवरों में उसकी पारी लड़खड़ा गयी और टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 144 रन ही बना सकी। प्रीतम दास (27 रन पर तीन विकेट) और पराग (28 रन पर दो विकेट) ने बंगाल के कप्तान अनुष्टुप मजूमदार (47 गेंद में 48 रन रन) की पारी को बेकार कर दिया। ग्रुप के दूसरे मैच में एन जगदीशन (51 गेंद में 78 रन) और कप्तान दिनेश कार्तिक (30 गेंद में नाबाद 40 रन) की शानदार बल्लेबाजी से तमिलनाडु ने हैदराबाद को सात विकेट से करारी शिकस्त दी। हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट पर 152 रन बनाये। तमिलनाडु ने तीन गेंद शेष रहते तीन विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया।

तमिलनाडु की लगातार चौथी जीत

तमिलनाडु लगातार चौथी जीत के बाद 16 अंक के साथ ग्रुप तालिका में शीर्ष पर है जबकि बंगाल के नाम चार मैच में 12 अंक है। दोनों टीमों का 18 जनवरी को आमना-सामना होगा जिससे ग्रुप में शीर्ष पर रहने वाली टीम का फैसला होगा। टूर्नामेंट के प्रारूप के मुताबिक सभी ग्रुप (छह ग्रुप) की शीर्ष टीमों के अलावा एलीट ग्रुप ए से ग्रुप ई तक की अगली दो शीर्ष टीमें नॉकआउट चरण के लिए क्वालीफाई करेगी।

हार्दिक और क्रुणाल पांड्या के पिता का निधन

टीम इंडिया के कप्तान विराट ने जताया शोक

मुंबई। टीम इंडिया के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या और क्रुणाल पांड्या के पिता हिमांशू पांड्या का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया है।

पिता के निधन की खबर सुनने के बाद सैयद मुश्ताक अली टी-20 टूर्नामेंट में बड़ौदा टीम के कप्तान क्रुणाल जैव सुरक्षा प्रोटोकॉल से बाहर निकलकर अपने घर के लिए रवाना हो गए। क्रुणाल अब आगे इस टूर्नामेंट के मैच नहीं खेल सकेंगे। क्रुणाल ने सैयद मुश्ताक अली टूर्नामेंट में अबतक तीन मुकाबले खेले हैं और चार विकेट झटके हैं। दूसरी ओर हार्दिक इन दिनों घर पर ही रहकर इंग्लैंड के खिलाफ आगामी सीमित ओवर की सीरीज के लिए ट्रेनिंग कर रहे हैं। टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली ने पांड्या बंधुओं के पिता के निधन पर दुख व्यक्त किया। विराट ने ट्वीट कर कहा, हार्दिक और कृणाल के पिता की मौत की खबर सुनते ही दिल टूट गया। वह बहुत ही शानदार और मस्तमौला इंसान थे। मैंने उसने कई बार बातें की है। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। हार्दिक और कृणाल आप दोनों मजबूत रहें। युसूफ पठान ने कहा, जब कोई बहुत ही प्यारा इंसान गुजर जाता है तो उसके जाने का दुख सभी के लिए काफी बड़ा होता है। मुझे अंकल का संघर्ष हमेशा याद रहेगा जो उन्होंने अपने दोनों बेटों क्रिकेटर बनाने के लिए किया। मैं पांड्या परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करता हूं।

14 साल बाद पाक पहुंची दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम

कराची में 14 दिन तक रहना होगा क्वारंटाइन

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम चार्टर्ड विमान से शनिवार को कराची पहुंच गई। मेजबान पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के बीच टेस्ट और टी20 मैचों की सीरीज खेली जाएगी। इस दौरे पर दक्षिण अफ्रीका टीम मेजबान पाकिस्तान के साथ 26 जनवरी से 2 टेस्ट और 3 टी20 मैचों की सीरीज खेलेगी। सीरीज का समापन 14 फरवरी को होगा।

सीरीज के मैच कराची, रावलपिंडी और लाहौर में खेले जाएंगे। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ चेहरे पर मास्क लगाए शनिवार को कराची एयरपोर्ट पहुंचे। मेहमान प्रोटियाज टीम टेस्ट सीरीज शुरू होने से पहले कराची में ही 14 दिन क्वारंटाइन में समय गुजारेगी। साल 2009 में श्रीलंकाई टीम के बस पर आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान का दौरा करने वाली दक्षिण अफ्रीका टेस्ट खेलने वाली तीसरी टीम है। आतंकी हमले के बाद श्रीलंका और बांग्लादेश ने पाकिस्तान का दौरा किया था। पाकिस्तान टीम नए साल 2021 में इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज की मेजबानी करेगी। श्रीलंका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज 2-0 से जीतने के बाद दक्षिण फ्रीकी टीम पाकिस्तान पहुंची है। दौरे की शुरुआत टेस्ट सीरीज से होगी। 26 जनवरी को पहला टेस्ट कराची में खेला जाएगा। जबकि सीरीज का दूसरा और अंतिम टेस्ट मैच 4 फरवरी से रावलपिंडी में खेला जाएगा। इसके बाद टी20 सीरीज खेली जाएगी।

पाक के खिलाफ द. अफ्रीका महिला टीम की कमान संभालेंगी लुस

नियमित कप्तान डेन वान निएकर्क पीठ दर्द के कारण सीरीज से बाहर

जोहानसबर्ग। पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज के लिए सुने लुस को दक्षिण अफ्रीका महिला टीम का कप्तान बनाया गया है।

क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने इसकी जानकारी दी। टीम की नियमित कप्तान डेन वान निएकर्क पीठ में दर्द के कारण सीरीज से बाहर हैं और उनकी जगह लुस वनडे और टी-20 सीरीज में टीम की कमान संभालेंगी। पिछले साल ऑस्ट्रेलिया में हुए आईसीसी महिला टी-20 विश्वकप के बाद दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम की यह पहली अंतरराष्ट्रीय सीरीज होगी। पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 20 जनवरी को खेला जाएगा जबकि दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की टी-20 सीरीज की शुरुआत 29 जनवरी को होगी।

सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका टीम

सुने लुस (कप्तान), लौरा वोलवार्ड्ट, त्रिशा चेट्टी (विकेटकीपर), मिगनोन डू प्रीज, शबनिम इस्माइल, लिजेले ली, अयाबोंगा खाका, मसाबता क्लास, नादिने डी क्लेर्क, तुमी सेखुखुने, सिनालो जाफता, मरिजाने काप, लारा गुडआल, नोंदुमिसो शांगासे, नोनकुलुलेको मलाबा, फेतुनिक्लीफ, एनेके बोश और तजमिन ब्रिट्स।

अर्जेंटीना के खिलाफ खेलना हमारे लिए अच्छा टेस्ट: रानी

ब्यूनस आयर्स। भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान रानी का मानना है कि टोक्यो ओलंपिक के लिए टीम की तैयारी कैसी है उसे जानने के लिए अर्जेंटीना के खिलाफ खेलना अच्छा टेस्ट होगा। भारतीय महिला टीम कोरोना के बाद खेल गतिविधियां शुरु होने के बाद पहली बार कोई अंतरराष्ट्रीय दौरे में गई है। भारत और अर्जेंटीना के बीच रविवार से मुकाबले होंगे। रानी ने कहा, यह समय दुनियाभर में खेल के लिए काफी कठिन रहा लेकिन खेल गतिविधियां शुरु होना हमारे लिए सुखद है और इससे काफी अच्छा महसूस हो रहा है। हम मजबूत टीमों के खिलाफ खुद को परखने के लिए उत्सुक हैं और यह भी समझना चाहते हैं कि इस वक्त टीम किस जगह खड़ी है। उन्होंने कहा, मेरे ख्याल से प्रतिस्पर्धी हॉकी के लिहाज से यह दौरा हमारे लिए काफी अहम है। यह साल हमारे लिए काफी कठिन है और मजबूत टीमों के खिलाफ मुकाबले खेलने से हम टोक्यो ओलंपिक के लिए अच्छी तैयारी करने के अपने लक्ष्य के लिए कड़ी मेहनत कर सकेंगे। खेल रत्न से सम्मानित 26 वर्षीय कप्तान ने कहा, खेल लोगों को जश्न मनाने का मौका देता है और यह जिम्मेदारी मुझ पर और मेरी टीम पर है। हमें पता है कि इस साल हमारा लक्ष्य क्या है और हम चाहते हैं कि साल की शुरुआत हम जीत से करें।

मोहम्मद सिराज की सचिन तेंदुलकर ने की तारीफ और उनकी गेंदबाजी के बारे में बताई बेहद खास बात

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम व ऑस्ट्रेलिया के बीच गाबा में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का आखिरी मुकाबला खेला जा रहा है। इस मैच की पहली पारी में टीम इंडिया के खिलाफ कंगारू टीम ने पहली पारी 369 रन बनाए थे और भारत की तरफ से टी नटराजन, शार्दुल ठाकुव व वाशिंगटन सुंदर ने तीन-तीन विकेट हासिल किए, लेकिन तेज गेंदबाज मो. सिराज को सिर्फ एक सफलता मिली। उन्होंने 28 ओवर फेंके और 77 रन दिए, लेकिन उनका इकानॉमी रेट सिर्फ 2.80 का रहा।

मो. सिराज की गेंदबाजी की पूर्व भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने जमकर तारीफ की। सचिन तेंदुलकर ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि, जब मो. सिराज गेंदबाजी कर रहे थे तब मैंने कई लोगों को ये कहते हुए सुना कि, वो गेंद को पिच की दरारों में डाल रहे हैं। वैसे सिराज की गेंदबाजी को लेकर मेरी राय थोड़ी अलग है। वो गेंद का शानदार तरीके से रीलिज कर रहे थे। गेंदबाजी के समय उनका सीम पोजिशन पहले या दूसरे स्लिप की तरफ था। यही नहीं जब वो कटर फेंकना चाहते थे तब वो गेंद के अधिक चमकीले हिस्से को ऑफ साइड की तरफ रख रहे थे।

सचिन ने आगे कहा कि, उन्हें जो मूवमेंट मिल रही थी वो पिच की दरारों की वजह से नहीं बल्कि ये उनकी अपनी खासियत है। मो. सिराज ने इस टेस्ट मैच में अब तक अच्छी गेंदबाजी की है और मेलबर्न टेस्ट मैच में उन्होंने 5 विकेट हासिल किए थे।

वहीं सिडनी टेस्ट मैच में उन्हें दो सफलता मिली जबकि गाबा टेस्ट मैच की पहली पारी में उन्होंने एक विकेट लिया। वहीं इस टेस्ट मैच में दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक टीम इंडिया ने 2 विकेट के नुकसान पर 62 रन बना लिए थे। रोहित शर्मा पहली पारी में 44 रन बनाकर जबकि शुभमन गिल 7 रन के निजी स्कोर पर आउट हो गए थे।

रूट का चौथा दोहरा शतक, इंग्लैड की स्थिति मजबूत

श्रीलंका ने स्टंप्स तक दो विकेट पर बनाए 156 रन, इंग्लैंड के स्कोर से 130 रन पीछे

गाले (एजेंसी)। कप्तान जो रूट (228) के शानदार दोहरे शतक से इंग्लैंड ने श्रीलंका के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के तीसरे दिन शनिवार को पहली पारी में 421 रन बनाए और 286 रन की बड़ी बढ़त हासिल कर मैच में अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

श्रीलंका ने स्टंप्स तक दो विकेट पर 156 रन बना लिए हैं और वह अभी इंग्लैंड के स्कोर से 130 रन पीछे है। इंग्लैंड ने चार विकेट पर 320 रन से आगे खेलना शुरु किया और रुट के दोहरे शतक से उसने पहली पारी में 421 रन बनाए। श्रीलंका ने दूसरी पारी में मजबूत शुरुआत की और दिन का खेल खत्म होने तक दो विकेट पर 156 गेंदों में छह चौकों की मदद से 76 और लसित एंबुलदेनिया खाता खोले बिना क्रीज पर मौजूद हैं।

श्रीलंका की ओर से दूसरी पारी में कुशल परेरा ने 109 गेंदों में पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 62 रन बनाए। उन्होंने तिरिमाने के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 101 रन की बड़ी साझेदारी की। उनके अलावा कुशल मेंडिस 65 गेंदों में एक चौके के सहारे 15 रन बनाए। इंग्लैंड की तरफ से सैम करेन ने 25 रन देकर एक विकेट और जैक लीच ने 67 रन देकर एक विकेट लिया। इससे पहले रुट ने तीसरे दिन 168 रन से अपनी पारी को आगे बढ़ाते हुए अपने टेस्ट करियर का चौथा बल्लेबाज जोस बटलर के साथ मिलकर पांचवें विकेट के लिए 68 रन की साझेदारी की। रूट का विकेट दिलरुवान परेरा ने लसित एंबुलदेनिया के हाथों कैच कराकर लिया। रूट ने 321 गेंदों में 18 चौकों और एक छक्के की मदद से 228 रन बनाए। उनके अलावा बटलर ने 57 गेंदों में तीन चौकों के सहारे 30 रन बनाए। इंग्लैंड की पारी में रुट, डेनियल लॉरेंस, जॉनी बेयरस्टो और बटलर ने शानदार पारियां खेली और उनके अलावा अन्य कोई बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। श्रीलंका की ओर से दिलरुवान परेरा ने 109 रन देकर चार विकेट, एंबुलदेनिया ने 176 रन देकर तीन विकेट और असिता फर्नांडो ने 44 रन देकर